सैमसन विदेशी धरती पर पिछली दस पारियों में...

हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, रविवार, 05 जुलाई 2026, वर्ष- 09, अंक- 131, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

इच्छाशक्ति, कूटनीति और रिफाइनिंग क्षमता से भारत ऊर्जा संकट से उबरा : पीएम मोदी

एजेंसी। बालोतरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हुआ लेकिन नए भारत की इच्छाशक्ति, समय पर लिए गए फैसलों, प्रभावी रणनीति, संसाधनों के संतुलित उपयोग और कूटनीतिक ताकत के दम पर देश इस संकट से सफलतापूर्वक बाहर निकल आया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया के कई देश ईंधन संकट और बढ़ती कीमतों से जूझ रहे थे, तब भारत ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता तथा कीमतों को नियंत्रित रखा। राजस्थान के बालोतरा में लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ लोग अफवाहें और आशंकाएं फैला रहे थे, तब सरकार दिन-रात हालात संभालने, नीतिगत और कूटनीतिक स्तर पर फैसले लेने तथा संकट से देश को बाहर निकालने में जुटी थी। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का इतिहास कभी न कभी जरूर लिखा जाएगा।

मोदी ने कहा कि युद्ध के कारण घरेलू एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर बड़ा संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने बताया कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आवश्यकता आयात से पूरी होती थी और उसमें से 90 प्रतिशत आपूर्ति खाड़ी देशों से होर्मुज़ मार्ग के जरिए आती थी, जो युद्ध जैसे हालात के कारण लगभग रुक गई। इसके बाद सरकार ने रिफाइनरियों की क्षमता का बेहतर उपयोग करने का फैसला किया। जिन रिफाइनरियों में पहले अन्य उत्पाद बनाए जाते थे, उन्हें एलपीजी उत्पादन के निर्देश दिए गए और सात दिनों के भीतर घरेलू एलपीजी उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़कर 54 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया। जिन रिफाइनरियों ने पहले कभी एलपीजी का उत्पादन नहीं किया था, उन्हें भी इसके लिए तैयार किया गया।

प्रधानमंत्री ने जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

जोधपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संशोधित उड़ान योजना का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू, केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय नागर विमानन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित जोधपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल 23 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला है तथा इसकी प्रतिवर्ष यात्री क्षमता 20 लाख है। राजस्थान की समृद्ध विरासत से प्रेरित वास्तुकला से निर्मित यह टर्मिनल भवन अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है। साथ ही, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और हरित भवन निर्माण पद्धतियों जैसी विशेषताओं के साथ सतत विकास

टर्मिनल के डिजाइन के अभिन्न अंग हैं। नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन से बेहतर एयर कनेक्टिविटी के साथ पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। 'उड़े देश का आम नागरिक' के विजन को मजबूती प्रधानमंत्री द्वारा 'उड़े देश का आम नागरिक' के विजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई संशोधित उड़ान योजना में रीजनल एयर कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस योजना के तहत 28 हजार 840 करोड़ रुपये के आवंटन से अगले 10 वर्षों में विमानन आधारित विकास को गति दी जाएगी। इससे देश भर में व्यापक और स्थायी कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी तथा भारतीय विमानन क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। 100 हवाई अड्डों के विकास पर जोरसंशोधित उड़ान योजना के तहत देशभर में विमानन अवसंरचना के विस्तार के लिए मौजूदा इस्तेमाल में नहीं आ रही हवाई पट्टियों से 100 हवाई अड्डों के विकास पर विशेष बल दिया गया है। साथ ही, दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में पहुंच संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए योजना में 200 आधुनिक हेलीपैड का विकास भी प्रस्तावित है। इस योजना के तहत एयरलाइन कंपनियों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की वायबिलिटी गैप फंडिंग सहायता जारी रखी जाएगी, जिससे क्षेत्रीय परिचालन की निरंतरता सुनिश्चित हो सकेगी।

केंद्र सरकार ने 17 पाकिस्तानियों समेत 23 और दहशतगर्दों को घोषित किया आतंकवादी

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत गृह मंत्रालय ने 23 और दहशतगर्दों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम-1967 (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। इस कार्रवाई के बाद यूएपीए की चौथी अनुसूची में नामित आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि इन आतंकवादियों को औपचारिक रूप से नामित किए जाने से उनके वित्तीय नेटवर्क, आवाजाही, भर्ती क्षमता और आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को और मजबूती मिलेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 23 खूंखार आतंकवादियों को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये आतंकवादी भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकी हमलों, हथियारों की तस्करी, सीमा

पार घुसपैठ, आतंकवादी संगठनों की मदद, धन जुटाने और आतंकवादियों की भर्ती में शामिल रहे हैं। शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारत और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आतंकी मॉड्यूल को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। सभी वर्तमान में पाकिस्तान अथवा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, अशफाक अहमद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की और वसीम नूर जाट शामिल हैं। इसके अलावा अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ ताईबी, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार और मोहम्मद शहीद फैसल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी), फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआईएफ), पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल), अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों से जुड़े बताए गए हैं। भारतीय आतंकवादियों में फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कयूम लोन, नज़ीर अहमद गुज्जर और ओवैस फारूक़ शामिल हैं। इनमें फिरदौस अहमद भट, हारून रशीद गनई, आबिद कयूम लोन, नज़ीर अहमद गुज्जर और ओवैस फारूक़ लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं, जबकि बिलाल अहमद मीर लश्कर-ए-तैयबा के साथ-साथ द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) से भी संबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार ये सभी भारतीय नागरिक वर्तमान में पाकिस्तान या पीओके से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने जमा किया मतदाता सूची पुनरीक्षण का गणना फॉर्म, नागरिकों से सहयोग की अपील

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को उपराष्ट्रपति भवन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) अभियान के तहत विधिवत भरा हुआ गणना फॉर्म जमा किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हुए चुनाव आयोग का सहयोग करने की अपील की। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के नेतृत्व में जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) तथा बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की टीम ने उपराष्ट्रपति भवन पहुंचकर गणना प्रक्रिया पूरी कराई। यह अभियान दिल्ली में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि चुनाव आयोग की यह पहल लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य लोकतंत्र को कमजोर करना नहीं, बल्कि मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वास्तविक और पात्र मतदाता का मतदाता सूची में पंजीकरण होना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्होंने अपने सभी निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार राजनीतिक व्यस्तताओं और विधानमंडल के चल रहे अधिवेशन के कारण एकनाथ शिंदे पर काम का अत्यधिक दबाव था। इसी दौरान उन्हें बुखार और कमजोरी महसूस होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने कुछ निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ठाणे का दौरा किया, लेकिन स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उन्हें कार्यक्रम बीच में ही रद्द करने पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद शिंदे को घर पर आराम करने के बजाय अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी। इसके बाद शुक्रवार देर रात उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक थकान, वायरल बुखार और कमजोरी के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई है। हालांकि, उनकी हालत नियंत्रण में है और चिंता की कोई बात नहीं है। शिंदे की अस्वस्थता का असर राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। ठाणे के गंगूबाई शिंदे हॉल में शुक्रवार को धुले से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की उपनेत्री शुभांगी पाटिल के पार्टी प्रवेश का कार्यक्रम प्रस्तावित था।

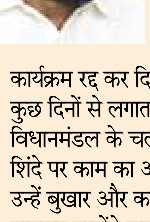

दो बैंकों से 232 करोड़ की धोखाधड़ी मामलों में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को दो बड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में महाराष्ट्र और गुजरात में छापेमारी की। इन मामलों में कुल 231 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी का आरोप है। सीबीआई ने बताया कि पहला मामला मुंबई स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत पर दर्ज किया गया है, जिसमें आरएल ज्वेल्स लिमिटेड और उसके निदेशकों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, विश्वासघात, संपत्ति के दुरुपयोग और फर्जीवाड़े का आरोप है। इस मामले में बैंक को लगभग 103.58 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आरोप है कि कंपनी ने धन का दुरुपयोग किया, अन्य बैंकों के खातों के माध्यम से फंड स्थांतरित किए और रिकॉर्ड में हेरफेर की। दूसरा मामला केनरा बैंक की शिकायत पर दर्ज किया गया है, जिसमें अशापुरा गारमेंट्स लिमिटेड और उसके निदेशकों पर बैंकिंग

कंसोर्टियम को धोखा देने का आरोप है। शिकायत के अनुसार, कंपनी ने वस्त्र उद्योग के लिए दी गई बैंक सुविधाओं को अन्य क्षेत्रों में डायवर्ट किया और स्टील, एल्युमिनियम व कोयले के कारोबार में उच्च मूल्य के लेन-देन किए। इस धोखाधड़ी से बैंकों को लगभग 128.23 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सीबीआई ने कहा कि एजेंसी ने शनिवार को महाराष्ट्र और गुजरात में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इसमें आरोपितों के आवासीय परिसरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और कंपनियों के कार्यालयों को शामिल किया गया।

गुजरात एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, 8 आरोपित गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस। अहमदाबाद

गुजरात की एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने कई राज्यों में संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'दारुल इस्लाम गुजरात जैश-ए-मोहम्मद' से जुड़े एक संदिग्ध मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह मॉड्यूल कथित तौर पर सीमा पार बैठे हैंडलर्स के संपर्क में था और देश-विरोधी गतिविधियों के लिए नेटवर्क तैयार कर रहा था। एटीएस के अनुसार, अभियान में उसकी पांच विशेष टीमों ने गुजरात के बनासकांठा, नवसारी और पाटन जिलों की पुलिस तथा मध्य प्रदेश के देवास पुलिस के

साथ मिलकर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के लिए एटीएस मुख्यालय लाया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित रूप से जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अज़हर के विचारों और प्रचार सामग्री से प्रभावित थे। एजेंसी का आरोप है कि वे संगठन के लिए स्थानीय स्तर पर लॉजिस्टिक नेटवर्क तैयार करने, प्रचार-प्रसार करने और भविष्य में संभावित आतंकी गतिविधियों के लिए आधार तैयार करने की दिशा में काम कर रहे थे। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस मामले को जो बात बिल्कुल अलग बनाती है, वह यह है कि कैसे इस मॉड्यूल ने अपने सदस्यों को अलग-अलग शहरों में फैलाया और अंतिम हमले के आदेश का इंतज़ार करते हुए आसानी से आने-जाने के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाली संपत्तियों का इस्तेमाल किया। ग्रुप को अपने स्थानीय सेटअप के लिए हैंडलर्स से 3 लाख रुपये मिले थे। उन्होंने इन पैसों से एक पुरानी कार खरीदी, जिसे जानबूझकर अपने नाम पर ट्रांसफर नहीं कराया, ताकि उनकी पहचान गाड़ियों के डेटाबेस और ट्रांसपोर्ट रजिस्ट्री से पूरी तरह छिपी रहे। छिपने के लिए उन्होंने संस्थागत जगहों का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल किया।

केंद्र ने टेलीग्राम को पायरेसी के खिलाफ खुद से कार्रवाई करने को कहा, 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को नोटिस जारी कर पायरेसी के खिलाफ प्लेटफॉर्म स्तर पर कार्रवाई की करने को कहा है। इसमें बेहतर पहचान, पायरेटेड फिल्मों व ओटीटी कंटेंट को हटाना और चैनलों और समूहों जैसे बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शामिल है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक टेलीग्राम को अपनी शिकायत निवारण और पायरेसी-विरोधी प्रणालियों पर 15 दिनों के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। निर्देश में इस बात पर जोर दिया गया है कि कॉपीराइट अधिनियम 1957 और सिनेमैटोग्राफ अधिनियम 1952 के तहत भारत में कॉपीराइट उल्लंघन एक दंडनीय अपराध है, जिसका उद्देश्य घरेलू फिल्म और ओटीटी उद्योग की सुरक्षा करना है। सरकार ने इससे पहले पायरेटेड सामग्री प्रसारित करने वाले 3 हजार से अधिक टेलीग्राम चैनलों के खिलाफ कार्रवाई की थी। टेलीग्राम को याद दिलाया गया है कि एक मध्यस्थ के रूप में उसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और नियमों के तहत उचित सावधानी बरतनी आवश्यक है।

असम को अब ध्रुवीकरण की जरूरत नहीं :सीएम सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की राजनीति और सामाजिक माहौल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि असम के मूल निवासियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए राज्य को एक ध्रुवीकरण करने वाले नेतृत्व की जरूरत थी और उन्होंने स्वयं उस भूमिका को निभाया। सरमा का दावा है कि अब राज्य में लोगों का भरोसा मजबूत हो चुका है और इसलिए आगे ध्रुवीकरण की आवश्यकता नहीं रह गई है। मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि पहले असम के लोगों को लगता था कि उनके हितों की रक्षा करने वाला कोई मजबूत नेतृत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है और लोगों को विश्वास हो गया है कि राज्य सरकार किसी एक समुदाय का पक्ष लेने के बजाय कानून के अनुसार शासन कर रही है। उनके अनुसार, अब कोई भी असमिया समाज को आसानी से चुनौती नहीं दे सकता और कानून-व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। सीएम सरमा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अब असम में ध्रुवीकरण की आवश्यकता है। मैंने उस खतरे को नियंत्रित कर लिया है।

सहकारिता को नई ऊर्जा मिली: शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सहित देश के कई प्रमुख नेताओं ने देशवासियों और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोगों को शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने सहकारिता आंदोलन को आत्मनिर्भर भारत, ग्रामीण विकास और सामूहिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए इसके विस्तार और सशक्तीकरण पर बल दिया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि सहकारिता भारत की संस्कृति, सामूहिक शक्ति और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को नई ऊर्जा और

सहकार से समृद्धि के संकल्प को आगे बढ़ाने पर जोर; किसानों

व्यापक विस्तार मिला है। शाह के अनुसार, सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना, आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों का विकास तथा नए क्षेत्रों में सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने जैसे प्रयासों से किसानों, महिलाओं, छोटे उद्यमियों और श्रमिकों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये पहल सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने भी सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोगों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन के माध्यम से देश की प्रगति और आत्मनिर्भरता में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर देश को गर्व है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी सभी सहकारी संस्थाओं और उनके सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सहकार से समृद्धि का संकल्प जन-भागीदारी, आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास का मजबूत आधार है। उन्होंने विश्वास जताया कि दिल्ली सरकार आधुनिक तकनीक, डिजिटल सेवाओं और पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जल संकट में ड्रैगन को घसीट रहा पाकिस्तान

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान दशकों से सिंधु जल समझौते से लाभ उठा रहा था, अपनी प्यास बुझा रहा था, लेकिन सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने की नीतियों ने भारत को सिंधु जल संधि पर अपने रुख की समीक्षा करने पर मजबूर कर दिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक सिंधु जल संधि पर पहले जैसी व्यवस्था नहीं चल सकती। इस मुद्दे को लेकर पाकिस्तान चीन की गोद में बैठकर कुदरत की सौगातों का पाठ पढ़ा रहा है। पाकिस्तान का तर्क है कि हिमालय से निकलने वाली नदियां सिर्फ भारत और पाकिस्तान की नहीं हैं, बल्कि चीन भी इनका एक बड़ा हितधारक है, और इस मुद्दे पर उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान ने अचानक चीन को जल सिंधू विवाद में क्यों घसीटा, यह समझना जरूरी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर

सिंधु जल संधिः भारत के सख्त रुख के बाद नई कूटनीतिक चाल

अंद्राबी ने हाल ही में कहा कि हिमालय से निकलने वाली नदियां कुदरत की देन हैं और ये सिंधु से लेकर मेकांग तक कई देशों को पानी देती हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि चीन से भी कई बड़ी नदियां निकलती हैं, इसलिए पानी का मुद्दा पूरी मानवता से जुड़ा है और चीन की भूमिका भी इसमें अहम है। पाकिस्तान यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि यह सिर्फ भारत-पाकिस्तान का द्विपक्षीय मामला नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का एक साझा मुद्दा है, जिसमें चीन एक महत्वपूर्ण पक्षकार है। ताहिर अंद्राबी ने अपने बयान में जोर दिया कि चीन का रुख पानी से जुड़े बड़े मुद्दों पर हमेशा सकारात्मक रहेगा, क्योंकि वह न सिर्फ दक्षिण एशिया में बहने वाली नदियों के मामले में, बल्कि हिमालय से चीन और सुदूर पूर्व की ओर बहने वाली विशाल नदी प्रणालियों के मामले में भी एक अहम पक्षकार है। अब सवाल यह उठता है कि पाकिस्तान ने चीन का नाम क्यों लिया। इसका सीधा जवाब है - भारत पर कूटनीतिक दबाव बनाना। सिंधु जल को लेकर भारत के सख्त रुख के बाद पाकिस्तान छटपटा रहा है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि पहले आतंकवाद रोको, तभी द्विपक्षीय संबंध सामान्य हो सकते हैं। पाकिस्तान को उम्मीद है कि चीन, जो उसका एक सदाबहार दोस्त और सबसे करीबी रणनीतिक साझेदार रहा है, उसके समर्थन में आवाज उठा सकता है। दोनों देशों के बीच चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) जैसी बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं।

फिलिस्तीनी राजदूत ने भारत से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली। भारत में फिलिस्तीनी राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश ने हाल ही में गाजा पट्टी की भयावह स्थिति को बहुत खराब बताया, जिसमें स्वास्थ्य व्यवस्था लगभग पूरी तरह से चरमराने की कगार पर है और हजारों सर्जरी टाल दी गई हैं। राजदूत ने गाजा में मौजूदा मानवीय संकट का विस्तृत वर्णन किया और भारत द्वारा फिलिस्तीनियों को दिए जा रहे समर्थन की सराहना की। उन्होंने बताया कि दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक गाजा, जो सिर्फ 365 वर्ग किलोमीटर में 2.3 मिलियन लोगों का घर है, उसका 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पहले ही तबाह हो चुका है। अबू शावेश ने यह भी कहा कि उनका घोषित लक्ष्य फिलिस्तीनियों को गाजा से बाहर निकालना और वहां से पूरी तरह सफाया करना है, जो क्षेत्र में गहराते संकट की गंभीरता को दर्शाता है। राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक एजेंसी से कहा कि फिलिस्तीनी बच्चों का बचपन पूरी तरह से खत्म हो गया है। गाजा में बच्चों को लगातार तीसरे साल स्कूल जाने को नहीं मिल पा रहा है और पिछले दो सालों से उन्होंने एक भी दिन पढ़ाई नहीं की है।

राम मंदिर के बाद अब बदरीनाथ धाम में भी चढ़ावा चोरी?

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर से चढ़ावा चोरी मामले में दोषी कौन है इसका खुलासा होता इससे पहले बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर हो गया है। यहां मामला सामने आते ही बीकेटीसी ने जांच बैठाते हुए कर्मचारियों को नोटिस थमाकर जवाब मांगा है। अब भक्तों के मन में एक ही सवाल है कि आखिर मंदिर चढ़ावा चोरी की सक्रिय गैंग पर लगाम कब लगेगी। राम मंदिर में दान चोरी का मामला अभी पूरी तरह सुलझ भी नहीं पाया था कि विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम से चढ़ावे में हेरफेर के चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक पत्र तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि बदरीनाथ धाम में आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में गड़बड़ी की जा रही है। इन बढ़ते आरोपों को गंभीरता से लेते हुए बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने तत्काल प्रभाव से जांच के आदेश दे दिए हैं। बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मंदिर समिति ने इन आरोपों को अत्यंत गंभीरता से लिया है और पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं तथ्यपरक जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पटना जू में जुलाई लास्ट तक आएंगे दो नर गौर

पटना। पटना जू में जुलाई के अंत तक कर्नाटक के शिवमोगा जू से 2 नर गौर आयेंगे। पटना जू प्रशासन इसकी तैयारियों में लगा हुआ है।सेंट्रल जू अथॉरिटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। अभी पटना जू में सिर्फ़ 2 मादा गौर हैं। 2 नर गौर लाने से पटना जू में गौर की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी।शिवमोगा जू को देश की पहली विशेष 'गौर सफारी' के रूप में विकसित की गई है। इसके तहत मैसूरू चिड़ियाघर से लाए गए भारतीय गौर रखे जाते हैं।जून 2025 में संक्रमण से मादा गौर की मृत्यु हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार थिलेरियोसिस संक्रमण के कारण गौर की मौत की बात सामने आयी। गौर की मृत्यु के 20 दिनों पहले से ही उसके संक्रमण का इलाज चल रहा था।उससे पहले मार्च 2025 में आधी रात को नर गौर भैरवा की मौत हो गई थी। तीन-चार दिनों से बीमार चलने के बाद उसने खाना भी छोड़ दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का प्रारंभिक कारण सेप्टीसीमिया और मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर बताया गया था। वहीं, पटना जू में मैसूर जू से नर जिराफ आएगा। एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जानवरों की अदला-बदली होगी। जिराफ लाने को लेकर पहले कोलकाता जू से बातचीत हुई थी। मगर वहां से फीका रिस्पॉन्स मिला, जिसके बाद मैसूर से जिराफ लाया जाएगा।नर जिराफ को पटना जू लाने का मुख्य उद्देश्य जिराफ के ब्लड लाइन को बदलकर उसके ब्रीडिंग को बढ़ावा देना है। ऐसे में अगर मैसूर जू मांग करेगी तो यहां से तीन साल के मादा शावक जिराफ को मैसूर जू एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत भेजा जाएगा, क्योंकि पटना जू के पास अभी केवल एक मादा व्यस्क जिराफ मौजूद है।

नीतीश कुमार के लिए 'भारत रत्न' की मांग को लेकी पटना में लगे पोस्टर

पटना।पटना में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के शासनकाल को ऐतिहासिक बताते हुए बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्यभारत रत्नह्न से सम्मानित करने की मांग भी की गई है।इसके साथ ही पोस्टर में पहली बार 'मिशन विकसित बिहार-2040' और निशांत कुमार को लेकर भी कई राजनीतिक संदेश दिए गए हैं।पोस्टर में लिखा गया है कि "20 साल बेमिसाल... जनसेवा की स्वर्णिम मिसाल."। इसके साथ दावा किया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दो दशक के शासन में बिहार को एकता, न्याय और समावेशी विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि उन्होंने इन क्षेत्रों में "विश्व कीर्तिमान" स्थापित किया है।पोस्टर के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि पिछले 20 वर्षों में बिहार में विकास, कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है। पोस्टर में "मिशन विकसित बिहार-2040" का भी उल्लेख किया गया है। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को दीर्घकालिक विकास के रास्ते पर ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

डिजिटल सुशासन से बदल रहा बिहार, सरकार की तकनीकी पहल राज्य को बनाएगी विकास का अग्रणी हबः मंगल

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने बिहार में डिजिटल सुशासन और तकनीकी विकास के क्षेत्र में राज्य की सम्राट चौधरी सरकार द्वारा उठाए जा रहे ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी कदमों की भूरी-भूरी प्रशंसा की है। श्री पांडेय ने कहा कि वर्तमान सरकार बिहार को देश का एक अग्रणी तकनीकी केंद्र बनाने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार का यह कदम न केवल प्रशासनिक व्यवस्था में अभूतपूर्व पारदर्शिता लाएगा, बल्कि भ्रष्टाचार की जड़ों पर भी अंतिम प्रहार करेगा। श्री पांडेय ने कहा कि बिहार में आज जो व्यापक तकनीकी बदलाव और डिजिटल क्रांति दिख रही है, उसकी असली प्रेरणा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डिजिटल इंडिया (डिजिटल भारत) का विजन है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने तकनीकी क्षेत्र में जो वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किए हैं, आज हमारी राज्य सरकार उसी पदचिन्हों पर चलते हुए तकनीक के लाभ को बिहार के गांव-गांव और हर नागरिक तक पहुंचा रही है। पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने अपने लंबे कार्यकाल में बिहार में सुशासन और न्याय के साथ विकास की जो मजबूत नींव रखी थी, आज उसी को आगे बढ़ाते हुए सम्राट चौधरी सरकार आधुनिक तकनीक के माध्यम से जनता को सीधे और त्वरित लाभ पहुंचा रही है। नीतीश कुमार के सुशासन के संकल्प को आज डिजिटल माध्यमों से एक नई शक्ति और गति मिली है।

कोटा मॉडल की तर्ज पर बिहार में विकसित होंगे आधुनिक कोचिंग हब : मिथिलेश

» शिक्षा सुधारों के अध्ययन के लिए सोमवार को राजस्थान जाएंगे शिक्षा मंत्री

पटना।शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी 6 जुलाई सोमवार को राजस्थान के महत्वपूर्ण शैक्षणिक दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथा राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से शिष्टाचार मुलाकात एवं गुणात्मक शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा करेंगे।इस दौरे का उद्देश्य राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था में किए गए नवाचारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण मॉडल, विद्यालयी प्रबंधन, तकनीक आधारित शिक्षा, विद्यार्थी हितैषी योजनाओं तथा शैक्षणिक सुधारों का अध्ययन करना है, ताकि वहां के सफल मॉडलों को बिहार की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनाकर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सके।अपने दौरे के दौरान श्री तिवारी राजस्थान के शिक्षा क्षेत्र में लागू विभिन्न नवाचारों, डिजिटल शिक्षा, शिक्षकों के क्षमता विकास, विद्यालयी अधोसंरचना, कौशल विकास तथा विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक विकास से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श करेंगे। दोनों राज्यों के बीच शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग और अनुभवों के आदान-प्रदान को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा होगी। बैठक का एक प्रमुख विषय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विकसित कोटा मॉडल का अध्ययन भी रहेगा। राजस्थान के कोटा शहर ने वर्षों से देशभर के लाखों विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय कोचिंग सुविधाएं उपलब्ध कराकर एक विशिष्ट पहचान बनाई है। इसी अनुभव का अध्ययन करते हुए बिहार में भी पटना के अतिरिक्त राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में आधुनिक एवं सुव्यवस्थित कोचिंग हब विकसित करने की संभावनाओं पर गंभीर चर्चा की जाएगी।प्रस्तावित कोचिंग हब ऐसे स्थानों पर विकसित किए जाने की परिकल्पना है, जहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, आधुनिक शैक्षणिक संसाधन, पुस्तकालय, छात्रावास, करियर परामर्श सेवाएं तथा सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण एक ही परिसर में उपलब्ध कराया जा सके। इससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए अन्य राज्यों पर निर्भरता कम होगी तथा बिहार में ही उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि बिहार सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार और नवाचार के लिए प्रतिबद्ध है। देश के विभिन्न राज्यों में लागू सफल शैक्षणिक मॉडलों का अध्ययन कर उन्हें बिहार की परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप लागू करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी की सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

अपराध मामलों के त्वरित निपटारे के लिए 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनेंगे : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» हर माह दूसरे मंगलवार को पटना में लगेगा राज्यस्तरीय 'सहयोग शिविर', 112 सेवा का रिस्पांस टाइम 7-8 मिनट करने का लक्ष्य

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि अपराध से जुड़े मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए राज्य में 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। साथ ही, आम लोगों की शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए अब प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को पटना में राज्यस्तरीय 'सहयोग शिविर' आयोजित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 112 आपातकालीन सेवा के प्रतिक्रिया समय को मौजूदा 10 मिनट से घटाकर 7 से 8 मिनट करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री बोधगया स्थित महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र में बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) तथा बिहार न्यायिक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'नए आपराधिक कानूनों के एकीकृत कार्यान्वयन पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर मंथन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की पहचान हमेशा 'न्याय के साथ विकास' की रही है और नए आपराधिक कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन इस सोच को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि लगभग 14 करोड़ आबादी वाले बिहार में न्यायपालिका, पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी काफी महत्वपूर्ण है और न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए सभी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के 'सहयोग कार्यक्रम' के तहत प्रखंड स्तर पर प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को लोगों की शिकायतें सुनी जाती हैं और उनका 30 दिनों के भीतर निस्तारण किया जाता है। यदि निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई नहीं होती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। अब दूसरे मंगलवार को पटना में राज्यस्तरीय सहयोग शिविर लगाया जाएगा, जहां उन आवेदकों की शिकायतों पर सुनवाई होगी जो प्रखंड स्तर पर हुए निस्तारण से संतुष्ट नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का अधिकतम उपयोग किया जाएगा। अपराध नियंत्रण, जांच और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार थानों को सीसीटीवी, डिजिटल उपकरणों और आधुनिक वैज्ञानिक जांच संसाधनों से सुसज्जित कर रही है। फॉरेंसिक लैब, मोबाइल फोरेंसिक वैन और वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 112 आपातकालीन सेवा के तहत पुलिस औसतन 10 मिनट में घटनास्थल पर पहुंच रही है, जिसे घटाकर 7-8 मिनट करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्कूलों और कॉलेजों के आसपास विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्पीडी ट्रायल और फास्ट ट्रैक कोर्ट को और प्रभावी बनाने के लिए सरकार सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में शिक्षा क्षेत्र का भी उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार ज्ञान और शिक्षा की ऐतिहासिक भूमि है। राज्य में 211 नए डिग्री कॉलेज और 534 मॉडल स्कूल स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन शुरू हो चुका है, जबकि विक्रमशिला विश्वविद्यालय के पुनर्स्थापन की दिशा में भी तेजी से काम चल रहा है। सम्मेलन को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची, पटना उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय, बिहार न्यायिक अकादमी के चेयरमैन न्यायमूर्ति रंजन प्रसाद, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, एडवोकेट जनरल सत्यदर्शी, बिपार्ड के महानिदेशक डॉ. बी. राजेन्दर तथा गृह सचिव कुंदन कुमार ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में न्यायपालिका, पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई।

15 जुलाई को पटना पहुंचेंगे राहुल गांधी, मुसल्लहपुर हाट में पदयात्रा और छात्रों से करेंगे सीधा संवाद

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों और सांगठनिक मजबूती के लिए पूरी तरह सक्रिय हो गई है। हाल ही में सदाकत आश्रम में आयोजित बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक में संगठन को धार देने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम की अध्यक्षता और प्रभारी कृष्णा अल्लावरु की उपस्थिति में हुई इस समीक्षा बैठक में राज्य के सभी 53 सांगठनिक जिलाध्यक्ष शामिल हुए। बैठक का सबसे मुख्य आकर्षण राहुल गांधी का आगामी पटना दौरा रहा। कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी अब 15 जुलाई को पटना पहुंचेंगे। इस दौरे के दौरान वे राजधानी के प्रमुख शिक्षा केंद्र मुसल्लहपुर हाट में पदयात्रा करेंगे। छात्रों की गूंज कार्यक्रम के अंतर्गत वे वहां छात्रों से सीधा संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को जानेंगे। इस दौरान वे छात्र सम्मेलन को संबोधित करेंगे और छात्रों व युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। कांग्रेस की ओर से इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि छात्र सम्मेलन के माध्यम से शिक्षा, रोजगार और युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। राहुल गांधी के दौरे को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। बिहार कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के दौरे को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। पार्टी कार्यकर्ता छात्र संगठनों और स्थानीय लोगों से संपर्क कर रहे हैं ताकि अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। वहीं, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी का यह दौरा केवल एक सामान्य राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। इसके जरिए कांग्रेस युवाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों और शिक्षा से जुड़े संगठनों के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पेपर लीक, भर्ती में देरी, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर रही है। पटना का कार्यक्रम भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। कांग्रेस का प्रयास है कि छात्र समुदाय की समस्याओं को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया जाए। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने एक नई कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत वर्धा से आने वाली AICC की विशेषज्ञों की टीम बिहार के सभी 53 जिलाध्यक्षों को 22 से 31 जुलाई तक 10 दिनों का गहन प्रशिक्षण देगी। साथ ही अगले 15 दिनों तक चलने वाले पार्टी के आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है।

पर्यटन स्थलों में जीविका उत्पादों के लिए हाट-बाजार बनाने की तैयारी

नई सोच एक्सप्रेस

» ग्रामीण विकास मंत्री ने दिया अधिकारियों को निर्देश

पटना।ग्रामीण क्षेत्र का विकास तथा जीविकोपार्जन के संसाधन बढ़ाने के साथ ही गांवों में अर्थव्यवस्था की रीढ़ मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को मंत्री श्रवण कुमार ने नाबार्ड के साथ विभागीय अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। इस बैठक में मंत्री ने साफ कहा कि ग्रामीण विकास के लिए बनने वाली योजनाओं में गरीब-गुरबा की जरूरतों और उनके रोजगार का विशेष ख्याल रखा जाए। उन्होंने इस दिशा में राज्य के पर्यटन केंद्रों पर अत्याधुनिक हाट बनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर हाट बनाने से जीविका और किसानों के उत्पादों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रचार-प्रसार होगा। इससे गांव के गरीबों की आमदनी बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि जीविका दीदी और दूसरे गरीबों को रोजगार उपलब्ध कराने से संबंधित योजनाओं का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जाय। इसके लिए उन्होंने पायलट प्रोजेक्ट के तहत डीपीआर बनाने के लिए एजेंसी का सहयोग लेने पर बल दिया। मंत्री श्री कुमार ने जीविका दीदी और दूसरे लोगों को प्लंबर की ट्रेनिंग देने, खेल मैदान का निर्माण व्यवस्थित तरीके से करने, ग्रामीण क्षेत्र में पुराना और खाली पड़े सरकारी भवनों को चिन्हित कर इसे हाट, बाजार के रूप में तैयार करने आदि के आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जीविका दीदियों के कौशल विकास के लिए उन्हें ट्रेनिंग कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रखंड स्तर पर कम से कम 10 महिला, युवतियों को प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में विभागीय प्रधान सचिव पंकज कुमार ने नाबार्ड के अधिकारियों से कहा कि वह ग्रामीण क्षेत्रों की योजनाओं की वृहद पीपीटी बनाकर दें। उन्होंने कहा कि अधिकारी इस बात को सुनिश्चित करें कि आगामी पांच वर्ष के भीतर ग्राम पंचायतों में कम से कम एक हाट बनकर तैयार हो जाए। उन्होंने सभी हाट को डिजिटल मार्केट से जोड़ने से संबंधित आवश्यक सुविधाओं को लागू करने पर जोर दिया। बैठक में जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा, वीबी-जी राम जी योजना की आयुक्त अनन्या सिंह, नाबार्ड, पटना के मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह, उप महाप्रबंधक लक्ष्मण कुमार के साथ मंत्री के आप्त सचिव सुनील कुमार आदि पदाधिकारियों की प्रमुख उपस्थिति रही। मंत्री श्रवण कुमार ने बैठक में शामिल अधिकारियों से कहा कि पहाड़ी विशेषकर पश्चिम चंपारण, मुंगेर, नवादा आदि जिलों में बकरी पालन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव तैयार किया जाय। उन्होंने कहा कि आदिवासी इलाकों में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए अधिकारी प्रस्ताव तैयार करें और इसके लिए संबंधित क्षेत्र के लोगों को जागरूक भी किया जाय।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद में रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की

नई सोच एक्सप्रेस

» बुलेट ट्रेन परियोजना का 80% कार्य पूरा, पांच प्रमुख विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

पटना/अहमदाबाद।केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर शहर और रेलवे अवसंरचना से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अहमदाबाद से जुड़े पांच महत्वपूर्ण विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में रेल मंत्री ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में सूरत-बिलिमोरा खंड पर बुलेट ट्रेन सेवा का पहला चरण शुरू करने का लक्ष्य है। इसके बाद परियोजना का विस्तार चरणबद्ध तरीके से वापी, सूरत, अहमदाबाद और अंततः मुंबई तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गुजरात में विश्वस्तरीय रेलवे अवसंरचना, आधुनिक रेलवे स्टेशन, बेहतर सड़क संपर्क और अत्याधुनिक परिवहन सुविधाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इन परियोजनाओं से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी गति मिलेगी। बैठक के बाद अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत के सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र के लिए यह ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साणंद में देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री साणंद में दो अन्य सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की आधारशिला भी रख चुके हैं। बैठक में अहमदाबाद शहर और रेलवे से जुड़े पांच प्रमुख विकास कार्यों पर विशेष निर्णय लिए गए। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ओमनगर अंडरपास का शेष कार्य आगामी नवरात्रि से पहले हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिल सके। असरवा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत नई स्टेशन बिल्डिंग, आधुनिक यात्री सुविधाएं, डीआरएम कार्यालय और आसपास के रेलवे क्षेत्र का एकीकृत विकास कर इसे आधुनिक टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के तहत सारंगपुर की ओर दूसरा प्रवेश द्वार और नई सड़क संपर्क सुविधा विकसित करने पर सहमति बनी, जिससे यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी। शाहपुर-अहमदाबाद फ्लाईओवर परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राष्ट्रीय स्मारक संरक्षण से जुड़े मामलों में आवश्यक समन्वय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। रेल मंत्री ने बताया कि इस संबंध में केंद्रीय संस्कृति मंत्री से चर्चा हो चुकी है और आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद परियोजना पर कार्य शुरू किया जाएगा। इसके अलावा साबरमती रेलवे स्टेशन तक बेहतर सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन रोड के विस्तार और समग्र विकास की संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने पर भी सहमति बनी। बैठक में अहमदाबाद शहर भाजपा अध्यक्ष प्रेरकभाई शाह, महासचिव दर्शक ठाकर, गौतमभाई कथिरिया, उमंगभाई नायक, अहमदाबाद नगर निगम के मेयर हितेशभाई बारोट, डिप्टी मेयर अंजूबेन शाह, स्थायी समिति के अध्यक्ष कमलेशभाई पटेल, नगर निगम में भाजपा नेता जशुभाई ठाकोर, मुख्य सचेतक अतुलभाई मिश्रा, पार्षद सनी खानचंदानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री अशोक चौधरी के करीबी जदयू नेता पर पिस्टल और धारदार हथियार से हमला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार सरकार के कद्दावर मंत्री अशोक चौधरी के करीबी माने जाने वाले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता मनीष कुमार पर अपराधियों ने जानलेवा हमला किया है। घात लगाए बदमाशों ने पिस्टल और धारदार हथियार (चाकू) से उन पर किए, जिससे जदयू नेता बुरी तरह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। मिली जानकारी के अनुसार, जदयू नेता मनीष कुमार अपने पैतृक गांव सिकरिया के एक ग्रामीण की तबीयत खराब होने पर उसे इलाज कराने के लिए जहानाबाद शहर के राजा बाजार आए हुए थे। वे मरीज को डॉक्टर के पास दिखाने की प्रक्रिया में व्यस्त थे, तभी पहले से घात लगाकर बैठे अपराधियों ने मौका पाकर उन पर अचानक हमला बोल दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हमले में गंभीर रूप से जख्मी जदयू नेता को वहां मौजूद उनके मित्रों और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उठाया और तुरंत जहानाबाद सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। सदर अस्पताल के डॉक्टरों की टीम आपातकालीन वार्ड में मुस्तैदी से उनके इलाज में जुटी हुई है और फिलहाल उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अस्पताल में इलाज के दौरान घायल जदयू नेता मनीष कुमार ने पुलिस को दिए अपने प्रारंभिक बयान में हमलावरों की पहचान उजागर की है। उन्होंने बताया कि अंकित उर्फ लड्डू नारायण अपने चार-पांच अन्य अज्ञात साथियों के साथ हाथों में पिस्टल और धारदार हथियार लहराते हुए वहां पहुंचा और बिना कुछ संभलने का मौका दिए मारपीट शुरू कर दी। मनीष कुमार का आरोप है कि हमलावर उन्हें मारते हुए सरेआम कह रहे थे कि वे इलाके में शराब, अफीम और अन्य नशीली चीजें बेचेंगे और किसी में इसे रोकने की औकात नहीं है। नामजद आरोपी अंकित उर्फ लड्डू नारायण और उसके गुर्गों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं।

इंटरनेशनल कौन्फ्रेन्स में पथ निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता ने लहराया बिहार का परचम

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।आपदा रोधी एवं पर्यावरण के अनुकूल समाज निर्माण को कृतसंकल्पित तथा विज्ञान एवं तकनीक के विभिन्न पहलुओं को समाज के अन्तिम पंक्ति के लोगों तक पहुंचाने को कटिबद्ध पथ निर्माण विभाग , बिहार के अधीक्षण अभियंता ,बिहार अभियन्त्रण सेवा संघ के पूर्व महासचिव एवं इण्डियन इन्जीनियर्स फेडरेशन (पूर्व) के पूर्व उपाध्यक्ष डा सुनील कुमार चौधरी ने चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना के आडिटोरियम, में सेन्टर औफ पब्लिक पौलिसी, सीआईएमपी, पब्लिक फाइनेंस रिसर्च क्लस्टर, एंड्र्यू यन्ग स्कूल औफ पब्लिक स्टडीज,जौर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका के संयुक्त सहयोग एवं नीति आयोग, भारत सरकार के समर्थन से आयोजित चौथे इंटरनेशनल कौन्फ्रेन्स ओन पब्लिक पौलिसी एण्ड मैनेजमेंट में शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि विकास ऐसा हो जो विनाश से बचायें, विकास ऐसा हो जो पर्यावरण को बचायें।उनके शोध पत्र का विषय था- -क्लाइमेट चेन्ज,इन्वायरनमेंट एडप्टेसन एण्ड सस्टेनेबिलिटी-ए होलिस्टीक एप्रोच टूवार्ड्स क्लाइमेट रिजिलिएन्स।डा चौधरी ने जलवायु परिवर्तन का सामाजिक असमानता पर पड़ने वाले प्रभाव, इससे निपटने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे उपाय एवं क्लाइमेट रिजिलिएन्ट समाज की परिकल्पना को साकार करने के लिए होलिस्टीक एप्रोच पर विस्तार से चर्चा की।मानव केंद्रित दृष्टिकोण के परिप्रेक्ष्य में क्लाइमेट रिजिलिएन्स ,इन्वायरनमेंट,एडप्टीव एवं मीटिगेटीव एप्रोच की व्याख्या, एवं इसके विभिन्न पहलुओं पर बड़े ही रोचक ढंग से प्रकाश डाला। प्रस्तुतीकरण की शुरूआत करते हुए उन्होने बिल्ट इन्वायरनमेंट एवं सस्टनेबल डेवलपमेंट के बारे में विस्तार से चर्चा की ।उन्होने प्रूफ, रेसिस्टेन्ट एवं रेजिलिएन्ट स्ट्रक्चर के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि सस्टनेबल एवं रेजिलिएन्ट निर्माण एवं प्रबंधन न केवल सस्ता है बल्कि ड्यूरेबल एवं पर्यावरण के अनुकूल भी है । उन्होने क्लाइमेट रिजिलिएन्ट इन्वायरनमेंट के निर्माण में स्मार्ट मैटिरियल ,इनोवेटिव,कौस्ट इफेक्टिव, इन्वायरनमेंट फ्रेंडली, क्लाइमेट रिजीलिएन्ट एवं डिजास्टर रिजीलिएन्ट टेक्नोलॉजी/मैटिरियल के प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया ।उन्होंने सस्ता एवं पर्यावरण के अनुकूल तकनीक के विभिन्न पहलुओं पर बड़े ही सहज-सरल एवं रोचक ढंग से प्रकाश डाला । साथ ही कौस्ट इफेक्टिव, इको फ्रेंडली, क्लाइमेट रिजीलिएन्ट एवं डिजास्टर रिजीलिएन्ट रूरल हाउस निर्माण के तकनीक की व्याख्या बड़े ही रोचक ढंग से की ।

संक्षिप्त समाचार

लोकल से ग्लोबलः जीविका दीदियों के उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार : अंजुम आरा

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने जारी बयान में कहा कि बिहार सरकार द्वारा प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जीविका दीदियों एवं किसानों के उत्पादों की बिक्री की व्यवस्था तथा उन्हें डिजिटल बाजार से जोड़ने का निर्णय पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता का परिणाम है।उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने जीविका अभियान के माध्यम से लाखों ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का ऐतिहासिक काम किया है। आज जीविका दीदियां कृषि, दुग्ध उत्पादन, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और लघु उद्योगों के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। अब डिजिटल बाजार और पर्यटन स्थलों पर बिक्री की नई व्यवस्था उनके उत्पादों को ह्यलोकल से ग्लोबलह्व की नई उड़ान देगी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की विकास नीति का केंद्र हमेशा गांव, गरीब, किसान और महिला सशक्तिकरण रहा है। जीविका समूहों को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण, बाजार उपलब्ध कराने और स्वरोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में बिहार की वर्तमान एनडीए सरकार लगातार काम कर रही है। यह नई पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेगी तथा बिहार की महिलाओं और किसानों के परिश्रम को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का मजबूत माध्यम बनेगी।

फरार आरोपी के घर पुलिस ने लगाया इश्तेहार चस्पा

दानापुर। शाहपुर पुलिस ने जमीन संबंधित मामले में फरार आरोपी आशोपुर निवासी अजय राय के घर में इश्तेहार चस्पा की है। इश्तेहार में आरोपी को जल्द से जल्द न्यायालय में पेश होने की बात कही गई है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि शाहपुर थाना में जयप्रकाश राय ने चार कट्टे जमीन के विवाद को लेकर आशोपुर निवासी अजय राय के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। दर्ज मामले में दाउदपुर के रहने वाले जयप्रकाश ने उसके चार कट्टे जमीन पर बाउंड्री तोड़कर रंगदारी और धमकी मांगने का आरोप लगाया था। इसी मामले में आरोपित के खिलाफ न्यायालय के निर्देश पर उनके घर पर इश्तेहार चस्पा की गई है।

दानापुर के सदर बाजार में लगीं आग, छह दुकाने जलकर राख, एक व्यक्ति हिरासत में

दानापुर। नगर के सदर बाजार स्थित शुक्रवार की देर रात एक दुकान में आग लग गई। देखते ही दुकान से सटे अन्य दुकानों में आग फैल गई। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मगर इस हादसे में छह दुकाने जलकर राख हो गया। जिसमें लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं इस आगजनी का एक व्यक्ति पर आरोप लगा है जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार शुक्रवार दोपहर एक दुकानदार दिलीप और लालू के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान लालू ने दुकान में आग लगाने की धमकी दी थी। इस आगलगी की घटना में दिलीप की लहसुन की दुकान, सुनील कुमार की प्याज की दुकान, राजू की मिर्च की दुकान, मनु की नाश्ते की दुकान समेत कुल छह दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। लहसुन कारोबारी दिलीप कुमार ने दानापुर थाने में लिखित शिकायत देकर लल्लू कुमार पर आग लगाने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने सुल्तानपुर निवासी लल्लू कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस संबंध में सहायक अग्निशमन पदाधिकारी शशिकांत शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही पांच दमकल की गाड़ी से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

बिहार ऐसा राज्य है जहां ढेरों संभावनाएं और महत्वाकांक्षाएं मौजूद : गिरिराज

पटना। केन्द्रीय टेक्सटाईल मंत्री एंव संसद सदस्य गिरीराज सिंह, ने कहा, बिहार ऐसा राज्य है जहां ढेरों संभावनाएं और महत्वाकांक्षाएं मौजूद हैं। श्री सिंह मंझौल में क्योरबे के पहले क्लिनिक का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर नागरिक के लिए किफायती स्वास्थ्यसेवाओं को सुलभ बनाने का भारत सरकार का दृष्टिकोण इसी तरह के आपसी सहयोग के प्रयासों से ही संभव हो सकता है। गुणवत्तापूर्ण देखभाल को लोगों के करीब लाने का क्योरबे का मॉडल, एक सराहनीय कदम है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह राज्य में एक सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा।प्रियदर्शी महापात्र, संस्थापक एवं सीईओ, क्योरबे ने कहा, क्योरबे में हमारा मानना है कि हर परिवार को एक समान स्तर की स्वास्थ्यसेवाएं मिलनी चाहिएं, फिर चाहे वे देश के किसी भी कोने में रहते हों। लाखों मरीजों को सेवाएं प्रदान करने के अनुभव के साथ, हम टेक्नोलॉजी इनेबल्ड एवं भरोसेमंद प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं को हर परिवार के करीब लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम मरीजों और समुदायों के प्रति आभारी हैं जिन्होंने हमें बिहार में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए जरूरी सहयोग और प्रोत्साहन दिया है। उम्मीद करते हैं कि सरकारों, स्थानीय समुदायों और स्वास्थ्यसेवा पार्टनर्स के साथ काम करते हुए हम गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं को राज्य में और अधिक सुलभ बना सकेंगे। इस मौके पर चेरिया बरियारपुर के विधायक अभिषेक आनंद भी मौजूद थे।

एनएसटीआई(महिला), नोएडा ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए एनसीवीईटी -मान्यता प्राप्त सीटीएस स्किल कोर्स में प्रवेश प्रारंभ किए

पटना।भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के अंतर्गत आने वाले नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) फॉर वुमन - एनएसटीआई (महिला), सेक्टर-1, नोएडा ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए क्राफ्ट्समैन ट्रेनिंग स्कीम (सीटीएस) के तहत अपने एनसीवीईटी -मान्यता प्राप्त (एनएसक्यूएफ के अनुरूप) कौशल विकास कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक उम्मीदवार योग्यता के विस्तृत मानदंड, उपलब्ध ट्रेड और प्रवेश से जुड़ी अन्य गाइडलाइंस देख सकते हैं। वे संस्थान के एडमिशन पोर्टल https://nstiwnoida.dgtmsde.in पर जाकर और शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए 'सीटीएस ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन' लिंक चुनकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 जुलाई, 2026 (शाम 06:00 बजे तक) है। गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्थान के रूप में, एनएसटीआई (महिला) नोएडा कई पारंपरिक और उभरते क्षेत्रों में इंडस्ट्री-ओरिएंटेड प्रशिक्षण प्रदान करता है। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी, 5G नेटवर्क, फैशन डिजाइन, कंप्यूटर एप्लीकेशन, कंप्यूटर एडेड एम्ब्रॉयडरी और डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइन, कॉस्मेटोलॉजी और फ्रंट ऑफिस ऑपरेशंस जैसे क्षेत्र शामिल हैं। ये कार्यक्रम नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप हैं, जिससे ट्रेनीज़ को उच्च शिक्षा प्राप्त करने और रोजगार के विभिन्न अवसरों तक पहुँचने में मदद मिलती है। 'स्किल इंडिया मिशन' के विजन के प्रति प्रतिबद्ध, एनएसटीआई (महिला) नोएडा महिलाओं को उद्योग के अनुकूल कौशल से सशक्त बना रहा है, भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं को निखार रहा है और भारत को दुनिया की 'स्किल कैपिटल' के रूप में उभरने में योगदान दे रहा है।

भिखारी ठाकुर लिखित 'बेटी बियोग' के सशक्त मंचन ने दर्शकों को किया भावुक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।डिसेबल स्पोर्ट्स एंड वेलफेयर अकादमी के तत्वावधान में प्रसिद्ध लोकनाटक सम्राट भिखारी ठाकुर लिखित एवं राकेश कुमार द्वारा निर्देशित चर्चित नाटक "बेटी बियोग "का सफल एवं प्रभावशाली नाट्य मंचन कन्या मध्य विद्यालय, अमला टोला, चितकोहरा, पटना में किया गया। नाटक ने समाज में बेटियों की स्थिति, पारिवारिक संवेदनाओं, सामाजिक कुरीतियों एवं मानवीय रिश्तों को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। कलाकारों के जीवंत अभिनय और भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक कर दिया।पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शक मंत्रमुग्ध होकर नाटक का आनंद लेते रहे। नाटक ने बेटियों के सम्मान, शिक्षा अधिकारों के प्रति समाज को जागरूक करने का प्रभावशाली संदेश दिया। इस नाटक में सुनीता कुमारी, निष्ठा नंदिनी, धीरज कुमार, रोहित कुमार, राजेश कुमार, आदिया राज एवं अंजू कुमारी ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से पात्रों को जीवंत कर दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। मंच के पीछे रामकरण एवं निरंजन कुमार ने सभी व्यवस्था का सफलतापूर्वक दायित्व निभाया। वहीं संगीत स डब्लू बाबा द्वारा किया गया, जिसने नाटक को और अधिक प्रभावशाली एवं भावपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं मंच संचालन विक्की कुमारी ने अत्यंत गरिमापूर्ण एवं प्रभावशाली ढंग से अन्य कार्यक्रम को सुव्यवस्थित बनाए रखा। नाटक के निर्देशक राकेश कुमार ने अंत में कहा कि भिखारी ठाकुर महामानव की ये रचनाएँ आज भी सामाजिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने बताया कि "बेटी बियोग" केवल एक नाटक नहीं, आत्ममंथन करने और बेटियों के सम्मान व अधिकारों के प्रति जागरूक होने का संदेश देने वाली एक सशक्त सांस्कृतिक प्रस्तुति है। कार्यक्रम के अंत में सभी स्कूल के शिक्षकों, छात्रों, कलाकारों, सहयोगियों, दर्शकों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों के आभार व्यक्त किया गया।

स्वास्थ्य-पखवारा में अबतक हुआ 567 मरीज़ों का उपचार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।चिकित्सक-दिवस के उपलक्ष्य में विगत 1 जुलाई से, बेउर स्थित इंडियन इंस्टिच्युट ऑफ हेल्थ एडुकेशन ऐंड रिसर्च में आयोजित ' निःशुल्क स्वास्थ्य-पखवारा' में, अबतक 567 मरीज़ों के उपचार किए गए हैं। स्वास्थ्य पखवारा में प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक 'बाह्य-रोगी-विभाग' में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा, सभी प्रकार के रोगों के उपचार की निःशुल्क व्यवस्था की गयी है। संस्थान के निदेशक-प्रमुख डा. अनिल सुलभ ने बताया है कि पखवारा के अंतर्गत संस्थान के विभिन्न विभागों में, सभी प्रकार के रोगों के साथ, नेत्र-जाँच, एक्स-रे, सभी प्रकार की पथोलौजिकल जाँच, फ़िज़ियोथेरापी, स्पीचथेरापी, विकलांगता-जाँच, श्रवण-जाँच आदि की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। वरिष्ठ चिकित्सक डा .वरुण कुमार शरण, डा संजीत कुमार, डा अभिलाषा कुमारी, डा आदित्य ओझा, डा देवराज, डा संतोष कुमार सिंह, डा नीतीश भारद्वाज, डा नेहा कुमारी आदि चिकित्सक और थेरापिसट्स अपनी नियमित सेवा दे रहे हैं। 15 जुलाई को पखवारा का समापन-समारोह आयोजित किया जाएगा, किंतु बाह्य-रोगी-विभाग समेत सभी चिकित्सकीय विभाग अपनी सेवाएँ देते रहेंगे।

» चिकित्सक-दिवस के उपलक्ष्य में हेल्थ इंस्टिच्युट में होगी 15 जुलाई तक निःशुल्क चिकित्सा

रक्तदान शिविर:यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन और उषा एजुकेशनल ट्रस्ट के संयुक्त रक्तदान शिविर में दिखा युवाओं का उत्साह

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भीषण गर्मी और रक्त की कमी को दूर करने के लिए वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय उषा चंद की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, पूर्णिया और उषा एजुकेशनल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। मौलवी टोला स्थित संस्था के कार्यालय परिसर में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में कुल 81 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी के बावजूद शहर के युवाओं में रक्तदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया। शिविर में सरकारी एडवाइजरी का पालन करते हुए राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के रक्तकोष, रेडक्रॉस ब्लड बैंक और युवा ब्लड सेंटर के डॉक्टरों एवं लैब टेक्नीशियनों की टीम ने रक्त संग्रह किया। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों, युवा संगठनों और प्रमुख युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन के चेयरमैन सिद्धार्थ प्रताप ने कहा कि "रक्तदान करने से शरीर में रक्त तेजी से बनता है और इससे दाता का स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। रक्तदान महादान है, इससे एक बार रक्तदान कर 3 परिवारों में खुशी ला सकते हैं । यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं उषा एडुकेशनल ट्रस्ट के सदस्यों ने संकल्प लिया है कि खुद भी रक्तदान करेंगे साथ मे दूसरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने रक्तदान शिविर में शामिल होने हेतु तेरापंथ युवा परिषद, आदिशक्ति सेवा संघ खुश्कीबाग, भारतीय योग संस्थान, श्रीराम सेवा संघ, सशस्त्र सीमा बल,भारतीय स्टेट बैंक के रक्तवीरो के प्रति आभार व्यक्त किया। इस रक्तदान शिविर में मुख रूप से सिद्धार्थ प्रताप, ए के बोस, अजय कुमार सिंह, अशोक तिवारी, प्रियेश रंजन, एम एच रहमान, सुमित प्रकाश, तारा शंकर चटर्जी,पंकज श्रीवास्तव, मुरारी सिंह, आदित्य केजरीवाल, विकास कुमार नाहर, नीलम अग्रवाल, आलोक लोहिया, राणा प्रताप सिंह, विजयशंकर सिंह, इरफान कामिल, आतिश सनातनी,ब्रजेश झा, आशीष ठाकुर, मकसूद मुर्शिद रियाज आदि ने महत्वपूर्ण योगदान किया है।

» भीषण गर्मी में भी दिखा जज्बा, 81 यूनिट हुआ रक्तदान

बाकीपुर उपचुनावः भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर, संभावित त्रिकोणीय मुकाबले की चर्चा तेज

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर बिहार की राजनीति में सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह चुनाव केवल एक विधानसभा सीट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भाजपा की संगठनात्मक ताकत, विपक्ष की एकजुटता और नए राजनीतिक विकल्पों की स्वीकार्यता की भी परीक्षा होगा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के संभावित चुनाव लड़ने की चर्चाओं ने मुकाबले को और रोचक बना दिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के नितिन नवीन ने 98,299 मत हासिल कर जीत दर्ज की थी, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 46,363 वोट मिले थे। हालांकि राजनीतिक जानकारों का कहना है कि उपचुनाव की परिस्थितियां सामान्य चुनावों से अलग होती हैं और पुराने आंकड़े भविष्य के परिणाम की गारंटी नहीं माने जा सकते। विश्लेषकों के अनुसार यदि प्रशांत किशोर चुनाव मैदान में उतरते हैं तो मुकाबला त्रिकोणीय होने की संभावना बढ़ सकती है। वहीं विपक्ष यदि साझा रणनीति अपनाने में सफल रहता है तो चुनावी समीकरण और भी दिलचस्प हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि, स्थानीय मुद्दे और मतदान प्रतिशत निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। भाजपा के सामने अपनी संगठनात्मक मजबूती बनाए रखने के साथ-साथ विकास, रोजगार, अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर जनता के बीच प्रभावी संदेश देने की चुनौती होगी। दूसरी ओर, विपक्ष इन मुद्दों को चुनावी बहस का केंद्र बनाने की कोशिश करेगा। राजनीतिक हलकों में अब सबसे अधिक चर्चा भाजपा के उम्मीदवार, विपक्ष की रणनीति और प्रशांत किशोर के संभावित निर्णय को लेकर है। माना जा रहा है कि इन पहलुओं के स्पष्ट होने के बाद बाकीपुर उपचुनाव की तस्वीर और अधिक साफ होगी।

बेंगलुरु में बिहार आईटी इंडस्ट्री मीट 2026ः वैश्विक टेक कंपनियों ने बिहार में निवेश में दिखाई रुचि

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग की पहल पर आयोजित 'बिहार आईटी इंडस्ट्री मीट 2026' के तहत बेंगलुरु में देश-विदेश की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) के प्रतिनिधियों, स्टार्टअप्स, वेंचर कैपिटल फर्मों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ उच्चस्तरीय बैठकें एवं रणनीतिक संवाद आयोजित किए गए। इस दौरान कई वैश्विक कंपनियों ने बिहार में निवेश और दीर्घकालिक साझेदारी को लेकर गहरी रुचि दिखाई। कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार में आईटी एवं डिजिटल क्षेत्र में निवेश आकर्षित करना, वैश्विक कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ाना और राज्य को देश के प्रमुख डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में विकसित करना था। सूचना प्रावैधिकी मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल निवेश लाना नहीं, बल्कि ऐसा आधुनिक तकनीकी इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां नवाचार, उद्योग और युवाओं की प्रतिभा को समान अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि बिहार आईटी पॉलिसी-2024 और बिहार ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) पॉलिसी-2026 राज्य में बड़े निवेश, गुणवत्तापूर्ण रोजगार और बिहार को वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने निवेशकों को राज्य में उपलब्ध ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम, निवेश प्रोत्साहन योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा आधुनिक डिजिटल एवं औद्योगिक आधारभूत संरचना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार आईटी, आईटीईएस, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, डीपटेक और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में राज्य को राष्ट्रीय स्तर का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने विभिन्न वैश्विक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण वन-टू-वन बिजनेस मीटिंग्स कीं। Quess Corp के साथ रोजगार सृजन, कौशल विकास और तकनीकी सहयोग पर चर्चा हुई, जबकि Adobe, Mercedes-Benz, XLR Partners और Brandscapes Worldwide सहित अन्य कंपनियों के साथ बिहार में डिजिटल निवेश, अनुसंधान एवं नवाचार तथा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठकों के दौरान सचिव ने बिहार आईटी पॉलिसी-2024 और GCC पॉलिसी-2026 का विस्तृत प्रस्तुतीकरण करते हुए राज्य में उपलब्ध निवेश अवसरों, उद्योग-अनुकूल नीतियों, मजबूत डिजिटल अवसंरचना, कुशल मानव संसाधन और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से ऐसे राज्य के रूप में उभर रहा है, जहां उद्योगों को अनुकूल माहौल, बड़ी युवा प्रतिभा और सरकार की स्पष्ट नीतिगत प्रतिबद्धता निवेश के नए अवसर प्रदान कर रही है। सम्मेलन में क्वेस कॉर्प, हनीवेल, एडोब, एमफैसिस, ओरेकल, सेल्सफोर्स, रेज़रपे, माईगेट, नेटएप, ट्रेंड माइक्रो, तेजस नेटवर्क्स, रूरलशोर्स बिजनेस सर्विसेज और क्वोडैक.एआई सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इन बैठकों में बिहार में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर की स्थापना, आईटी पार्कों के विकास, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, स्टार्टअप इकोसिस्टम, अनुसंधान एवं नवाचार तथा कौशल विकास के क्षेत्रों में संभावित निवेश और सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। उद्योग प्रतिनिधियों ने बिहार सरकार की नई औद्योगिक एवं तकनीकी नीतियों, निवेश प्रोत्साहन उपायों तथा तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल इकोसिस्टम की सराहना की। उन्होंने बिहार की युवा प्रतिभा, तकनीकी क्षमता और उद्योग-अनुकूल नीतियों को भविष्य के निवेश के लिए उपयुक्त बताते हुए राज्य के साथ दीर्घकालिक साझेदारी में रुचि व्यक्त की। बिहार आईटी इंडस्ट्री मीट 2026 ने यह संकेत दिया कि बिहार अब केवल संभावनाओं का राज्य नहीं, बल्कि आईटी, नवाचार, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और डिजिटल निवेश के क्षेत्र में तेजी से उभरते राष्ट्रीय केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौतीः संगठन जनता के साथ खड़ा दिखे,केवल मंच पर नहीं

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर स्पष्ट कहा है कि "भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहा है, इसके खिलाफ सभी को आगे आना होगा।" उनका संदेश केवल सरकार के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और नागरिक के लिए है। उन्होंने कहा कि बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव भाजपा के लिए केवल एक चुनाव नहीं, बल्कि संगठन की कार्यशैली की परीक्षा भी है। क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले नीतिन नवीन लंबे समय तक मंत्री रहे हैं और वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि कार्यकर्ताओं को भाजपा के सिद्धांतों, सेवा, सुशासन और जनसंपर्क की भावना से जोड़ना भी होना चाहिए। डॉ. पटेल ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने, भ्रष्टाचार और अपराध के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने तथा जनता के बीच नियमित संवाद का अभियान चलता, तो संगठन और अधिक मजबूत होता। उनका कहना है कि कार्यकर्ताओं को केवल नारे लगाने, माल्यार्पण करने और फोटो खिंचवाने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर किसानों और आम लोगों की समस्याओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिलती। उन्होंने दावा किया कि स्वयं एक अवसर पर वे निर्धारित समय पर सुस्वामी मंत्री दिलीप जयसवाल के पहुंचे, जहां भीषण गर्मी में सैकड़ों लोग कई घंटे तक अपनी बारी का इंतजार करते रहे, लेकिन उनकी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो सका। यदि ऐसा होता है, तो इससे जनता में असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। डॉ. पटेल ने कहा कि भाजपा की पहचान सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति रही है। यदि कोई पदाधिकारी या जनप्रतिनिधि जनता से दूरी बनाता है या उनकी समस्याओं के प्रति उदासीन रहता है, तो इससे पार्टी की छवि प्रभावित होती है और चुनावी नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा को केवल संगठनात्मक शक्ति पर नहीं, बल्कि जनता के विश्वास पर भी ध्यान देना होगा। कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को व्यवहार में उतारते हुए भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठानी होगी, जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और जनता के बीच लगातार उपस्थित रहना होगा। तभी भाजपा का संगठन और जनाधार दोनों मजबूत होंगे।

डॉ. उदय शंकर, इंडियन आइकन अवार्ड 2026, को मिला मोस्ट ट्रस्टेड क्लीनिक सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राधा डेंटल केयर, मुंगेर के निदेशक एवं लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा प्रखंड अंतर्गत किरणपुर गांव के निवासी एवं डॉ. उदय शंकर को इंडियन आइकन अवार्ड 2026 तथा राधा डेंटल केयर, मुंगेर को मोस्ट ट्रस्टेड क्लीनिक अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान गुड़गांव स्थित लेमन ट्री होटल में एसीएस द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में 1983 क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के सदस्य एवं पूर्व भारतीय क्रिकेट चयन समिति के अध्यक्ष संदीप पाटिल के हाथों प्रदान किया गया। डॉ. उदय शंकर अपनी माता श्रीमती राधा देवी के अस्वस्थ होने के कारण समारोह में स्वयं उपस्थित नहीं हो सके। उनके स्थान पर उनके ममेरे भाई अशोक कुमार ने यह सम्मान प्राप्त किया। डॉ. उदय शंकर को यह सम्मान गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ पिछले 12 वर्षों से निरंतर दंत स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया। उन्होंने बिहार के विभिन्न जिलों में अब तक 600 से अधिक दंत चिकित्सा जागरूकता व्याख्यान, जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर हजारों लोगों को मौखिक एवं दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया है।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़वा में 'इंस्पायर यूथ क्लब' का गठन, समाज सेवा का लिया संकल्प

मोतिहारी।रामगढ़वा के मौजे गांव में मेरा युवा भारत युवा क्लब विकास अभियान के तहत 'इंस्पायर यूथ क्लब' का गठन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी अभिनाश राज ने युवाओं को संगठित होकर शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, खेलकूद और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। स्वयंसेवक हिमांशु कुमार के नेतृत्व में गठित क्लब की कार्यकारिणी की घोषणा की गई। अंत में सभी सदस्यों ने गांव और समाज के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

फुटपाथ दुकानदारों ने एसडीओ से लगाई गुहार

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि एवं फुटपाथ दुकानदार संघ के जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार चोपड़ा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत अनुमंडल पदाधिकारी से मुलाकात कर फुटपाथ दुकानदारों की समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि रेलवे स्टेशन से लेकर ऊंटा सब्जी मंडी तक वर्षों से छोटे-छोटे व्यवसाय कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले फुटपाथ दुकानदारों को जिला प्रशासन की कार्रवाई के कारण रोजगार से वंचित होना पड़ रहा है। रेलवे स्टेशन के समीप बेल्ट की दुकान लगाने वाले वेंडर प्रकाश खत्री और सुदर्शन चौधरी ने कहा कि वे लंबे समय से प्रशासन की गाइड लाइन का पालन करते आ रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें रोजगार करने की अनुमति नहीं मिल रही है। जबकि कुछ प्रभावशाली लोग मनमाने तरीके से दुकानें संचालित कर रहे हैं। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि कुछ फुटपाथ दुकानदारों से कथित तौर पर अवैध वसूली की जाती है तथा फल विक्रेताओं, जूस विक्रेताओं और सब्जी विक्रेताओं से सामान लेकर सड़क किनारे व्यवसाय करने की छूट दी जाती है। उन्होंने ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग भी की है। प्रकाश खत्री ने सुझाव दिया कि दुकानों के सामने एक निर्धारित लाइन खींचकर फुटपाथ दुकानदारों को व्यवस्थित तरीके से व्यवसाय करने की अनुमति दी जाये ताकि यातायात भी बाधित न हो और दुकानदारों का रोजगार भी सुरक्षित रह सके। यह जानकारी फुटपाथ दुकानदार संघ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

मारपीट की घटना का समानांतर प्राथमिकी दर्ज

वैशाली।पूर्व के जमीनी विवाद में पैसे के लेनदेन को लेकर मारपीट की घटना में मधु देवी पति मुकेश राय निवासी ग्राम राजापाकर पूर्वी टोला ने राजापाकर थाने में समानांतर प्राथमिकी दर्ज कराई है।जिसमें कहा है कि सभी परिवार घर में बैठे थे कि मेरा छोटा देवर अखिलेश कुमार चिल्लाते हुए आया और लाठी डंडे से मार कर जख्मी कर दिया। तभी हम अपने घर से बाहर निकले तो हमें राकेश राय भद्दी भद्दी गाली देने लगा और प्रिंस कुमार मना करने पर हमें लाठी डंडे से मारने लगा। जिससे मैं बुरी तरह घायल होकर गिर पड़ी और जदुनी राय मेरा बाल पकड़ कर पटक दिया जिससे मैं अधरनगर अध्यनग्न हो गई। बचाने आए मेरे पति पुत्र सभी को राकेश राय मारपीट कर घायल कर दिया।राकेश राय रौड से हमला किया जिससे आंख पर गहरी चोट लगी और लाल हो फूल गया। मेरे पुत्र मनीष कुमार को विजय राय और प्रिंस कुमार लाठी झंडा से मार कर लहू लोहान कर दिया। धर्मशिला देवी और रिंकू देवी घर के सारा सामान गायब कर दिया। धमकी दिया कि सभी को आग लगाकर मार देंगे। मेरे गर्दन से रिंकू देवी और सीमा देवी ने सोने की जितिया मंगलसूत्र छीन ली है।आवेदन में जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग गई है।

काको थाना ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अवैध शराब निर्माण भट्टी को ध्वस्त किया

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। पुलिस द्वारा शराब माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत काको थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बीबीपुर गांव में छापेमारी कर अवैध शराब निर्माण भट्टी को ध्वस्त किया है। मौके से कुल 48 लीटर तैयार देसी चुलाई शराब जब्त की गई। शराब बनाने के लिए रखा गया करीब 55 लीटर महुआ जावा मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। शराब बनाने के बर्तन, पाइप और अन्य उपकरण बरामद कर जब्त किए गये हैं।

कृषि गोष्ठी में जैविक खेती अपनाने पर जोर, नैनो यूरिया के बताए लाभ

गया जी। वज़ीरगंज प्रखंड की केनार पहाड़पुर पंचायत स्थित महादेव स्थान के समीप सहकारिता विभाग के बैनर तले शनिवार को एक दिवसीय कृषि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की देखरेख पैक्स अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार वर्मा उर्फ धीरेन्द्र कुशवाहा ने की।गोष्ठी में किसानों को धान, गेहूं, सब्जी एवं दलहन की बेहतर और स्वच्छ पैदावार के लिए आधुनिक एवं जैविक खेती की तकनीकों की जानकारी दी गई। सहकारिता विभाग के उप क्षेत्रीय प्रबंधक दिलीप कुमार ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का सीमित उपयोग करने तथा जैविक खाद को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने नैनो यूरिया और नैनो डीएपी लिक्विड के माध्यम से बीज एवं पौधों के उपचार की विधि भी विस्तार से बताई।उन्होंने कहा कि अब पैक्स के माध्यम से किसानों को खाद के साथ-साथ सस्ते दरों पर कीटनाशक भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे खेती की लागत कम होगी और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और कृषि विशेषज्ञों से खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी में बच्चों की शिक्षा पर हुआ मंथन

छपरा।बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शनिवार को मढ़ौरा प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय मोथहाँ उर्दू में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना तथा विद्यालय और घर के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। विद्यालय की प्रधान शिक्षिका कुमारी अनुपम ने बताया कि संगोष्ठी में ड्रॉपआउट बच्चों के पुनः नामांकन, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति तथा घर पर पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही अभिभावकों को विभिन्न सरकारी शैक्षिक योजनाओं की जानकारी दी गई, ताकि वे अपने बच्चों को योजनाओं का लाभ दिला सकें। बैठक के दौरान विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, जैसे पेयजल, शौचालय, पाठ्य सामग्री एवं अन्य संसाधनों की स्थिति पर भी अभिभावकों से सुझाव लिए गए। विद्यालय के विकास और बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अभिभावकों के सहयोग पर विशेष जोर दिया गया।

बिहार में न्याय व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती, नए कानूनों पर मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को बोधगया में नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन में शामिल होने गया एयरपोर्ट पहुंचे जहां एनडीए के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।उसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया । उसके बाद गया एयरपोर्ट से दो मुहान होते हुए महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र पहुंचे। बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) और बिहार न्यायिक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नए आपराधिक कानूनों के एकीकृत कार्यान्वयन पर दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को पटना में राज्यस्तरीय सहयोग शिविर आयोजित होगा। इसमें उन आवेदकों की शिकायतों की सुनवाई होगी जो प्रखंड स्तर पर अपने आवेदन के निष्पादन से संतुष्ट नहीं हैं।मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को सभी प्रखंडों में सहयोग कार्यक्रम संचालित हो रहा है जिसमें 30 दिनों के भीतर आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, पुलिस और प्रशासन के बेहतर समन्वय से न्यायिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनेगी।उन्होंने सरकार और न्यायपालिका के बीच नियमित समन्वय बैठकों पर जोर देते हुए कहा कि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का व्यापक उपयोग किया जाएगा। अपराध नियंत्रण, जांच और न्याय वितरण प्रणाली को आधुनिक संसाधनों से सशक्त बनाया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार थानों को सीसीटीवी डिजिटल उपकरणों और वैज्ञानिक जांच प्रणाली से लैस कर रही है। फॉरेंसिक लैब, मोबाइल फॉरेंसिक वैन और वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है। उन्होंने बताया कि 112 आपातकालीन सेवा की औसत प्रतिक्रिया अवधि 10 मिनट से घटाकर 7 से 8 मिनट करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा स्कूलों और कॉलेजों के आसपास विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्पीडी ट्रायल, फास्ट ट्रैक कोर्ट और समयबद्ध न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र का भी उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में इसी माह 211 नए डिग्री कॉलेज और 534 मॉडल स्कूल स्थापित करने की दिशा में पहल की जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, आधुनिक तकनीक के उपयोग और न्यायपालिका पुलिस-प्रशासन के समन्वित प्रयासों से बिहार में सुशासन और कानून व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।सम्मेलन को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची, पटना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय सहित न्यायपालिका एवं प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों के न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रत्यक्ष और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

कनिहार नदी में डूबने से 9 वर्षीय बच्चे की मौत, गांव में मातम

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली थाना क्षेत्र के फुलवरिया पंचायत स्थित कनिहार नदी में डूबने से एक सात वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार फुलवरिया पंचायत के वार्ड संख्या-9 नुनिया टोला निवासी साहेब महतो के नौ वर्षीय पुत्र गुलशन कुमार शुक्रवार को गांव के अन्य बच्चों के साथ घर से निकला था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजन चिंतित हो गए और उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने सुगौली थाना में गुमशुदगी की सूचना देते हुए आवेदन दिया।शनिवार की सुबह गांव के कुछ लोग कनिहार नदी की ओर गए तो उन्होंने नदी में एक बच्चे का शव पानी में तैरता देखा। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा शव को नदी से बाहर निकाला। शव की पहचान गुलशन कुमार के रूप में होते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।घटना की सूचना मिलने पर सुगौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों को फुलवरिया पंचायत के मुखिया अवधेश कुशवाहा, सरपंच रूपेश श्रीवास्तव, पैक्स अध्यक्ष संजीव शर्मा, पूर्व सरपंच प्रमोद मिश्र, दिनेश्वर महतो, शंभु दास, विश्वनाथ दास, झुनू शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने ढांढस बंधाया और गहरी संवेदना व्यक्त की।

जहानाबाद में आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र का जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।जिला के दुर्गा चौक, बाल्टी फैक्ट्री मोड़ स्थित तारापीठ कॉम्प्लेक्स में जिलाधिकारी छिरिड• वाई भूटिया ने आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन समारोह विधि-विधान के साथ संपन्न किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसके उपरांत कार्यक्रम मे उपस्थित अधिकारियों और गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया। इस उद्घाटन समारोह में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी चांदनी कुमारी ने स्वागत भाषण में केंद्र की स्थापना के उद्देश्यों और युवाओं के विकास में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि कला और संस्कृति किसी भी समाज की आत्मा होती है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण केंद्र और आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभावान युवाओं को अपनी छिपी हुई कलात्मक प्रतिभा को निखारने का एक उत्कृष्ट और सुनहरा मंच प्रदान करेगा। यहाँ कुल 4 विधाओं शास्त्रीय नृत्य कत्थक एवं भारतनाटयम, वादन तबला, हारमोनियम, ढोलक एवं शास्त्रीय गायन में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इस केंद्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क प्रदान किया जायेगा। केंद्र में नामांकन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जा रहा है। जिसकी कुल क्षमता प्रत्येक विषय के लिए अधिकतम 40 छात्र-छात्राओं की निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 6 वर्ष से अधिक रखी गई है। जिससे बच्चों और युवाओं दोनों को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। यह केंद्र दो सत्रों में संचालित होगा। इच्छुक छात्र-छात्राएं जिला कला एवं संस्कृति कार्यालय, समाहरणालय परिसर अथवा आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र कार्यालय से आवेदन फॉर्म की हार्ड कॉपी प्राप्त कर और उसे पूर्ण रूप से भरकर वहीं जमा कर सकते हैं। नामांकन के लिए जन्मतिथि प्रमाण पत्र/आधार कार्ड और 3 पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य हैं। उक्त कार्यक्रम में जिलाधिकारी के साथ साथ अपर समाहर्ता, राजस्व अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव कुमार, अपर समाहर्ता, विशेष कार्यक्रम तेज नारायण राय, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी चाँदनी कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

अवैध बालू खनन को लेकर हिंसक झड़प, ताबड़तोड़ फायरिंग, 7 लोग घायल

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। घोषी थाना के चैती पिपरा के पास फल्गु नदी में अवैध बालू उठाव को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। घटनास्थल पर देखते ही देखते दोनों ओर से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। जिसमें सात लोगों को गोली लगी है। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालू उठाव को लेकर दो पक्षों के बीच पहले कहा सुनी हुई। कुछ ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से गोलियां चलने लगी। गोलीबारी की आवाज सुनते ही आसपास मौजूद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना के बाद फल्गु नदी के आसपास का इलाका पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया। फायरिंग की इस घटना में रामपुर गांव निवासी धीरज कुमार के सीने में गोली लगी है, वहीं चैती पिपरा गांव के सुधीर कुमार, दिनेश राम, विजय कुमार, अजय कुमार और रेशम भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गये। इसके अलावा गिन्जी गांव निवासी विष्णु कुमार भी इस हिंसक घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की सूचना मिलते ही घोषी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायल विष्णु कुमार और विजय कुमार को सुरक्षित बाहर निकालकर पहले घोषी अस्पताल पहुंचाया। इस के बाद में सभी घायलों को इलाज के लिए जहानाबाद सदर अस्पताल ले जाया गया। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सभी घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिया है। फायरिंग में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

माधव आनंद ने रचा शिक्षा के नए युग का अध्याय, मधुबनी में केंद्रीय विद्यालय संचालन का मार्ग प्रशस्त

नई सोच एक्सप्रेस

» शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि, मधुबनी में केंद्रीय विद्यालय संचालन की बाधा दूर

मधुबनी/बिहार।जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की दिशा में लंबे समय से चल रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। केंद्रीय विद्यालय के संचालन का मार्ग अब लगभग प्रशस्त हो गया है। वाटसन 10+2 विद्यालय, मधुबनी की प्रबंधन समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए केंद्रीय विद्यालय के स्थायी भवन के निर्माण एवं आवश्यक आधारभूत संरचनाओं के विकसित होने तक अपने विद्यालय परिसर से केंद्रीय विद्यालय का संचालन कराने के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) देने का निर्णय लिया है।वाटसन 10+2 विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं मधुबनी विधायक माधव आनंद ने बताया कि यह निर्णय जिले के विद्यार्थियों के हित, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता तथा जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय के संचालन के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप विद्यालय परिसर में आवश्यक मरम्मत, कक्षाओं का उन्नयन, पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास एवं आवश्यक कार्यो को भी प्रबंधन समिति ने स्वीकृति प्रदान कर दी है, ताकि विद्यालय का संचालन बिना किसी बाधा के शीघ्र प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जिलाधिकारी आनंद शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी चंदन कुमार झा तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी अक्षय कुमार पांडेय को विधिवत अवगत करा दिया गया है। साथ ही केंद्रीय विद्यालय के संचालन से संबंधित आवश्यक प्रशासनिक औपचारिकता ओं को शीघ्र पूरा करने के लिए जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से सहयोग का अनुरोध किया गया है। विधायक माधव आनंद ने विश्वास व्यक्त किया कि जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग एवं केंद्रीय विद्यालय संगठन के समन्वित प्रयासो से सभी आवश्यक प्रक्रियाएं जल्द पूरी होंगी और मधुबनी में केंद्रीय विद्यालय का संचालन शीघ्र प्रारंभ हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे जिले के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलेगा तथा उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध होगा।उन्होने कहा कि केंद्रीय विद्यालय का संचालन प्रारंभ होना केवल एक शैक्षणिक संस्थान की शुरुआत नहीं, बल्कि जिले के हजारों विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की वर्षों पुरानी अपेक्षाओं के पूरा होने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससेमधुबनी के शैक्षणिक विकास को नई गति मिलेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।विधायक ने इस निर्णय के लिए वाटसन 10+2 विद्यालय की प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए लिया गया यह निर्णय जिले के शैक्षणिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सभी संबंधित पक्षों के समन्वित प्रयास से ही विकास को नई दिशा मिल सकती है।उन्होंने दोहराया कि शिक्षा उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और मधुबनी को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अग्रणी जिला बनाने के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेगे।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 141 स्वास्थ्य संस्थानों पर विशेष टीबी स्क्रीनिंग अभियान आरम्भ

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। टीबी मुक्त भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी छिरिड• वाई भूटिया ने शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सह हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर, एरकी, आयुष्मान भारत हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर स्वास्थ्य उपकेंद्र, सफेपुर, काको का और आयुष्मान भारत हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टर स्वास्थ्य उपकेंद्र, मनियावाँ, काको मे संचालित टीबी मुक्त भारत अभियान के टीवीएस स्क्रीनिंग कार्य का निरीक्षण किया। जिला जहानाबाद के माइक्रो प्लान के अनुसार जिला मे कुल 141 स्वास्थ्य संस्थानों पर विशेष टीबी स्क्रीनिंग अभियान संचालित किया गया है। सभी स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी तथा एएनएम के द्वारा टीवीएस स्क्रीनिंग किया जा रहा था। अभियान के दौरान जिलाधिकारी ने निरीक्षण कर टीबी स्क्रीनिंग कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने स्क्रीनिंग की गुणवत्ता, पंजीकरण व्यवस्था एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने काको प्रखंड स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सफेपुर का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने टीम के कार्यों की सराहना करते हुए स्क्रीनिंग प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिया जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को अभियान के प्रभावी संचालन, अधिक से अधिक संभावित टीबी मरीजों की पहचान, संदिग्ध मामलों की समयबद्ध जांच तथा माइक्रो प्लान के अनुरूप निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं महत्वपूर्ण फीडबैक दिये। जिलाधिकारी ने आशा कार्यकर्त्ता से वार्तालाप किया गया तथा उनसे अपने अपने पोषक क्षेत्र मे कितनी गर्भवती महिला है कि जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि आप अपने क्षेत्र की गर्भवती महिलाओ का शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करें ताकि महिलाओ एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आशा कार्यकर्त्ता को बताया कि जो कार्यकर्त्ता उत्कृष्ट कार्य करेंगी उन्हें पुरस्कृत किया जायेगा। इस निरीक्षण मे जिलाधिकारी के साथ साथ सिविल सर्जन, प्रभारी पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, जहानाबाद, डी.पी.एम स्वास्थ्य, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जहानाबाद, प्रखंड विकास पदाधिकारी, काको, एम.ओ.आई.सी. काको सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राघोपुर दरभंगा सिक्स लेन सड़क के उदघाटन की चल रही चर्चाएं

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली।प्रखंड के बाकरपुर पंचायत अंतर्गत बनारसी चौक से होकर गुजर रही राघोपुर दरभंगा सिक्स लेन पुल के उदघाटन की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विधायक महेंद्र राम ने कहा कि संभावित तिथि 15 जुलाई को बताई जा रही है। वैसे तिथि अभी फाइनल नहीं हुई है। वहीं जिला पदाधिकारी वैशाली वर्षा सिंह प्रखंड विकास पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह सेंगर सहित प्रखंड के कई पदाधिकारी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए बीडीओ ने कहा कि बभनी कोठी चौक स्थित बीपीएस आईटीआई के पीछे सभा स्थल व हेलीपैड बनाने की तैयारी चल रही है।अन्य जगहो के संबंध में भी जिला में रिपोर्ट भेजा गया है।अन्य जगहों के बारे में भी पता किया जा रहा है। जहां पर सुरक्षित सभा स्थल एवं हेलीपैड बनाया जा सके। विदित हो कि राघोपुर दरभंगा में सिक्स लेन पुल के उदघाटन को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी व सीएम सम्राट चौधरी दोनों राजनेताओं के आने की चर्चाएं हो रही है लेकिन अभी तक निश्चित प्रोग्राम नहीं बने हैं।

संक्षिप्त समाचार

कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस में स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित

» सामाजिक सेवा में योगदान देने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

पटना। कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना में शुक्रवार को प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से आयोजित भव्य समारोह में सामाजिक सेवा और स्वयंसेवा से जुड़े सैकड़ों छात्र-छात्राओं को वॉलंटियरशिप प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित करना था। समारोह को संबोधित करते हुए कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सुनीता राय ने कहा कि नई शिक्षा नीति में वॉलंटियरशिप का विशेष महत्व है। इससे विद्यार्थियों को समाज से जुड़ने और सामाजिक समस्याओं को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे "एक घंटा देश को और एक घंटा स्वयं को" देने का संकल्प लें। प्रो. संतोष कुमार ने कहा कि स्वयंसेवा जीवन का एक महत्वपूर्ण अनुभव है और प्रत्येक व्यक्ति को जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। वहीं प्रो. रमेश कुमार चौधरी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और युवाओं की शक्ति से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. मृदुला ने स्वयंसेवी छात्रों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक दायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, पौधारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत कपड़े के थैले बनाकर लोगों के बीच वितरित किए और सामाजिक जागरूकता फैलाने का कार्य किया। प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद छात्र-छात्राओं ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इस सम्मान से उन्हें भविष्य में भी समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रहने की प्रेरणा मिलेगी। कई विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति, स्वच्छता और साक्षरता अभियानों में अपने अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या प्रो. सुनीता राय ने कहा कि कॉलेज केवल शैक्षणिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और अच्छे नागरिक बनने की भावना भी विकसित करता है। इस अवसर पर प्रेम यूथ फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर मन्नी कुमार, एनएसएस वॉलंटियर ऋषिकेश भट्ट, सन्नी कुमार, तरुण कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

नेहा म्यूजिक वर्ल्ड पर रिलीज हुआ भोजपुरी गीत जिंदगी जियल छोड़ देहब

पटना। नेहा म्यूजिक वर्ल्ड के बैनर तले भोजपुरी संगीत प्रेमियों के लिए नया भोजपुरी गीत जिंदगी जियल छोड़ देहब रिलीज हो गया है। रिलीज होते ही इस गीत को दर्शकों और श्रोताओं की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। अपने मधुर संगीत और भावपूर्ण प्रस्तुति के कारण यह गीत तेजी से भोजपुरी संगीत प्रेमियों की पसंद बनता जा रहा है।इस गीत को भोजपुरी के लोकप्रिय गायक पंकज मतलबी यादव और श्रृष्टि भारती ने अपनी सुरीली आवाज दी है। वहीं, अभिनेत्री काजल माही ने अपने प्रभावशाली अभिनय से गीत की भावनाओं को जीवंत कर दिया है। प्रेम, दर्द और जुदाई की संवेदनाओं को दर्शाती यह गीत श्रोताओं के दिलों को छू रहा है।गीत के बोल पंकज मतलबी यादव ने लिखे हैं, जबकि इसका मधुर और संगीत जेपी तिवारी ने तैयार किया है। वीडियो को आकर्षक बनाने में डीओपी राजबली राज की बेहतरीन सिनेमैटोग्राफी और कुलदीप कुकू के मेकअप ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम इस गीत में साफ दिखाई देता है। गीत के निमार्ता रतनेश कुमार ने कहा कि हमारी पूरी टीम ने इस गीत को पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ तैयार किया है। जिंदगी जियल छोड़ देहब को रिलीज के बाद दर्शकों से जो प्यार और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, उससे हम बेहद उत्साहित हैं। हमारा उद्देश्य हमेशा साफ-सुथरे, गुणवत्तापूर्ण और दिल को छू लेने वाले भोजपुरी गीत दर्शकों तक पहुंचाना रहा है। हमें विश्वास है कि यह गीत आने वाले दिनों में और अधिक लोगों तक पहुंचेगा तथा भोजपुरी संगीत जगत में अपनी अलग पहचान बनाएगा।

रेनो इंडिया ने पहली कार खरीदना बनाया और आसान, नई क्विड का पूरी तरह फीचर-लोडेड क्लाइंबर वेरिएंट अब 4.99 लाख रुपये में उपलब्ध

पटना।फ्रांस की जानी-मानी ऑटोमोबाइल कंपनी रेनो ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी रेनो इंडिया ने आज नई रेनो क्विड के लॉन्च की घोषणा की। इस नए मॉडल में डिज़ाइन, वेरिएंट्स और कीमतों में बदलाव किए गए हैं, ताकि ग्राहकों के लिए अपनी पहली कार खरीदना पहले से अधिक आसान और सुविधाजनक हो सके। रेनो इंडिया के सेल्स एवं मार्केटिंग वाइस प्रेसिडेंट फ्रांसिस्को हिडाल्गो ने कहा, "लाखों भारतीयों के लिए अपनी पहली कार का मालिक बनना आज भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तेजी से आकांक्षी बनते मध्यम वर्ग और दोपहिया वाहन मालिकों के एक बड़े वर्ग के कार की ओर उन्नयन की इच्छा को देखते हुए, पहली कार का स्वामित्व एक मजबूत और स्थायी आकांक्षा बना हुआ है। भारत में 4.5 लाख से अधिक ग्राहकों ने अपनी कार यात्रा की शुरुआत क्विड के साथ की है और इस भरोसे को हम बेहद महत्व देते हैं। नई क्विड के साथ हम इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं और अपने उत्पाद को अधिक सरल, स्पष्ट और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप बना रहे हैं।"

सोनालीका ने पहली तिमाही में 53661 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की

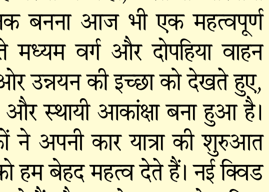

पटना।भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर-1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में अब तक की सर्वाधिक 53,661 ट्रैक्टरों की कुल बिक्री दर्ज की। कंपनी ने 23.1 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करते हुए उद्योग की अनुमानित 18.3 प्रतिशत वृद्धि को पीछे छोड़ दिया। कंपनी ने केवल तीन महीनों में 50,000 से अधिक ट्रैक्टरों की बिक्री का आंकड़ा भी पार किया। कंपनी के अनुसार, अप्रैल-जून 2026 के दौरान सोनालीका घरेलू बाजार में सबसे अधिक मार्केट शेयर बढ़ाने वाली कंपनी रही। हाल ही में लॉन्च की गई सोनालीका गोल्ड ट्रैक्टर सीरीज़ को खरीफ सीजन में किसानों से अच्छा प्रतिसाद मिला है। इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर रमन मित्तल ने कहा कि कंपनी ने पहली तिमाही में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करते हुए नए प्रदर्शन मानक स्थापित किए हैं और किसानों के लिए उन्नत तकनीक वाले ट्रैक्टर उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता आगे भी जारी रखेगी।

बेतिया राज की जमीन पर भूमिहीनों और गरीबों को वासगित करो,रवीन्द्र कुमार 'रवि'

नई सोच एक्सप्रेस

» सरकारी जमीन पर वर्षों से भूमिहीन और गरीबों द्वारा बनाये गये आशियाना को उसी जगहो पर उन्हें मालिकाना हक दो

बेतिया।भाकपा (माले) रेड फ्लैग के नौतन अंचल कमिटी के बैनर तले जिला समाहर्ता के समक्ष सात सूत्री मांगों को लेकर सैकड़ो कार्यकर्त्ताओं द्वारा अवधेश राम की अध्यक्षता में एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना को संबोधित करते हुये भाकपा (माले) रेड फ्लैग के राज्य सचिव कॉमरेड रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने कहा की केन्द्र की नरेन्द्र मोदी, अमित शाह की सरकार विगत 12 वर्षों में देश को लूट-खसोट का अड्डा बना दिये हैं। मोदी ने अच्छे दिन लाने के नाम पर पूरे देश के गरीबों को ठगा है। अब तो भगवान को भी बख्शा नहीं जा रहा है।आगे उन्होने कहा की मोदी, शाह सभी सरकारी तंत्रों के बलबुते मनुवादी सोच के तहत संविधान को अपने बुट तले रौंधते हुयें लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया गया है। राज्य सचिव रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने जोर देकर कहा सूबे के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की डबल इंजन की सरकार द्वारा बिहार में बुल्डोजर के धौंस पर दशकों से बसे हुये गरीबों की झुग्गी झोपड़ी को जमीदोज कर बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घराने को लीज पर देने का काम हो रहा है। आगे उन्होने कहा की प्रधानमंत्री मोदी देशवासियों को सोना नहीं खरीदने, तेल का बचत करने,विदेश नहीं जाने वगैरह-वगैरह तमाम उपदेशों का पाठ पढ़ा रहे हैं। जबकि वे जनता के सभी टैक्स के पैसों का खुलेयाम लुटाने में कोई कसर तक नहीं छोड रहें। आगे कहा की मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार से वृद्धा, विधवा, विकलांग पेंशन की राशि को प्रतिमाह पांच हजार रुपये करने की मांग की। धरना को संबोधित करते हुये अंचल सचिव प्रमिला देवी ने कहा की बहुत पहले ही अंचलाधिकारी महोदय जिला पदाधिकारी महोदय को भूमिहीन गरीबों की नौतन अंचल क्षेत्र के 279 भूमिहीनों की सूची सौपी गई थी। जिस पर पांच डिसमिल जमीन भूमिहीनों को शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग किये गये गये थें। परन्तु अभी तक किसी प्रकार की कवायद शुरु नहीं होने से काफी दुख व्यक्त किया गया।धरना को रामदेव राम, रामावती देवी, शीला देवी, रेयाज मियां आदि नेताओं ने भी संबोधित किया। बाद में नाजरा खातून, प्रियंका देवी, रुब्बी खातून, रुना देवी, बबिता देवी, रुक्साना खातून,धर्मेन्द्र कुमार द्वारा सात सूत्री मांगों का एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम से अंचलाधिकारी महोदय को सौपा गया।

अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय में एफएलएन प्रशिक्षण का समापन, प्रमाणपत्र वितरित

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, सारण में शनिवार को राज्य स्तरीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पहल के तहत आयोजित पांच दिवसीय आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों में भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षकों को आधुनिक एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धतियों से प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण की शुरुआत प्री-टेस्ट के साथ हुई। पहले दिन शिक्षकों को पाठ्यचर्या के लक्ष्य, अधिगम प्रतिफल, चेतना सत्र के प्रभावी संचालन तथा भाषा शिक्षण की नवीन विधियों से अवगत कराया गया। इसके बाद अर्थपूर्ण पठन-लेखन, हिंदी गद्य एवं पद्य शिक्षण, गणित में मापन, आंकड़ा प्रबंधन, पैटर्न तथा सतत मूल्यांकन जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। अंतिम दिन अंग्रेजी, पर्यावरण अध्ययन एवं डिजिटल दक्षताओं पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। शिक्षकों को दीक्षा प्लेटफॉर्म, ई-कंटेंट, एफएलएन किट एवं एमएस वर्ड जैसे डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिदिन योग, माइंडफुलनेस एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रशिक्षु शिक्षक कुमार शशिकांत, फिरोज इकबाल, विजयेंद्र कुमार विजय, मोहम्मद इरशाद खान, अनुज सिंह, अजीत कुमार, रेयाजुद्दीन, मोहम्मद सगीर अंसारी, शुभआशीष सेन शर्मा सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा विवादः गया में कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम भेजा छह सूत्री ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।अयोध्या श्रीराम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर शनिवार को गया के गांधी मैदान गेट संख्या 07 के समीप कांग्रेस पार्टी एवं श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी उजागर कराओ संघर्ष समिति के संयुक्त बैनर तले धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया।प्रदर्शनकारियों ने सरकार के समक्ष छह सूत्री मांगें रखीं और चेतावनी दिया है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता गया जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रजनीश कुमार झुना ने की। संघर्ष समिति के संयोजक प्रो. विजय कुमार मिट्ठू ने कहा कि श्रीराम मंदिर से जुड़े दान, चढ़ावा एवं अन्य मामलों में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन घटनाओं से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं।धरना के दौरान प्रदर्शनकारियों ने छह प्रमुख मांगें रखीं। इनमें कथित एसआईटी जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग करने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय एवं अन्य संबंधित लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच कराने, मंदिर में शुरू से प्राप्त चढ़ावे का निष्पक्ष ऑडिट कराने, मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के किसी वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में कराने तथा प्रधानमंत्री से इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखने और श्रद्धालुओं से माफी मांगने की मांग शामिल है। मिट्ठू ने कहा कि बिहार के रामायण सर्किट में शामिल गया के सीता कुंड एवं भगवान विष्णुपद मंदिर से अयोध्या तक इस मुद्दे को लेकर चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आंदोलन के दो चरण पूरे होने के बाद अब तीसरे चरण में जिले के सभी 24 प्रखंडों, 332 ग्राम पंचायतों तथा गांव मुहल्लों में जनसंपर्क अभियान और सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद अयोध्या कूच का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।धरना समाप्ति के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपनी छह सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम ईमेल, डाक एवं सोशल मीडिया माध्यमों से प्रेषित किया।

हरनौत में धारदार हथियार से हत्या मामले में नेशनल हाईवे 20 पर शव रखकर दो घंटे तक जाम

नई सोच एक्सप्रेस

» 24 से 48 घंटे में होगी अपराधियों की गिरफ्तारीः डीएसपी

हरनौत।नालंदा जिला के हरनौत थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व धारदार हथियार से एक 35 वर्षीय युवक पर हमला कर दिया गया था।युवक हरनौत थाना क्षेत्र के चेरन गांव के निवासी स्वगीर्य कृष्णा प्रसाद के पुत्र सोनू कुमार था।जो पीएमसीएच में रेफर था इलाज के दौरान उनकी मौत शुक्रवार को हो गई थी।तीन भाई में सोनू सबसे छोटे थे।घर का कमौआ इंसान था।वह अविवाहित था। यहां तक तकरीबन दस साल से हरनौत बाजार के गोनावां रोड में एक पैथोलॉजी जांच घर खोले हुए हैं। इसके साथ ही हरनौत बाजार के रांची रोड में एक नर्सिंग होम क्लीनिक में बाढ़ क्षेत्र के एक निवासी के साथ पार्टनरशिप भी है।घर में एक बुजुर्ग मां भी है। वही शव को देर रात्रि पटना से उसके घर चेरन गांव लाया गया जबकि अगले दिन शनिवार के सुबह तकरीबन 8:30 बजे बख्तियारपुर-रजौली फोरलेन में स्थित मुढारी गांव के पास बीच सड़क पर रखकर आक्रोशित ग्रामीणों ने मांग करने लगे। यहां तक का आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर बांस, बल्ला ,लकड़ी के गुटका रखकर तथा बस,ट्रक , मोटरसाइकिल व टोटो खड़ा करके आवागमन पूर्णतः बाधित कर दिया।आक्रोशित ग्रामीणों की मांग मुआवजा एवं अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर था। जाम की भनक सुनते ही हरनौत थाना,चेरो ओपी,वेना सहित अन्य थाने के दर्जनों पुलिस बल पहुंच गये। हरनौत थानाध् लोगों को समझाया बुझाया।लेकिन आक्रोशित ग्रामीणों ने बात न मानी।कहा एसपी या डीएसपी को बुलाईए इंस्पेक्टर मुकेश कुमार वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। करीब डेढ़ घंटे के बाद डीएसपी हेड क्वार्टर सह प्रभारी एसडीपीओ-2 तारकेश्वर प्रसाद सिंह व नूरसराय सर्किल इंस्पेक्टर मनीष भारद्वाज पहुंचे एवं ग्रामीणों को समझाया बुझाया व आश्वासन दिया।तकरीबन दो घंटे के बाद जाम हटाया गया।इस दौरान डीएसपी श्री सिंह ने आश्वासन दिया कि 24 से 48 घंटे में अपराधियों की गिरफ्तारी होगी। इसके लिए हरनौत थाना की टीम के साथ-साथ डीआईयू की टीम लगी हुई है। आक्रोशित ग्रामीणों में भूपेंद्र कुमार ,सोनू कुमार , जदयू प्रखंड प्रवक्ता रौशन कुमार, जदयू नगर अध्यक्ष श्याम बालक साव समेत हजारों लोग मौजूद थे।

सीमावर्ती क्षेत्र के विकास और नागरिक सशक्तिकरण की दिशा में 18वीं वाहिनी की महत्वपूर्ण पहल

नई सोच एक्सप्रेस

मधुबनी/बिहार।राजनगर18वीं वाहिनी राजनगर द्वारा शनिवार को सीमा चौकी अंधारबन के कार्यक्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, लक्ष्मीपुर में नागरिक कल्याण कार्यक्रम 2026-27 के तहत मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण, मधुमक्खी बॉक्स वितरण तथा मानव एवं पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप महानिरीक्षक क्षेत्रक मुख्यालय पूर्णिया मधुकर अमिताभ तथा 18वीं वाहिनी के कमांडिंग ऑफिसर कोजा राम लोमरोड़ का ग्राम विकास परिषद (एनजीओ) के सचिव षष्ठी नाथ झा ने पुष्पगुच्छ, पाग एवं दुपट्टा भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद उप महानिरीक्षक ने लौकहा के विधायक सतीश कुमार साह का भी सम्मान किया।कार्यक्रम में सीमावर्ती ग्रामीणों को मधुमक्खी पालन के माध्यम से स्वरोजगार एवं आय बढ़ाने के अवसरो की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने मधुमक्खियों की विभिन्न प्रजातियों, कॉलोनी प्रबंधन, बॉक्स की देखभाल, रोग एवं कीट नियंत्रण, शहद संग्रहण, प्रसंस्करण, पैकेजिंग तथा विपणन की तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। साथ ही राष्ट्र सुरक्षा में आम नागरिकों की भूमिका पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।इस अवसर पर जीवंत गांव पिपराही, अंधारबन, लक्ष्मीपुर, बनरझूली, हरभंगा एवं थारूवाही के 20 सीमावर्ती किसानों को एक-एक मधुमक्खी बॉक्स तथा प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।कार्यक्रम में स्थानीय मुखिया, सरपंच, लौकहा थानाध्यक्ष, एपीएफ पोस्ट कमांडर बेलही, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, शिक्षक, प्रशिक्षक, एसएसबी के अधिकारी एवं जवान तथा बड़ी संख्या में सीमावर्ती ग्रामीण उपस्थित रहे।कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिको को आत्मनिर्भर बनाना, रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना तथा सीमावर्ती क्षेत्र के विकास एवं नागरिको के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

» सीमावर्ती गांवो के किसानो को तकनीकी प्रशिक्षण, रोजगार सृजन पर रहा विशेष जोर

अखिल ग्रामीण युवा विकास समिति ने आयोजित किया सम्मान एवं विदाई समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

» 35 स्वयंसेवकों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए

मुजफ्फरपुर (कांटी)।मणि फुलकाहा स्थित अखिल ग्रामीण युवा विकास समिति के तत्वावधान में सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सामाजिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के संस्थापक सुबोध कुमार पाण्डेय ने डॉ. आनंद कुमार विभूति को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने डॉ. विभूति के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन सुदर्शन मिश्रा ने किया। समारोह का मुख्य आकर्षण 35 नए स्वयंसेवकों को नियुक्ति पत्र प्रदान करना रहा। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने महिला एवं पुरुष स्वयंसेवकों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें ग्रामीण विकास एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी नवचयनित स्वयंसेवकों को उनके नए दायित्वों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर मुखिया ज्ञान कौशिक और टुनटुन सिंह ने क्षेत्र के विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए समिति के सामाजिक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में जिला पार्षद आभा कुमारी, शिक्षाविद कुंदन कुमार, पंच सुबोध कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के अंत में अतिथियों एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

भक्ति के माहौल में शुरू हुआ प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ

नई सोच एक्सप्रेस

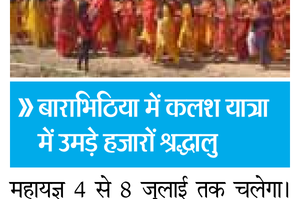

» बाराभिठिया में कलश यात्रा में उमड़े हजारों श्रद्धालु

गया जी। वज़ीरगंज प्रखंड की तरवां पंचायत अंतर्गत बाराभिठिया गांव में शनिवार को श्री देवी एवं हनुमान मंदिर के पंचदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं व श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। शनिवार सुबह यज्ञ स्थल से गाजे-बाजे, शंखध्वनि और जयघोष के बीच कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालु महिलाएं सिर पर कलश लेकर बाराभिठिया से प्राणपुर, ठठनिया मोड़, अमूचक, बढ़ही बिगहा और भलुआही होते हुए तरवां–वज़ीरगंज–फतेहपुर मार्ग से ढाढ़र नदी पहुंचीं। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत जल भरने की रस्म संपन्न कर श्रद्धालु पुनः यज्ञ स्थल लौटे।आयोजन समिति के अनुसार पंचदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ 4 से 8 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन वैदिक अनुष्ठान, हवन-पूजन, धार्मिक प्रवचन एवं अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि क्रांतिवीर शर्मा, मुखिया प्रतिनिधि रामाशंकर प्रसाद यादव, 20 सूत्री सदस्य मोहम्मद आरिफ हुसैन, संजय यादव, अरविंद पंडित सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने भागलपुर में अपने एक्सक्लूसिव शोरूम का किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार में 19वें एवं भारत में 156वें एक्सक्लूसिव शोरूम की शुरुआत

भागलपुर।किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने भागलपुर में अपने नए एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। शाह मार्केट, खलीफाबाग चौक, डीएनसिंह रोड स्थित यह नया शोरूम बिहार में किसना का 19वां तथा पूरे भारत में 156वां एक्सक्लूसिव शोरूम है। शोरूम का शुभारंभ हरी कृष्ण ग्रुप के फाउंडर एंड एमडी घनश्याम ढोलकिया एवं भागलपुर किसना एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर गगन कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। शोरूम के शुभारंभ के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष उद्घाटन ऑफर्स की घोषणा की गई है। ग्राहक अपने पुराने सोने को एक्सचेंज कर डायमंड ज्वेलरी की खरीद पर 105 प्रतिशत मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा डायमंड ज्वेलरी पर फ्लैट 21 प्रतिशत तक की छूट, गोल्ड ज्वेलरी की मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 21 प्रतिशत तक की छूट तथा 90 प्रतिशत बायबैक एवं 95 प्रतिशत एक्सचेंज वैल्यू जैसी आकर्षक सुविधाओं का लाभ भी उठा सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि बिहार में हमारे 19वें एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ किसना की निरंतर विकास यात्रा और पूरे भारत में विस्तार की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भागलपुर एक महत्वपूर्ण एवं संभावनाओं से भरपूर बाजार है और यहां हमारा आगमन हर घर किसना के हमारे विज़न को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य प्रत्येक भारतीय परिवार तक विश्वसनीय, उच्च गुणवत्ता वाली डायमंड एवं गोल्ड ज्वेलरी को सुलभ बनाना है। वहीं अपने संबोधन में भागलपुर किसना एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर गगन कुमार ने कहा कि किसना के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। यह ब्रांड भारत के ज्वेलरी रिटेल क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। हमें प्रसन्नता है कि अब भागलपुर के ग्राहकों को विश्वसनीय डायमंड एवं गोल्ड ज्वेलरी के साथ एक उत्कृष्ट खरीदारी अनुभव मिलेगा। हमारा प्रयास ग्राहकों के साथ विश्वासपूर्ण एवं दीर्घकालिक संबंध स्थापित करना है। समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए किसना ने शोरूम के शुभारंभ के अवसर पर जरूरतमंदों के लिए भोजन वितरण, स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी

सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो। मगर, फिलहाल ज्यादातर रकम का इस्तेमाल नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है। वोट खरीद योजनाएं का असर जाहिर होने लगा है। पिछले वित्त वर्ष में राज्य सरकारों ने बाजार से 15.2 फीसदी ज्यादा कर्ज उठाया। ज्यादा कर्ज लेने की होड़ का असर ब्याज दरों पर दिखा। मतलब यह कि अब सरकारों को अधिक महंगी दर पर ऋण लेना पड़ रहा है। भारत सरकार को दस साल के बॉन्ड बेचने के लिए अब लगभग सात प्रतिशत की दर से ब्याज देने पड़ रहे हैं। सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते जुटाई गई रकम का निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो रहा हो। मगर, अपने देश में फिलहाल इनमें से बड़ी रकम का इस्तेमाल मतदाताओं के खाते में नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है। मार्केट रिसर्च एजेंसी क्राइसिल के मुताबिक 2019 तक सिर्फ चार राज्यों में कैश ट्रांसफर की योजनाएं थीं, जबकि अब 28 राज्यों और केंद्र शासित दिल्ली में इन्हें चलाने का बोझ सरकारों पर है। प्रोजेक्टडीप नामक एक संगठन की अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक 2015 के बाद से ऐसी योजनाओं पर सरकारी खर्च में 20 गुना से भी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। ये व्यय अब दो लाख 85 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच चुकी है। यह भी गौरतलब है कि ये सारी रकम सिर्फ कर्ज लेकर नहीं जुटाई गई है। बल्कि एक्सिस रिसर्च ने पिछले साल अपनी एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा था कि इस बजट का बहुत बड़ा हिस्सा सरकारों की व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन लाकर और राजकोषीय घाटा बढ़ाते हुए पूरा किया गया है। व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन का मतलब है कि दीर्घकालिक एवं मानव विकास की योजनाओं का बजट काट कर प्रत्यक्ष नकदी ट्रांसफर की योजनाएं बढ़ाई गई हैं। चूंकि सरकारें ऐसी योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन नहीं करवातीं, इसलिए यह सामने नहीं आ पाता है कि मतदाताओं को तुरंत मिलने राहत की कितनी बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी। अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इन योजनाओं को 'नई कल्याणकारी दृष्टिÓ कहा है। इससे मतदाताओं को महसूस होता है कि उनके लिए कुछ किया गया है। लेकिन यह किस कीमत पर हुआ है, यह बताने वाला उनके आसपास कोई मौजूद नहीं होता!

पंजाब की सियासत में बढ़ती अंदरूनी कलह और चुनावी चुनौती

आरती कुमारी

पंजाब विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही राज्य का राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल चुनावी तैयारियों में जुटे हैं, लेकिन चुनावी रणनीति और जनसरोकारों से अधिक चर्चा उनके भीतर चल रही गुटबाजी, असंतोष और नेतृत्व संकट की हो रही है। राज्य की राजनीति इस समय ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां विकास, रोजगार, कृषि, उद्योग, नशे की समस्या और कानून-व्यवस्था जैसे मूल मुद्दे पीछे छूटते दिखाई दे रहेहैं, जबकि राजनीतिक दल अपने-अपने संगठन को एकजुट रखने की चुनौती से जूझ रहे हैं। विशेष रूप से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर उभर रही परिस्थितियां यह संकेत दे रही हैं कि आगामी चुनाव केवल दलों के बीच नहीं, बल्कि उनके अपने आंतरिक संकटों के खिलाफ भी होगा। पंजाब के राजनीतिक इतिहास में दलों के भीतर मतभेद कोई नई बात नहीं है, लेकिन जिस प्रकार चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आ रहा है, वह निश्चित रूप से चिंताजनक है। किसी भी लोकतांत्रिक दल में विचारों का मतभेद स्वाभाविक माना जाता है, किंतु जब यह मतभेद सार्वजनिक शक्ति प्रदर्शन, नेतृत्व पर सवाल और संभावित दल-बदल तक पहुंच जाए, तो उसका सीधा प्रभाव पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर पड़ता है। कांग्रेस में हालिया संगठनात्मक बदलावों ने पार्टी के भीतर पहले से मौजूद गुटबाजी को और उजागर कर दिया है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को बनाए रखने के आलाकमान के निर्णय के बाद असंतोष खुलकर सामने आया। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा अपने समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन केवल व्यक्तिगत नाराजगी नहीं माना जा सकता, बल्कि यह पार्टी नेतृत्व के निर्णयों के प्रति गंभीर असहमति का संकेत भी है। चन्नी पंजाब कांग्रेस का एक महत्वपूर्ण दलित चेहरा हैं और उनका सार्वजनिक विरोध यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर विभिन्न शक्ति केंद्र सक्रिय हैं। किसी भी चुनावी राज्य में संगठन की मजबूती सबसे बड़ा हथियार होती है। यदि पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व ही सार्वजनिक रूप से नेतृत्व के फैसलों पर प्रश्न उठाए, तो कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम की स्थिति बनना स्वाभाविक है। जमीनी स्तर पर इसका असर चुनावी अभियान, बूथ प्रबंधन और मतदाताओं के बीच पार्टी की विश्वसनीयता पर भी पड़ता है। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल विपक्ष का मुकाबला करना नहीं, बल्कि अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं का विश्वास बनाए रखना भी है। इसी बीच कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात ने राजनीतिक अटकलों को और तेज कर दिया है। रंधावा ने इस मुलाकात को गैर-राजनीतिक बताया है, लेकिन भारतीय राजनीति में चुनाव से ठीक पहले होने वाली ऐसी मुलाकातों को लेकर स्वाभाविक रूप से अनेक तरह की चर्चाएं होती हैं। यह आवश्यक नहीं कि हर मुलाकात का अर्थ दल-बदल ही हो, लेकिन ऐसे घटनाक्रम राजनीतिक संदेश अवश्य देते हैं। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच असमंजस पैदा होता है और विपक्ष को राजनीतिक हमला करने का अवसर भी मिलता है। कांग्रेस पहले ही पंजाब में अपना जनाधार मजबूत करने की चुनौती से जूझ रही है। ऐसे समय में यदि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की गतिविधियां सवालों के घेरे में आएं, तो संगठनात्मक मजबूती पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। चुनावी राजनीति में धारणा (परसेप्शन) भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी वास्तविकता। यदि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच यह संदेश जाता है कि पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर अस्थिरता है, तो उसका चुनावी असर भी दिखाई दे सकता है। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी भी संगठनात्मक चुनौतियों से पूरी तरह मुक्त नहीं दिखाई देती। पिछले कुछ समय में पार्टी के भीतर असंतोष और नेतृत्व को लेकर उठे सवालों ने उसकी राजनीतिक स्थिति को प्रभावित किया है। किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी शक्ति उसका संगठन और नेतृत्व पर कार्यकर्ताओं का भरोसा होता है। जब पार्टी के भीतर बड़े स्तर पर मतभेद सामने आते हैं या वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने जैसी घटनाएं होती हैं, तो विपक्ष को राजनीतिक बढ़त मिलती है और जनता के बीच भी पार्टी की एकजुटता पर प्रश्न उठने लगते हैं। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में स्वयं को वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया था। भ्रष्टाचार विरोध, पारदर्शिता और नई राजनीतिक संस्कृति जैसे मुद्दों के आधार पर उसने जनता का विश्वास अर्जित किया। ऐसे में यदि पार्टी के भीतर संवाद की कमी, नेतृत्व को लेकर असंतोष या संगठनात्मक कमजोरी की धारणा बनती है, तो यह उसके लिए राजनीतिक चुनौती बन सकती है। किसी भी दल के लिए केवल चुनाव जीतना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि संगठन को निरंतर मजबूत बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक होता है। इन परिस्थितियों के बीच भारतीय जनता पार्टी अपनी राजनीतिक रणनीति को विस्तार देने का प्रयास करती दिखाई दे रही है। पंजाब में भाजपा का पारंपरिक जनाधार सीमित रहा है, लेकिन यदि विपक्षी दलों के भीतर असंतोष बढ़ता है और उनके नेता नए राजनीतिक विकल्प तलाशते हैं, तो स्वाभाविक रूप से भाजपा को इसका लाभ मिल सकता है। भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। विभिन्न दलों के नेता समय-समय पर राजनीतिक परिस्थितियों, अवसरों और अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए दल बदलते रहे हैं। हालांकि, चुनाव से पहले होने वाले ऐसे घटनाक्रम राजनीतिक समीकरणों को तेजी से बदल देते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का एक वर्ग मानता है कि भाजपा विपक्षी दलों के असंतुष्ट नेताओं को अपने साथ जोड़कर पंजाब में संगठनात्मक विस्तार की रणनीति पर काम कर रही है। दूसरी ओर, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि विपक्षी दल अपने भीतर उत्पन्न असंतोष के कारणों का समाधान करें। यदि किसी दल में संवाद की कमी हो, नेतृत्व सभी पक्षों को साथ लेकर न चल सके या संगठनात्मक निर्णयों में व्यापक सहमति न बन पाए, तो असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। पंजाब की राजनीति का यह दौर केवल दलगत प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता की भी परीक्षा है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों के सामने यह चुनौती है कि वे अपने-अपने संगठन में विश्वास बहाल करें और जनता के बीच एकजुटता का संदेश दें। यदि नेतृत्व अपने कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने में सफल नहीं होता, तो चुनावी नुकसान की आशंका बढ़ जाती है। वास्तव में पंजाब इस समय अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। कृषि क्षेत्र की समस्याएं, युवाओं में बेरोजगारी, नशे की चुनौती, उद्योगों का पलायन, सीमावर्ती सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे राज्य के भविष्य से जुड़े हैं। चुनावी बहस का केंद्र इन्हीं विषयों को होना चाहिए। दुर्भाग्य से राजनीतिक विमर्श का बड़ा हिस्सा दलों के भीतर की खींचतान और संभावित राजनीतिक जोड़-तोड़ पर केंद्रित होता दिखाई दे रहा है। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया भी प्रभावित होती है और जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की आंतरिक लोकतांत्रिक व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी चुनावी सफलता। यदि किसी दल में असहमति व्यक्त करने की स्वस्थ व्यवस्था हो, संवाद की परंपरा मजबूत हो और निर्णय प्रक्रिया में व्यापक सहभागिता सुनिश्चित हो, तो गुटबाजी की संभावना कम हो जाती है। इसके विपरीत, जब संवाद कमजोर पड़ता है, तो असंतोष सार्वजनिक रूप ले लेता है और संगठन कमजोर होने लगता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी भी चुनाव में केवल विरोधी दल की कमजोरी जीत की गारंटी नहीं होती। जनता अंततः उस दल पर भरोसा करती है जो स्थिर नेतृत्व, स्पष्ट दृष्टि और विकास का विश्वसनीय रोडमैप प्रस्तुत करे। यदि राजनीतिक दल केवल एक-दूसरे की कमजोरियों को उजागर करने में लगे रहेंगे और अपने संगठनात्मक संकट से बाहर नहीं निकल पाएंगे, तो मतदाता नए विकल्पों की ओर भी देख सकते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव पंजाब की राजनीति के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। कांग्रेस के सामने अपनी गुटबाजी समाप्त कर संगठन को मजबूत करने की चुनौती है। आम आदमी पार्टी को भी अपने संगठनात्मक ढांचे को अधिक प्रभावी बनाते हुए कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच विश्वास कायम रखना होगा। वहीं भाजपा विपक्ष की कमजोरियों का लाभ उठाकर अपनी राजनीतिक उपस्थिति मजबूत करने का प्रयास करेगी। अंततः पंजाब की जनता किसी भी राजनीतिक दल से केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि स्थिर, जवाबदेह और विकासोन्मुख शासन की अपेक्षा रखती है। चुनावी सफलता का वास्तविक आधार केवल राजनीतिक जोड़-तोड़ नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होता है। जो दल अपने आंतरिक मतभेदों को समय रहते सुलझाकर विकास, सुशासन और जनहित के मुद्दों पर केंद्रित अभियान चलाएगा, वही मतदाताओं का भरोसा जीतने में सफल हो सकता है। फिलहाल पंजाब की राजनीति में सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या प्रमुख राजनीतिक दल अपने संगठनात्मक संकट से उबरकर जनता के मुद्दों पर लौट पाएंगे, या फिर उनकी आंतरिक कलह ही चुनावी परिणामों को प्रभावित करेगी। इसका उत्तर आने वाले महीनों में राजनीतिक घटनाक्रम और अंततः जनता के जनादेश से ही मिलेगा।

युद्ध का जन्म कहाँ से होता है?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

लालसा, महत्वाकांक्षा, कट्टरता और असुरक्षा के रथ पर सवार अहंकार जब अपनी चरम अवस्था को प्राप्त करता है, तब इतिहास के पन्नों पर युद्ध की इबारत लिखी जाती है। मानव सभ्यता के आरंभ से लेकर आधुनिक परमाणु युग तक लगभग प्रत्येक युद्ध के मूल में यही चार तत्व दिखाई देते हैं। कभी साम्राज्य विस्तार की महत्वाकांक्षा, कभी संसाधनों पर कब्जे की लालसा, कभी वैचारिक कट्टरता और कभी सुरक्षा को लेकर उत्पन्न असुरक्षा। इन सबका सम्मिलित परिणाम युद्ध के रूप में सामने आता है। युद्ध का आरंभ चाहे किसी सीमा विवाद से हो, किसी धार्मिक मतभेद से, किसी आर्थिक हित से या किसी राजनीतिक संघर्ष से, लेकिन उसका अंत सदैव मानवता के घावों के साथ होता है। युद्ध किसी राष्ट्र को विजेता और किसी को पराजित घोषित कर सकता है, परंतु वास्तव में उसकी सबसे बड़ी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं। सैनिकों की शहादत, बच्चों की अनाथता, महिलाओं का असुरक्षित जीवन, उजड़ते नगर और चरमराती अर्थव्यवस्थाएँ युद्ध की वास्तविक पहचान हैं। आज पश्चिम एशिया का परिदृश्य इसी सत्य का प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत कर रहा है। वर्षों के तनाव, संघर्ष, प्रतिबंध, सैन्य अभियानों और कूटनीतिक टकरावों के बाद जब राष्ट्र वार्ता की मेज पर बैठते हैं और किसी समझौते पर हस्ताक्षर करते हैं, तब एक महत्वपूर्ण प्रश्न जन्म लेता है कि क्या वास्तव में किसी की जीत हुई? और यदि हुई तो उसकी कीमत क्या रही? पश्चिम एशिया लंबे समय से वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील क्षेत्र रहा है। तेल संसाधनों की प्रचुरता, सामरिक महत्व, धार्मिक विविधता और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को लगातार संघर्षों के केंद्र में बनाए रखा है। इराक युद्ध, सीरिया का गृहयुद्ध, यमन संकट, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और ईरान से जुड़े विवादों ने इस क्षेत्र को दशकों तक अस्थिर रखा है। लाखों लोगों ने अपने घर छोड़े, हजारों परिवार बिखर गए और संपूर्ण पीढ़ियाँ युद्ध के भय के बीच बड़ी हुईं है। जब किसी समझौते या युद्धविराम की घोषणा होती है, तब दुनिया राहत की सांस लेती है। किंतु उस राहत के पीछे छिपे आँकड़े भयावह होते हैं। कितनी जानें चली गईं? कितनी अर्थव्यवस्थाएँ तबाह हुईं? कितने बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया? ये प्रश्न अक्सर राजनीतिक घोषणाओं की चमक में दब जाते हैं। मानव इतिहास ने जीत और हार की जो परिभाषा गढ़ी है, वह मुख्यतः सैन्य और राजनीतिक उपलब्धियों पर आधारित रही है। युद्धभूमि पर अधिक क्षेत्र प्राप्त कर लेना, विरोधी की सैन्य क्षमता को नष्ट कर देना या उसे राजनीतिक समझौते के लिए विवश कर देना विजय माना गया है। किन्तु आधुनिक युग में यह दृष्टिकोण अधूरा प्रतीत होता है। यदि किसी राष्ट्र को अपनी विजय के लिए हजारों नागरिकों की जान गंवानी पड़े, अरबों डॉलर खर्च करने पड़ें और दशकों तक सामाजिक तनाव झेलना पड़े, तो क्या उसे वास्तविक विजय कहा जा सकता है? इसी प्रकार यदि कोई राष्ट्र युद्ध हार भी जाए, परंतु उसकी मानवीय संवेदनाएँ जीवित रहे, उसकी सामाजिक एकता बनी रहे और वह पुनर्निर्माण की क्षमता रखता हो, तो क्या वह पूर्णतः पराजित कहलाएगा? इसलिए आज आवश्यकता है कि विजय और पराजय को केवल सैन्य दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाए। जब किसी युद्ध की चर्चा होती है, तो अक्सर सेनाओं, हथियारों और रणनीतियों की बात होती है। लेकिन युद्ध का सबसे बड़ा और सबसे दुखद पक्ष मानव पीड़ा है। एक सैनिक की शहादत केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती है, वह एक परिवार के सपनों का अंत होती है। एक बमबारी केवल एक इमारत को नहीं गिराती, वह पीढ़ियों की स्मृतियों और आशाओं को भी ध्वस्त कर देती है। युद्ध के कारण लाखों लोग शरणार्थी बन जाते हैं। वे अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश होते हैं। उनके लिए सीमा रेखाएँ केवल नक्शे की रेखाएँ नहीं, बल्कि जीवन और अस्तित्व का प्रश्न बन जाती हैं। युद्ध बच्चों से उनका बचपन छीन लेता है। स्कूलों की जगह शरण शिविर, खेल के मैदानों की जगह मलबा और सपनों की जगह भय उनके जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। यदि हार की बात की जाए, तो वास्तव में सबसे बड़ी हार इन्हीं निर्दोष लोगों की होती है, जिनका युद्ध से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता है। युद्ध केवल मानव जीवन को ही प्रभावित नहीं करता है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी गहरे स्तर पर झकझोर देता है। जब किसी क्षेत्र में संघर्ष बढ़ता है, तो ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होती है। तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि होती है। परिवहन लागत बढ़ती है। महँगाई वैश्विक स्तर पर फैलती है। युद्ध के कारण निवेश घटता है, व्यापारिक मार्ग बाधित होते हैं और विकास परियोजनाएँ रुक जाती हैं। जिन संसाधनों का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के निर्माण में होना चाहिए, वे हथियारों और सैन्य अभियानों पर खर्च होने लगते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध के बाद पुनर्निर्माण की लागत अक्सर युद्ध की लागत से भी अधिक होती है। जो शहर वर्षों में बनते हैं, वे कुछ दिनों की बमबारी में नष्ट हो जाते हैं। उन्हें पुनः खड़ा करने में दशकों लग जाते हैं। इस प्रकार युद्ध केवल वर्तमान को नहीं, बल्कि भविष्य को भी नुकसान पहुँचाता है। युद्ध हमेशा बंदूक और मिसाइल से ही नहीं लड़ा जाता है। आधुनिक युग में शब्द भी हथियार बन चुके हैं। राजनीतिक भाषण, मीडिया प्रचार, सोशल मीडिया अभियान, दुष्प्रचार और वैचारिक संघर्ष कई बार वास्तविक युद्धों की नींव तैयार करते हैं। शब्दों से पैदा हुई नफरत अंततः हथियारों तक पहुँच जाती है। कानूनी लड़ाइयाँ, आर्थिक प्रतिबंध, व्यापारिक युद्ध और कूटनीतिक दबाव भी संघर्ष के आधुनिक स्वरूप हैं। यद्यपि इनमें प्रत्यक्ष रक्तपात कम दिखाई देता है, फिर भी इनके सामाजिक और आर्थिक परिणाम गंभीर हो सकते हैं। इसलिए संघर्ष का स्वरूप चाहे कोई भी हो, उसका अंतिम परिणाम प्रायः तनाव, विभाजन और अविश्वास ही होता है। इतिहास में अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ अत्यधिक शक्ति और आत्मविश्वास अंततः अहंकार में परिवर्तित हो गया। जब नेतृत्व संवाद को कमजोरी और समझौते को पराजय समझने लगता है, तब संघर्ष की संभावना बढ़ जाती है। अहंकार व्यक्ति को यह विश्वास दिलाता है कि वह अजेय है। वही अहंकार राष्ट्रों को यह भ्रम देता है कि वे किसी भी कीमत पर अपनी इच्छा दूसरों पर थोप सकते हैं। लेकिन इतिहास का सबसे बड़ा सत्य यह है कि कोई भी शक्ति स्थायी नहीं होती है।

मेष राशि : मेष राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपकी योजनानुसार सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। नयी तकनीक अपनाने से आपके व्यापार में वृद्धि होने की संभावना है साथ ही उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से फायदा मिलने की उम्मीद है। शुभ अंक- 6

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। आज घर पर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। वाहन सुख प्राप्त होने के आसार दिख रहे हैं। आज पठन-पाठन के कार्य में आपका रुझान बढ़ेगा। आपको जीवनसाथी से काम में पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में आज साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है। शुभ अंक- 8

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत बेहतरीन रहेगी। किसी करीबी रिश्तेदार की समस्या को हल करने में आज आपकी विशेष भूमिका रहेगी। आज किसी की सलाह मानने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोच-विचार जरूर करें। स्वयं पर भरोसा रखें, सफलता जरूर मिलेगी। शुभ अंक- 9

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन नई उम्मीदों से भरा रहेगा। विदेश जाने का सपना आज पूरा होगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा। नया स्टडी शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने कामों के प्रति एकाग्र रहना आज आपको सफलता दिलाएगा। शुभ अंक- 6

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। आज अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा और परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना बन सकती है। कुछ दिनों से चल रही किसी दोस्त से अनबन आज खत्म हो जाएगी और आपके रिश्ते में मिठास आएगी। राजनीति व सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। शुभ अंक- 4

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। आज आपको किस्मत का साथ मिलने से कार्यों को समय से पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस में किसी जरूरी काम को लेकर विचार-विमर्श करना पड़ सकता है। इस राशि के जो लोग मल्टीनेशनल कंपनी में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है। आपका झुकाव किसी नए काम की ओर हो सकता है। शुभ अंक- 5

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को आज ऑफिशियल यात्रा से जुड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। आपके प्रति शत्रुभाव रखने वाले लोग आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। लेखक आज नई स्टोरी लिखेंगे, जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जाएगा। परिवार में नए मेहमान के आने से सभी लोग बहुत खुश होंगे। शुभ अंक- 1

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज घर और व्यवसाय दोनों जगह अच्छा सामंजस्य बना रहेगा। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं। कामयाबी अवश्य मिलेगी। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कूरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज बढ़िया फायदा होगा। शुभ अंक- 7

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आप अपने मन की बात किसी खास मित्र से शेयर करेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। आज किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाएंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंजॉय करने का मौका मिलेगा। आज आप नई स्किल सीख सकते हैं, जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा। शुभ अंक- 7

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम आज लाभदायक साबित होगा। आज आध्यात्मिक कामों में कुछ समय बिताने से मानसिक सुकून महसूस करेंगे। आज किसी भी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से बचें। स्वास्थ्य में स्थिरता बनी रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। शुभ अंक- 2

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे। साथ ही जीवनसाथी के साथ किसी जरूरी मुद्दे पर आपकी लंबी बातचीत हो सकती है। इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। विद्यार्थी आज अपना समय व्यर्थ में जाया करने से बचें। साथ ही अपनी स्टडी प्लानिंग को रिन्यू करें। शुभ अंक- 2

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन नए विचारों के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार समाज में सबसे अलग और नई पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। आज अपने डेली रूटीन में कुछ बदलाव कर सकते हैं। किसी काम को करने का नया तरीका बिज़नस में फायदा करायेगा। शुभ अंक - 6

कृषि पर्यटन : खेतों से जुड़ता भारत, भविष्य की नई अर्थव्यवस्था का उभरता आधार

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार, बिहार

भारत को सदियों से कृषि प्रधान देश कहा जाता रहा है। हमारी सभ्यता, संस्कृति, लोकजीवन, पर्व-त्योहार, खान-पान और आर्थिक व्यवस्था की जड़ें कृषि से जुड़ी रही हैं। गाँव केवल भौगोलिक इकाइयाँ नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन के जीवंत केंद्र रहे हैं। किंतु पिछले कुछ दशकों में तीव्र शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और तकनीकी विकास के कारण समाज का एक बड़ा वर्ग, विशेषकर युवा पीढ़ी, गाँवों और खेती-किसानी से दूर होता गया। आज महानगरों में रहने वाले लाखों युवा ऐसे हैं जिन्होंने खेत में धान की रोपाई, गेहूँ की कटाई, बैलगाड़ी की सवारी, मिट्टी की सौंधी खुशबू या ग्रामीण जीवन की सहजता को केवल पुस्तकों, चलचित्रों अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से देखा है। यह दूरी केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है। ऐसे समय में कृषि पर्यटन केवल पर्यटन का नया माध्यम नहीं, बल्कि शहर और गाँव, आधुनिकता और परंपरा, उद्योग और कृषि, उपभोक्ता और उत्पादक के बीच संवाद का सशक्त सेतु बनकर उभर रहा है। आज विश्वभर में पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले पर्यटन का अर्थ केवल ऐतिहासिक स्मारकों, धार्मिक स्थलों या प्राकृतिक दृश्यों का भ्रमण था, लेकिन अब लोग अनुभव आधारित पर्यटन की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे केवल किसी स्थान को देखना नहीं चाहते, बल्कि वहाँ के जीवन को समझना चाहते हैं। इसी सोच ने कृषि पर्यटन को जन्म दिया। कृषि पर्यटन का अर्थ है कि लोग खेतों, बागानों, डेयरी फार्मों, जैविक खेती केंद्रों और ग्रामीण जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करें, स्थानीय भोजन का स्वाद लें, किसानों से संवाद करें, खेती की तकनीकों को समझें और प्रकृति के बीच कुछ समय बिताएँ। यह अनुभव उन्हें केवल मनोरंजन ही नहीं देता, बल्कि जीवन के वास्तविक आधार—अन्न उत्पादन—के प्रति सम्मान भी उत्पन्न करता है। भारत जैसे देश में कृषि पर्यटन की संभावनाएँ अत्यंत व्यापक हैं। हिमालय की घाटियों से लेकर राजस्थान के मरुस्थलों तक, कश्मीर के सेब बागानों से लेकर केरल के मसाला उद्यानों तक, महाराष्ट्र के अंगूर बागानों से लेकर बिहार, उत्तर प्रदेश और पंजाब के धान-गेहूँ के खेतों तक, प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशिष्ट कृषि संस्कृति है। यदि इन क्षेत्रों को सुनियोजित ढंग से कृषि पर्यटन से जोड़ा जाए, तो यह किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आज महानगरों में रहने वाले लाखों परिवार सप्ताहांत में तनावमुक्त वातावरण की तलाश करते हैं। ऊँची इमारतों, व्यस्त यातायात, प्रदूषण और भागदौड़ भरे जीवन के बीच उन्हें प्रकृति के बीच कुछ समय बिताने की आवश्यकता महसूस होती है। कृषि पर्यटन उन्हें यही अवसर देता है। खेतों की हरियाली, स्वच्छ हवा, ताजे फल-सब्जियाँ, ग्रामीण आतिथ्य, लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक भोजन और प्राकृतिक वातावरण मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। आज जब तनाव, अवसाद और अकेलेपन जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं, तब प्रकृति से जुड़ाव स्वयं में एक सकारात्मक चिकित्सा के रूप में उभर रहा है। विशेष रूप से आईटी क्षेत्र में कार्यरत युवा, कॉरपोरेट कर्मचारी, औद्योगिक श्रमिक, स्टार्टअप उद्यमी और महानगरों के व्यस्त पेशेवर लंबे समय तक वातानुकूलित कार्यालयों और डिजिटल स्क्रीन के बीच कार्य करते हैं। उनका अधिकांश समय कृत्रिम वातावरण में बीतता है। कृषि पर्यटन उनके लिए केवल अवकाश नहीं, बल्कि जीवन की मूलभूत वास्तविकताओं से जुड़ने का अवसर है। जब कोई युवा स्वयं खेत में बीज बोता है, पशुओं की देखभाल देखता है, जैविक खेती की प्रक्रिया समझता है या किसानों के साथ बैठकर भोजन करता है, तब उसके भीतर श्रम के प्रति सम्मान और ग्रामीण भारत के प्रति नई संवेदनशीलता विकसित होती है। आज की युवा पीढ़ी नवाचार और उद्यमिता की ओर तेजी से अग्रसर है। कृषि पर्यटन उनके लिए रोजगार और व्यवसाय का नया क्षेत्र भी बन सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में होम-स्टे, फार्म-स्टे, जैविक उत्पादों की बिक्री, स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक भोजन, कृषि प्रशिक्षण, प्रकृति भ्रमण, ग्रामीण खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृषि आधारित अनुभव केंद्र स्थापित कर हजारों युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। इससे गाँवों से शहरों की ओर पलायन भी कम होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। कृषि पर्यटन का सबसे बड़ा लाभ किसानों को अतिरिक्त आय के रूप में मिल सकता है। आज खेती अनेक चुनौतियों से घिरी हुई है—बढ़ती लागत, जलवायु परिवर्तन, बाजार की अनिश्चितता और सीमित लाभ। यदि किसान अपनी कृषि भूमि का एक भाग कृषि पर्यटन के लिए विकसित करें, तो उन्हें केवल फसल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। पर्यटकों के लिए आवास, स्थानीय भोजन, कृषि गतिविधियों में सहभागिता, ताजे कृषि उत्पादों की बिक्री और ग्रामीण अनुभवों के माध्यम से आय के नए स्रोत विकसित किए जा सकते हैं। इससे कृषि अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सकती है। भारत में प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और मोटे अनाजों की ओर बढ़ती रुचि भी कृषि पर्यटन को नई गति दे सकती है। आज अनेक उपभोक्ता यह जानना चाहते हैं कि उनका भोजन कैसे तैयार होता है। वे रासायनिक खेती और जैविक खेती के बीच का अंतर समझना चाहते हैं। कृषि पर्यटन उन्हें खेत तक ले जाकर इस प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है। इससे उपभोक्ता और किसान के बीच विश्वास भी बढ़ता है तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों की मांग में भी वृद्धि होती है। ग्रामीण महिलाओं के लिए भी कृषि पर्यटन नए अवसर लेकर आ सकता है। स्वयं सहायता समूह पारंपरिक व्यंजन, स्थानीय खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, अचार, पापड़, मसाले और अन्य घरेलू उत्पाद पर्यटकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे महिलाओं की आय बढ़ेगी, आर्थिक आत्मनिर्भरता आएगी और ग्रामीण परिवारों की सामाजिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। महिला सशक्तिकरण का यह मॉडल आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को भी मजबूत करेगा। कृषि पर्यटन का एक महत्वपूर्ण पक्ष सांस्कृतिक संरक्षण भी है। आज अनेक लोककलाएँ, लोकगीत, पारंपरिक कृषि उपकरण, ग्रामीण खेल और लोक परंपराएँ धीरे-धीरे विलुप्त हो रही हैं। यदि कृषि पर्यटन के माध्यम से इनका प्रदर्शन और संरक्षण किया जाए, तो नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित होगी। इससे सांस्कृतिक पर्यटन और कृषि पर्यटन का समन्वय भी स्थापित होगा। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए कृषि पर्यटन अत्यंत उपयोगी शैक्षणिक माध्यम बन सकता है। पुस्तक में पढ़ी गई कृषि, पर्यावरण, जैव विविधता, जल संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अवधारणाएँ खेतों में जाकर अधिक प्रभावी ढंग से समझी जा सकती हैं। इससे शिक्षा व्यवहारिक बनेगी और विद्यार्थियों में प्रकृति तथा कृषि के प्रति सम्मान विकसित होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी अनुभवात्मक शिक्षा पर बल देती है, इसलिए कृषि पर्यटन इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी कृषि पर्यटन का विशेष महत्व है। जब लोग खेतों, जलस्रोतों, वृक्षों और जैव विविधता के महत्व को प्रत्यक्ष देखते हैं, तब उनमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। वर्षा जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, वृक्षारोपण और जैविक जीवनशैली जैसे विषय केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि व्यवहार का हिस्सा बनते हैं। सरकारों की भूमिका भी इस क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

नीति आयोग की रिपोर्ट में झारखंड शीर्ष तीन राज्यों में, कांग्रेस ने हेमंत सरकार की सराहना की

रांची। नीति आयोग के फिस्कल हेल्थ इंडेक्स-2026 में झारखंड को देश के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल किए जाने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को बधाई दी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अख्तर अली ने कहा कि यह उपलब्धि राज्य के बेहतर वित्तीय प्रबंधन और आर्थिक अनुशासन का प्रमाण है। अख्तर अली ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट ने झारखंड की आर्थिक स्थिति पर भाजपा द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य ने राजस्व संग्रह, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण, पूंजीगत व्यय और कर्ज प्रबंधन जैसे वित्तीय मानकों पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों और केंद्र से राज्य के बकाया भुगतान लंबित रहने के बावजूद सरकार ने विकास और जनकल्याण दोनों को संतुलित रखा है। मैया सम्मान योजना, कृषि ऋण माफी, पुरानी पेंशन योजना, अबुवा आवास और हरा कार्ड जैसी योजनाओं का सफल संचालन इसका उदाहरण है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि झारखंड की यह उपलब्धि राज्य के लिए गर्व का विषय है और भाजपा को इस पर राजनीति करने के बजाय इसका स्वागत करना चाहिए।

मंडल अध्यक्ष प्रेमचंद यादव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश महामंत्री कर्मवीर सिंह का किया स्वागत

गिद्धौर। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह के एकदिवसीय दौरे के दौरान शनिवार को गिद्धौर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। स्वागत नेतृत्व भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रेमचंद यादव ने किया। कार्यकर्ताओं ने कर्मवीर सिंह को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। स्वागत के दौरान संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों तथा कार्यकर्ताओं की भागीदारी को लेकर भी चर्चा हुई। प्रदेश संगठन महामंत्री ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और जनसंपर्क अभियान को गति देने का जोर किया। स्वागत कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्रेमचंद यादव सहित भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कुछ देर के लिए मुख्य चौक पर जश्न का माहौल रहा।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री ने भद्रकाली मंदिर में की पूजा अर्चना

इटखोरी। भारतीय जनता पार्टी झारखण्ड प्रदेश के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने माता भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना की ।इस क्रम में वे मुख्य मंदिर सहित परिसर स्थित अन्य देवालयों में भी मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया।उन्होंने कहा कि इस परिसर में आने से शांति महसूस होती है और शक्ति प्राप्त होती है ।उन्होंने आगे कहा कि यह स्थल जागृत शक्तिपीठ है, जहाँ भक्तों की मनोवांछित इच्छाएं पूरी होती है।।इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में इटखोरी चौक स्थित बजरंग बली मंदिर में संगठन मंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। मौके पर चतरा विधायक जनार्दन पासवान, जिला महामंत्री डॉ मृत्युंजय सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष देवकुमार सिंह, वरिष्ठ नेता रामकुमार सिंह शिवकुमार राणासीताराम दांगी समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता कार्यकर्ता शामिल थे।

इटखोरी प्रखण्ड के सभी पंचायतों में 4 लाख के ज्ञान केंद्र और 14वीं-15वीं वित्त योजना की जांच की उठी मांग

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में स्थापित किए जाने वाले ज्ञान केंद्र को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि प्रत्येक पंचायत को मिले लगभग 4 लाख रुपये की राशि का सही उपयोग नहीं हुआ। आरोप यह भी है कि कई पंचायतों में ज्ञान केंद्र का अपेक्षित संचालन के लिए सुविधाएं नजर नहीं आतीं। इसके साथ ही 14वीं एवं 15वीं वित्त आयोग की राशि से कराए गए विकास कार्यों को लेकर भी जांच की मांग तेज हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि इन योजनाओं की निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराई जाए तो कई अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। कुछ लोगों का आरोप है कि कई पंचायतों में मुखिया और पंचायत सचिव की कार्यशैली भी संदिग्ध है। यह भी कहा जा रहा है कि नए और अनुभवहीन पंचायत सचिवों का लाभ उठाकर योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी की गई। हालांकि, इन आरोपों की अभी तक किसी सक्षम जांच एजेंसी द्वारा पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ज्ञान केंद्र योजना, 14वीं एवं 15वीं वित्त आयोग की राशि से हुए सभी कार्यों की तकनीकी और वित्तीय जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि कहीं भी अनियमितता पाई जाती है तो दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अब बड़ा सवाल यह है कि यदि आरोप सही हैं, तो इतनी बड़ी कथित अनियमितताएं किसकी निगरानी में हुईं? इस पूरे मामले पर प्रशासन की कार्रवाई और संभावित जांच पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

इफको द्वारा किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

चतरा। इफको चतरा द्वारा सहकारिता सप्ताह के उपलक्ष्य पर प्रखण्ड - चतरा के ग्राम टीकर मे एक किसान सभा का आयोजन किया गया । इस किसान सभा में SFA संदीप कुमार ने किसानों को नैनो उर्वरक के उपयोग पर चर्चा की साथ ही खरीफ़ मे धान एवं मक्का लगाने से पहले नैनो DAP से बीज शोधन करने के बारे मे किसनो को बताया और रोपाई के 35 दिनों के बाद नैनो यूरिया, नैनो ज़िंक का छिड़काव करने का सलह दिए।साथ ही संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन पर चर्चा की गई एवं फसलों में कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर, बोरोन एवं सगरिका गोल्ड, सगरिका तरल का फसलों में महत्व समझाया। किसानो ने बताया कि फूल के झड़ने, फलों के मुड़ने एवं फटने जैसे शिकायत उनके खेतों में दिनों दिन बढ़ रहे हैं । नैनो उर्वरकों के बारे में विशेष चर्चा करते हुए किसानों को समझाया कि नैनो उर्वरकों के प्रयोग से फसलों को लंबे समय तक हरा रखा जा सकता है, किट ,पतंग से भी फसलों का बचाव करता है । किसानों को बताया कि नैनो उर्वरकों के प्रयोग से सब्जियों की तुड़ाई की संख्या स्वतः ही बढ़ जाती है ।किसानों से आग्रह किया कि अब सभी फसलों में नैनो उर्वरकों का अवश्य प्रयोग करें ।

सदर अस्पताल में 150 टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित

सीएमपीडीआईएल और आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर की संयुक्त पहल

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'टीबी मुक्त भारत' अभियान को गति देने के उद्देश्य से शनिवार को सदर अस्पताल, रांची में 'निक्षय पोषण योजना' के तहत 150 टीबी (क्षयरोग) मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम सीएमपीडीआईएल (CMPDIL) के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) और आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, जिला टीबी पदाधिकारी डॉ. बसकी, डीपीसी राकेश राय, सीएमपीडीआईएल के सीएसआर असिस्टेंट मैनेजर मनीष दोहरे, पीपीएम कोऑर्डिनेटर अमरेश कुमार चौधरी, डीपीएस अली, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक (एसटीएस) संतोष कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि झारखंड के राज्य टीबी पदाधिकारी कमलेश कुमार, आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के चेयरमैन डॉ. धर्मेंद्र कुमार तथा जिला टीबी पदाधिकारी डॉ. बसकी के मार्गदर्शन में यह अभियान पूरे रांची जिले में संचालित किया जा रहा है। पिछले पांच महीनों में जिले के 1,550 टीबी मरीजों को लगातार पोषण किट उपलब्ध कराई जा चुकी है। संस्थान के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराकर उनके उपचार को प्रभावी बनाना तथा उन्हें जल्द स्वस्थ होने में सहायता प्रदान करना है। साथ ही, टीबी मुक्त भारत के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में सहयोग देना भी इसका प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोजेक्ट हेड योगिता बोरकर, प्रोजेक्ट कंट्रोलर अनी भूषण राय, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार, गुड्डू ठाकुर, उत्सव राज सहित संस्थान के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं सदर अस्पताल के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक संतोष कुमार, टीबी फील्ड वर्कर कामेश्वर महतो, मोनी कुमारी, रीना शर्मा, गिरधारी ब्राइक तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने कार्यक्रम के संचालन और समन्वय में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिला टीबी पदाधिकारी डॉ. बसकी ने सीएमपीडीआईएल और आरके एचआईवी एड्स रिसर्च एंड केयर सेंटर के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने में पोषण सहायता और विभिन्न संस्थाओं का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उपचार के साथ संतुलित पोषण मिलने से मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की संभावना बढ़ जाती है।

टाटीझरिया के पीएम श्री स्कूल झरपो में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का हुआ वितरण

नई सोच एक्सप्रेस

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के पीएम श्री उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय, झरपो में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह वितरण झरपो के मुखिया सह कांग्रेस जिला सचिव शिबू प्रसाद सोनी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ, जहाँ स्कूल के विद्यार्थियों में आदित्य कुमार, स्वीटी कुमारी ,खुशी कुमारी,प्रियंका कुमारी ,बादल कुमार,सन्ना कुमारी को साइकिलें सौंपी गईं। साइकिल पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों ने कहा कि साइकिल मिलने से सुदूर क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों, खासकर छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में काफी सहूलियत होगी और इससे उनकी पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। इस वितरण समारोह के अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक महेंद्र इंदिवर, विजय प्रसाद और पंकज कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। शिक्षकों ने भी बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

पांच माह से भुगतान नहीं मिलने पर सफाई कर्मियों का हंगामा, कोल हाईवा रोककर किया चक्का जाम

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। टंडवा प्रखंड के पांडे मोड़ चौक पर शनिवार को सड़क पर गिरे कोल डस्ट की सफाई करने वाले कर्मियों ने पांच माह से मानदेय नहीं मिलने के विरोध में कोल हाईवा वाहनों को रोककर चक्का जाम कर दिया। सफाई कर्मियों ने बकाया भुगतान की मांग करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मियों का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधि ट्रांसपोर्टरों से सड़क की सफाई और झाड़ू लगाने के नाम पर मोटी राशि वसूलते हैं, लेकिन सफाई का कार्य करने वाले कर्मियों को कई महीनों से भुगतान नहीं किया जा रहा है। इससे नाराज कर्मियों ने ट्रांसपोर्ट कंपनियों से सीधे सफाई कर्मियों की नियुक्ति करने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। वहीं हाईवा मालिकों का कहना है कि सड़क की साफ-सफाई और झाड़ू लगाने के नाम पर उनसे नियमित रूप से मैनेजमेंट शुल्क की कटौती की जाती है। इसके बावजूद यदि सफाई कर्मियों को भुगतान नहीं मिल रहा है, तो यह गंभीर मामला है और इसकी जांच होनी चाहिए। स्थानीय ग्रामीणों और हाईवा मालिकों ने मांग की है कि सड़क सफाई व्यवस्था को प्रखंड प्रशासन की निगरानी में संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों की नियुक्ति प्रशासन की देखरेख में हो तथा पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्येक माह निर्धारित मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति उत्पन्न न हो।

राम मंदिर चंदे और धार्मिक परियोजनाओं पर कांग्रेस ने भाजपा से मांगा जवाब

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने भाजपा पर आस्था के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए राम मंदिर निर्माण से जुड़े चंदे और विभिन्न धार्मिक परियोजनाओं में पारदर्शिता की मांग की है। शनिवार को जारी प्रेस बयान में नायक ने कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर जुटाए गए चंदे का स्वतंत्र एवं सार्वजनिक ऑडिट कराया जाना चाहिए, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं के मन में उठ रहे सवालों का समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार आम नागरिकों से हर आर्थिक लेन-देन का हिसाब मांगती है, लेकिन राम मंदिर निर्माण से जुड़े चंदे के संबंध में पारदर्शिता को लेकर उठ रहे सवालों पर मौन है। उन्होंने अयोध्या भूमि खरीद, उज्जैन महाकाल लोक, केदारनाथ, तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ, पुरी जगन्नाथ मंदिर और चारधाम परियोजना से जुड़े विवादों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मामलों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने भाजपा से तीन सवाल पूछे—राम मंदिर चंदे का सार्वजनिक ऑडिट अब तक क्यों नहीं हुआ, धार्मिक परियोजनाओं से जुड़े विवादों की निष्पक्ष जांच से परहेज क्यों किया जा रहा है और सवाल उठाने वाले श्रद्धालुओं को कटघरे में क्यों खड़ा किया जाता है। नायक ने कहा कि भगवान श्रीराम सत्य, मर्यादा, न्याय और पारदर्शिता के प्रतीक हैं, इसलिए उनके नाम पर राजनीति करने वालों को भी इन्हीं मूल्यों का पालन करना चाहिए। उन्होंने भाजपा, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से राम मंदिर चंदे तथा प्रमुख धार्मिक परियोजनाओं का स्वतंत्र ऑडिट कराकर उसका पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की।

राष्ट्रीय मंच पर झारखंड का डिजिटल रोडमैप पेश करेंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन में एआई मिशन, आईटी पार्क और डिजिटल गवर्नेंस की रणनीति होगी प्रस्तुत

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल गवर्नेंस और आईटी निवेश के क्षेत्र में राज्य की नई पहचान स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। 8 और 9 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन-2026 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य का डिजिटल रोडमैप प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान झारखंड की आईटी, आईटीईएस, एआई और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़ी विकास रणनीति उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं के समक्ष रखी जाएगी। कार्यक्रम में देश-विदेश की करीब 100 अग्रणी टेक और आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। सरकार का उद्देश्य झारखंड को डिजिटल नवाचार, आईटी निवेश और एआई आधारित सुशासन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करना है। कंसल्टेशन के दौरान पहली बार रांची आईटी पार्क को राष्ट्रीय स्तर पर निवेश परियोजना के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। करीब 100.97 एकड़ में प्रस्तावित यह आईटी पार्क राजधानी रांची के कोर कैपिटल एरिया में आईआईएम रांची और बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निकट विकसित किया जाएगा। सरकार निवेशकों के समक्ष झारखंड आईटी नीति-2023 के तहत पूंजीगत निवेश पर 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति, 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क छूट और 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट जैसी प्रोत्साहन योजनाओं की भी जानकारी देगी। सम्मेलन में ड्राफ्ट एआई पॉलिसी-2026 पर भी प्रमुख हितधारकों के साथ विचार-विमर्श होगा। प्रस्तावित नीति में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्टेट एआई मिशन के गठन, JAP-IT को नोडल एजेंसी बनाने तथा IndiaAI के साथ इंटरऑपरेबल झारखंड एआई क्लाउड विकसित करने का प्रस्ताव शामिल है। सरकार ने एआई आधारित सुशासन के लिए मुख्यमंत्री डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (CM-DIP) की अवधारणा भी तैयार की है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभिन्न विभागों के आंकड़ों का एकीकरण कर योजनाओं की निगरानी, निर्णय प्रक्रिया को सशक्त बनाने तथा व्हाट्सएप और पंचायत स्तर के डिजिटल कियोस्क के जरिए स्थानीय भाषाओं में नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराने की योजना है। साथ ही, एकीकृत कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की अवधारणा भी प्रस्तुत की जाएगी। राज्य सरकार का कहना है कि एआई आधारित यह पहल सुशासन, कृषि एवं ग्रामीण आजीविका, स्वास्थ्य और खनिज संसाधन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने घर पर भरकर बीएलओ को सौंपा इन्यूमरेशन फॉर्म

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत अपने आवास पर इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर हस्ताक्षर किए और 64 हटिया विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 374 की बीएलओ अन्नु कच्छप को सौंप दिया। उन्होंने राज्य के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि बीएलओ जब घर आएं, तो यथासंभव उसी समय अपना एवं परिवार के सदस्यों का इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर हस्ताक्षर सहित जमा करें। उन्होंने कहा कि बीएलओ को सीमित समय में अपने पूरे मतदान केंद्र क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पहुंचकर सेवा देनी है, इसलिए मतदाता सहयोग करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी सरकारी कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों से भी जल्द अपने-अपने बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म भरवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के लक्ष्य—"एक भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से न छूटे और एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो"—को सफल बनाने में सभी की भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर 64 हटिया विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ सुदीप्त राज, बीएलओ सुपरवाइजर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर भी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक हरिराम बाबू को कांग्रेसजनों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक हरिराम बाबू को शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने उनके पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का ध्वज अर्पित कर अंतिम सम्मान दिया। श्रद्धांजलि सभा में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हरिराम बाबू ने अपना पूरा जीवन कांग्रेस की विचारधारा, संगठन और जनसेवा के लिए समर्पित किया। वहीं वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन संघर्ष, सेवा और जनहित के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा।श्रद्धांजलि सभा के बाद हरिराम बाबू के पार्थिव शरीर को हरमू मुक्ति धाम ले जाया गया, जहां पूरे सामाजिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें अंतिम विदाई दी।

आजसू के राज्यस्तरीय महिला अधिवेशन में कई प्रस्ताव पारित सशक्त, समृद्ध और स्वावलंबी महिला बनाने का लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में शनिवार को आजसू पार्टी के सहयोगी संगठन अखिल झारखंड महिला संघ का राज्यस्तरीय महिला अधिवेशन आयोजित हुआ। अधिवेशन में राज्यभर की पंचायतों से हजारों महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, आर्थिक आत्मनिर्भरता, राजनीतिक भागीदारी, महिला सुरक्षा, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण तथा संगठन के भावी कार्यक्रमों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए आजसू प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करना पार्टी का लक्ष्य है। इसके लिए प्रदेश से बूथ स्तर तक महिला नेतृत्व तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल आजसू सरकार ने की थी। उन्होंने राज्य सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा की उपेक्षा करने और 'मईया सम्मान योजना' को लेकर चुनावी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि पिछले दो वर्षों में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी सभी महिलाओं को योजना का लाभ दिया जाए। गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया गया और पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण देकर नेतृत्व के अवसर उपलब्ध कराए गए। मांडू विधायक निर्मल महतो ने कहा कि आज महिलाएं घर की चौखट से निकलकर नेतृत्व की नई पहचान बना रही हैं। उन्होंने संगठन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को सकारात्मक बदलाव बताया। अधिवेशन को पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, पूर्व विधायक सुनीता चौधरी, केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, नेहा महतो, वायलेट कच्छप, पार्वती देवी, संजय मेहता, शोभा पॉल, परमेश्वरी शांडिल्य, प्रीति दीवान और सुहानी एक्का सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रांची जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत ने की।

संक्षिप्त समाचार

जिंदा सांप निगलने के बाद हाथ में तीसरा सांप लेकर अस्पताल पहुंचा शख्स, डॉक्टरों के उड़े होश

चतरा।जिले से एक बेहद अजीब और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां कुन्दा प्रखंड के बरवाडीह गांव में रहने वाले 45 वर्षीय बुधन भारती ने कथित रूप से दो जिंदा सांपों को कच्चा चबाकर खा लिया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना की शुरुआत तब हुई जब बुधन अपने घर के पास मौजूद था। दो सांपों को निगलने के बाद भी उसका मन नहीं भरा और वह तीसरे सांप को भी खाने की तैयारी करने लगा। इसी बीच उसके परिजनों की नजर उस पर पड़ गई और उन्होंने आनन-फानन में बुधन को आगे ऐसा करने से रोका। परिजनों के भारी विरोध और शोर-शराबा करने के बाद बुधन भारती ने तीसरे सांप को नहीं खाया, बल्कि उसे पीट-पीटकर मौके पर ही मार डाला। इसके बाद जो हुआ उसने पूरे इलाके के लोगों को हैरत में डाल दिया। बुधन उस मरे हुए सांप को अपने हाथ में उठाकर सीधे प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गया। जब वह हाथ में सांप लटकाए अस्पताल परिसर के भीतर दाखिल हुआ, तो वहां मौजूद मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों में हड़कंप मच गया। अस्पताल के डॉक्टर भी कुछ देर के लिए पूरी तरह दंग रह गए और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सतर्क हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुमार संजीव ने तुरंत मेडिकल टीम को सक्रिय किया। डॉक्टरों ने बिना वक्त गंवाए बुधन भारती को इमरजेंसी वार्ड में ले जाकर उसकी गहन जांच शुरू कर दी। इसी दौरान बुधन की पत्नी ने डॉक्टरों को एक और चौंकाने वाली बात बताई। उसने बताया कि उसके पति ने न सिर्फ दो जिंदा सांप खाए थे, बल्कि इस जानलेवा हरकत को अंजाम देने के बाद उसने अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन भी किया था। चिकित्सकों के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि शुरुआती जांच और प्राथमिक उपचार के दौरान बुधन के शरीर में सांप के जहर का कोई भी लक्षण या विपरीत प्रभाव नहीं पाया गया। डॉ. कुमार संजीव ने मीडिया को बताया कि सामान्यतः इस क्षेत्र में पाए जाने वाले सांप विषैले होते हैं, इसलिए ऐसे मामलों में तत्काल जांच बेहद जरूरी होती है। उन्होंने कहा कि उनके पूरे सेवाकाल में इस तरह का अनोखा और डरावना मामला पहली बार सामने आया है। फिलहाल बुधन की हालत पूरी तरह सामान्य है और वह डॉक्टरों की निगरानी में है। इस घटना के बाद डॉक्टर संजीव ने आम जनता से विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि लोगों को अंधविश्वास, नशे की हालत या किसी भी तरह के दावों में आकर ऐसे जोखिम भरे और आत्मघाती स्टंट से बिल्कुल दूर रहना चाहिए। सांप या किसी भी अन्य विषैले जीव के काटने अथवा उनके संपर्क में आने की स्थिति में घरेलू नुस्खे अपनाने के बजाय सीधे नजदीकी अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों से उचित सलाह और इलाज लेना ही एकमात्र सुरक्षित उपाय है।

भावी जिला परिषद उम्मीदवार कान्हाचट्टी प्रखंड का किया दौरा

चतरा कान्हाचट्टी।कान्हाचट्टी प्रखण्ड के भावी जिला परिषद उम्मीदवार सिकेंद्र सिंह खरवार ने शनिवार को प्रखंड के कई पंचायतों में भ्रमण के दौरान चीरिदीरी , तुलबुल, बेंगोकला, कोलैहियाँ, यादि पंचायतों में भ्रमण किए। चिरिदिरी पंचायत के -ग्राम अमतिया में पहुंचे, और ग्रामीणों से मुलाक़ात किया,जहाँ ग्राम अमतिया बूथ संख्या 401 के बी एल ओ , पूनम देवी द्वारा मतदाता सूची में SIR काम का जयाजा लिया,और BLO से अपील करते हुए कहा की बूथ में एक भी मतदाता का नाम नहीं छूटे, इसकी ख्याल रखे,वही सिकेंद्र खरवार ने ग्रामीणों से कहा है की सरकार द्वारा कराये जा रहे SIR वोटर लिस्ट का काम कराना हर हाल में मतदाता इसे जरुरी समझे नहीं, तो आपका नाम मतदाता सूचि से हट सकता है और वोट देने से वंचित रह जायेंगे, इसी लिए मतदाता सूची में SIR जरूर करा लें।अंत में ग्रामीणों से कहा की किसी भी प्रकार की जनसमस्या के लिए हमारे संपर्क नम्बर 8789167446 पर कर सकते है आपके हक़ हकूक और अधिकार के लिए हमेशा प्रशासन और जनप्रतिनिधि से लड़कर आपके अधिकार दिलाने का काम करूँगा।

सिमरिया में संयुक्त वाहन जांच अभियान, 1.88 लाख का वसूला गया जुर्माना

सिमरिया। सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी प्रदीप कुमार महतो एवं जिला परिवहन पदाधिकारी महेश्वरी यादव ने संयुक्त रूप से सिमरिया के विभिन्न स्थानों पर वाहन जांच अभियान चलाया । अभियान के दौरान ओवर स्पीड, ओवरलोडिंग, ड्राइविंग लाइसेंस, परमिट, टैक्स, रॉन्ग पार्किंग सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कुल 1,88,600 का जुर्माना लगाया गया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर यह अभियान लगातार जारी रहेगा । यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले सतर्क हो जाएं नियमों को नजरअंदाज करने वालों को बखसा नहीं जाएगा।

पैक्स गोदाम निर्माण में बरती जा रही भारी अनियमितता

इटखोरी।इटखोरी प्रखंड अंतर्गत मलकपुर पंचायत के पकरिया गांव में निर्माणाधीन पैक्स गोदाम में भारी अनियमितता बरती जा रही है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों की शिकायत के बाद जिला परिषद प्रतिनिधि भरत साव ने कई बार इस मुद्दे को उठाया, लेकिन कार्य में सुधार नहीं होने पर वे आज स्वयं गोदाम स्थल पर पहुंचे और निर्माण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता और मापदंडों पर गंभीर सवाल उठाते हुए ठेकेदार की मनमानी पर कड़ी नाराजगी जताई। भरत साव ने साफ कहा कि एस्टीमेट के आधार पर काम नहीं हुआ तो निर्माण कार्य को तत्काल बंद कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें इसी तरह के जनहित के कामों की निगरानी के लिए चुना है, इसलिए किसी भी तरह की लापरवाही और अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर मौजूद लोगों ने भी निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही पर नाराजगी जताई और उच्चाधिकारियों से जांच की मांग की।

टंडवा के चूंदरू मोड़ उड़सू से डामहाबगी तक सड़क हुई जर्जर

नई सोच एक्सप्रेस

» कोयला और फ्लाई ऐश के परिवहन ने बिगड़े पब्लिक संडको की हालत

टंडवाःचतरा।चूंदरू मोड़ उड़सू से लेकर डामहाबगी तक की सड़क इन दिनों पूरी तरह बदहाली की कहानी बयां कर रही है। यह सड़क अब सड़क कम, गड्ढों और धूल का खतरनाक जाल ज्यादा बन चुकी है। हालात इतने खराब हैं कि किसी भी वक्त बड़ी दुर्घटना होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। समाजसेवी सुभाष दास का कहना है कि इस मार्ग पर लगातार आम्रपाली से एनटीपीसी,सीएचपी-राजधर साइडिंग कोयला ढुलाई और चट्टी बरियातू माइंस तथा पांडु माइंस से सिमरिया होते हुए टोरी साइडिंग और सिमरिया-चतरा जिला मुख्यालय होते हुए कटकमसाड़ी साइडिंग और एनटीपीसी प्लांट से फ्लाई ऐश का भारी परिवहन हो रहा है, जिससे सड़क पूरी तरह टूटकर जर्जर हो चुकी है। धूल,गड्ढे और उखड़े हुए हिस्सों के बीच सफर करना आम राहगीरों के लिए जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। समाजसेवी सुभाष दास ने प्रशासन की कार्यशैली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि टंडवा की जनता सड़क, शिक्षा, अस्पताल, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है, लेकिन जिला प्रशासन की संवेदनहीनता चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के उपक्रम एनटीपीसी और सीसीएल-सीएसआर योजनाओं के नाम पर सिर्फ कागजी दावे करते हैं, जबकि जमीनी हकीकत पूरी तरह शून्य है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह सड़क अब दुर्घटना को न्योता देने वाला रास्ता बन चुकी है और अगर जल्द मरम्मत नहीं हुई तो इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित कंपनियों की होगी। जिला प्रशासन बने मोन्- कंपनियों की मनमानी से ग्रामीण परेशान है श्री दास ने संबंधित विभाग से तत्काल सड़क मरम्मत की मांग करते हुए अल्टीमेटम दिया है कि यदि दो दिनों के भीतर सड़क दुरुस्त नहीं की गई, तो आम जनता के साथ सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। स्थानीय लोगों में इस मुद्दे को लेकर भारी आक्रोश है। सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक कागजों पर विकास होता रहेगा और जमीनी हकीकत यूं ही दम तोड़ती रहेगी? अब देखने वाली बात यह है कि प्रशासन चेतता है या किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार पुनः करता है।

हेडुम पंचायत के कोच्ची में आम उत्सव-सह-बागवानी मेला आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

लावालौंग।प्रखंड अंतर्गत हेडुम पंचायत के कोच्ची गांव में शनिवार को विरसा हरित ग्राम योजना के तहत एक दिवसीय आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष छठू सिंह भोक्ता एवं हेडुम पंचायत के मुखिया संतोष राम ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस अवसर पर वक्ताओं ने किसानों से बागवानी को अपनाने, फलदार पौधों के संरक्षण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग कर अपनी आय बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विरसा हरित ग्राम योजना ग्रामीण क्षेत्रों में हरित विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।कार्यक्रम में किसानों एवं ग्रामीणों को आम की बागवानी, पौधों के रखरखाव, उत्पादन बढ़ाने के उपाय तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मेले में बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे और कार्यक्रम के प्रति उत्साह दिखाई दिया।इस आयोजन को सफल बनाने में ग्राम रोजगार सेवक मनोरंजन कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। उनके साथ पंचायत के जनप्रतिनिधियों, कर्मियों एवं स्थानीय ग्रामीणों का भी सराहनीय सहयोग रहा।

हिमांशु सिंह हत्याकांड की सीबीआई जांच हो, दोषी पुलिसकर्मियों पर भी 302 का केस दर्ज हो : आदित्य साहू

नई सोच एक्सप्रेस

जमशेदपुर।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने शनिवार को आदित्यपुर के हरिओम नगर स्थित दिवंगत हिमांशु सिंह के आवास पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने हिमांशु सिंह की हत्या को राज्य की ध्वस्त कानून-व्यवस्था का भयावह उदाहरण बताते हुए मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग दोहराई। आदित्य साहू ने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में दिनदहाड़े हुई इस हत्या ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में अपराधियों के मन से कानून का भय समाप्त हो चुका है और सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय नागरिकों और क्षेत्रवासियों ने भी वर्तमान जांच प्रक्रिया पर अविश्वास जताते हुए झारखंड हाईकोर्ट के माध्यम से जनहित याचिका दायर कर सीबीआई जांच कराने की मांग की है। भाजपा इस मांग का समर्थन करती है, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के साथ किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने वालों पर भी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने घटना के समय मौजूद पुलिसकर्मियों की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उन पर हत्या की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस मूकदर्शक बनी रही, जिससे अपराधियों का मनोबल बढ़ा। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, प्रदेश मंत्री शैलेंद्र सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अभय सिंह व प्रकाश सिंह, जिला अध्यक्ष हरेकृष्ण प्रधान एवं संजीव सिन्हा, आदित्यपुर के महापौर संजय सरदार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

वोटर लिस्ट से कोई योग्य मतदाता न छूटे, योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचे : के. राजू

नई सोच एक्सप्रेस

पलामू।झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने शनिवार को पलामू जिले के संगठनात्मक दौरे के दौरान पांकी प्रखंड की पकड़िया पंचायत और तरहसी प्रखंड के तरिया गांव का दौरा कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर मतदाता सूची में सभी पात्र लोगों का नाम सुनिश्चित करने पर जोर दिया। के. राजू ने कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को निर्देश दिया कि क्षेत्र का कोई भी योग्य मतदाता वोटर लिस्ट से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीएलए घर-घर जाकर लोगों को फॉर्म भरने में सहयोग करें, ताकि सभी नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर सकें। बैठक के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रखंड एवं पंचायत अध्यक्षों से कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें और किसी भी जरूरतमंद को वंचित न रहने दें। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, कांके विधायक सुरेश बैठा, पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी, पलामू जिला प्रभारी विनय सिन्हा दीपू, जिला अध्यक्ष बिमला कुमारी सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

ऑपरेशन प्रहारः पलामू में 21 किलो गांजा के साथ दुकानदार सहित दो गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

पलामू। नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री रोकने को लेकर पलामू पुलिस की ओर से ऑपरेशन 'प्रहार' की शुरूआत की गयी है। इस महीने जुलाई में 100 नशीले कारोबारियों को पकड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत छोटे से लेकर बड़े स्तर के नशा सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई तेज की गयी है। इसी क्रम में पाटन व मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र में की गयी कार्रवाई के क्रम में 21 किलो 91 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इस काले कारोबार में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 10 हजार 500 रूपए नगद भी बरामद किए गए हैं। पाटन थाना क्षेत्र के आरेदाना के बरवाडीह में अशोक राम के घर में छापामारी कर सुखाकर तैयार किया गया 21 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसका बाजार मूल्य करीब डेढ लाख रूपए है। इस सिलसिले में अशोक राम को गिरफ्तार किया गया। गांजा प्लास्टिक के पांच बोरों में भरकर रखा हुआ था। अशोक ने गांजा की खेती की थी व तैयार हो जाने पर उसे सुखाकर बेचने के लिए रखा हुआ था। मौके से 10 हजार 560 रूपए भी बरामद किए गए। इधर, शहर थाना क्षेत्र के कुंड मुहल्ला में महाकालेश्वर मंदिर के पास किराना दुकान में छापेमारी कर 91 ग्राम गांजा बरामद किया गया। गांजा को चार बंडल में भरकर बेचने के लिए रखा गया था। किराना दुकान की आड़ में गांजा की बिक्री की जाती थी। मौके से किरान दुकानदार नेसार अंसारी को गिरफ्तार किया गया। एसपी कपिल चौधरी ने प्रेस ब्रीफिंग में शनिवार को इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। पाटन थाना क्षेत्र में हुई कार्रवाई की टीम में सदर एसडीपीओ राजेश यादव, थाना प्रभारी अनिल विद्यार्थी, पुअनि अनिल सिंह, जितेन्द्र कुमार यादव, सअनि प्रभात किरण, जवान अनिल कुमार सिंह, संतोष कुमार गुप्ता, फुलजेन्स खलखो शामिल थे। टाउन थाना क्षेत्र में की गयी कार्रवाई में शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ज्योति लाल रजवार, पुअनि अनिल कुमार यादव, सअनि संदीप राम व जोहन तिर्की शामिल थे।

ड्राइविंग लाइसेंस कैंप में अव्यवस्था, घंटों लाइन में खड़े रहे लोग, गुस्साई भीड़ ने किया हंगामा

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। झारखंड सरकार के निर्देश पर प्रखंड स्तर पर आयोजित किए जा रहे ड्राइविंग लाइसेंस कैंप की शुरूआत शुक्रवार को गोविंदपुर अंचल कार्यालय से हुई। लेकिन पहले ही दिन अव्यवस्था के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह से ही ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए हजारों की संख्या में आवेदक गोविंदपुर अंचल कार्यालय पहुंच गए। भीड़ के मुकाबले प्रशासनिक व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण लंबी कतारें लग गईं व लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा।हालांकि, प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। लोगों का कहना है कि यदि कैंप में भीड़ के अनुरूप पर्याप्त व्यवस्था व अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की जाती, तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

आर्जीमोन मिला सरसो का तेल इस्तेमाल करने के कारण एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई मौतः सिविल सर्जन

नई सोच एक्सप्रेस

पलामू। पलामू जिले के पड़वा प्रखंड के सिक्का गांव में रहस्यमयी बीमारी से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत मामले में जिला स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। जिले के सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव ने शनिवार को सिविल सर्जन कार्यालय में मीडियाकर्मियों से इसका खुलासा किया। सिविल सर्जन ने बताया कि आर्जीमोन मिला सरसो का तेल इस्तेमाल करने के कारण सिक्का गांव के कुलदीप मेहता के परिवार के लिए जानलेवा साबित हुआ। सभी को ड्राप्सी रोग हुआ। यही कारण है कि उनके पैर से सूजन पूरे शरीर में फैला व धीरे-धीरे पांच सदस्यों की मौत हुई। जांच के लिए 195 घरों का सर्वे किया गया व 1378 लोगों की जांच की गई जिसमें से 56 लोगों के पैर हाथ में सूजन होने पर उनके ब्लड सैंपल लिए गए। हालांकि इनमें ड्राप्सी बीमारी की पुष्टि नहीं हुई। आर्जीमोन एक कांटेदार खर-पतवार है जो पलामू के इलाके में बड़े पैमाने पर पाया जाता है। इसे स्थानीय भाषा में कटैला व पीला धतूरा भी कहा जाता है। सरसों तेल की खेती के दौरान फसल काटकर खेत में रखने पर आर्जीमोन के दाने मिक्स हो गए व तेल बनाकर इस्तेमाल किया गया। सैंपल जांच के लिए कई तरह की खाद्य सामग्री भी भेजी गई थी लेकिन उसमें कुछ नहीं मिला। उल्लेखनीय है कि सिक्का गांव में इस रहस्यमय बीमारी से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है। परिवार के मुखिया कुलदीप महतो की सबसे पहले 19 जून को मौत हुई थी। 20 जून को उनकी बेटी बबिता कुमारी की मौत हुई थी। 26 जून को बेटी इंदु कुमारी की मौत हुई थी। तीनों शव का पोस्टमार्टम मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में हुआ था, जबकि कुलदीप मेहता की बहु स्वेता का 28 जून व बेटा नकुल मेहता की रांची रिम्स में मौत हुई थी। दो का इलाज चल रहा है। सभी के शरीर में सूजन था व बाद में उनकी मौत हो गई थी।

फायरिंग मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

जमशेदपुर। जुगसलाई थाना क्षेत्र में कपड़ा व्यवसायी से रंगदारी वसूलने के उद्देश्य से की गई फायरिंग की घटना में फरार चल रहे आरोपी मोहित बाग उर्फ थाटो को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के छायानगर निवासी मोहित लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही इस चर्चित मामले में नामजद सभी मुख्य आरोपियों को पुलिस पकड़ चुकी है। सिटी एसपी ललित मीणा ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि 15 मई को जुगसलाई नगर परिषद कार्यालय के बाजार स्थित यूनिक कलेक्शन कपड़ा दुकान पर अपराधी मैरून रंग की वैगन आर कार से पहुंचे थे। अपराधियों ने रंगदारी की नीयत से दुकान पर फायरिंग की व मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने विशेष जांच दल का गठन कर तकनीकी साक्ष्यों व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच में इस वारदात के पीछे मनीष सिंह गिरोह के अपराधियों की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने सन्नी सिंह सरदार, सागर उपाध्याय उर्फ बिक्कू मात्रे, बानेश्वर नामता उर्फ मानस, अभिषेक श्रीवास्तव उर्फ आर्यन व मोहित बाग उर्फ थाटो को इस घटना में आरोपी बनाया था। इनमें से सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी थी, लेकिन मोहित फरार था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छायानगर स्थित उसके घर के समीप छापेमारी कर मोहित बाग को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है व पुलिस उसके नेटवर्क तथा वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। सिटी एसपी ने बताया कि इस मामले में इससे पहले राहुल सिंह उर्फ बड़कू, हरप्रीत सिंह भामराह उर्फ हैप्पी, राहुल सिंह उर्फ गेटलु, अंकित सोनकर व शिवम रामटेके को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस कार्रवाई के दौरान पांच देसी पिस्तौल, घटना में इस्तेमाल की गई वैगन आर कार तथा कई गोलियां भी बरामद की गई थीं।

संक्षिप्त समाचार

लैंडमार्क टावर फेस-1आरडब्ल्यूए में अब होगा चुनाव,सहायक निबंधक ने नियुक्त किया चुनाव अधिकारी

» पांच वर्षों से बिना चुनाव चल रही आरडब्ल्यूए पर कार्यवाही

वाराणसी।वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित अपार्टमेन्ट लैण्डमार्क टावर फेस-1,वीडीए कालोनी लालपुर प्रथम चरण वाराणसी की रजिस्टर्ड सोसायटी (RWA) जो कि पिछले पांच वर्षो से बिना चुनाव के कुछ आवंटियो द्वारा अवैध तरीके से संचालित हो रही थी जिसकी शिकायत अपार्टमेन्ट के अन्य आवंटियो द्वारा "उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण" और "रजिस्ट्रार सहायक निबन्धक,फर्म,सोसाइटीज एवं चिट्स वाराणसी" को लिखित की गयी | शिकायती पत्र की जांच करते हुए "रजिस्ट्रार सहायक निबन्धक,फर्म, सोसाइटीज एवं चिट्स वाराणसी" द्वारा उक्त सोसायटी के प्रबन्धन बोर्ड को कालातीत घोषित करते हुए राम सिंह सहायक लेखाधिकारी कोषागार एवं पेन्शन वाराणसी मण्डल को चुनाव अधिकारी नामित किया है | चुनाव अधिकारी ने बताया कि चुनाव की घोषणा अतिशीघ्र की जायेगी ||

काशी में बनेगा 'आनंद कानन कला गुरुकुल', भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को मिलेगा नया मंच

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) काशी की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देने के लिए रविदास पार्क स्थित आनंद कानन में 'आनंद कानन कला गुरुकुल' विकसित करेगा। यह केंद्र भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित आधुनिक सांस्कृतिक संस्थान होगा, जहां संगीत, नृत्य, वादन, नाट्य और चित्रकला सहित विभिन्न भारतीय कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। परियोजना को साकार करने में वीडीए के उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसकी सांस्कृतिक एवं स्थापत्य परिकल्पना प्रख्यात कलाकार मनीष खत्री ने तैयार की है, जबकि 'सुबह-ए-बनारस आनंद कानन' के रत्नेश वर्मा सहित कई कला गुरुओं का सहयोग भी मिल रहा है। गंगा तट के निकट विकसित होने वाला यह गुरुकुल वैदिक गुरुकुल ग्राम की अवधारणा पर आधारित होगा, जहां प्राकृतिक वातावरण, भारतीय स्थापत्य और आध्यात्मिक परिवेश का समन्वय रहेगा। यहां शास्त्रीय एवं लोक संगीत, कथक, लोक एवं शास्त्रीय नृत्य, वाद्य संगीत, नाट्यकला, चित्रकला तथा कला कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनियों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया जाएगा। वाराणसी विकास प्राधिकरण का मानना है कि यह गुरुकुल भविष्य में काशी ही नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा और भारतीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण तथा संवर्धन में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रदेश के वरिष्ठ महामंत्री रमेश अग्रहरि का आगमन सैयदराजा में पांच जुलाई को - लक्ष्मीकान्त अग्रहरी

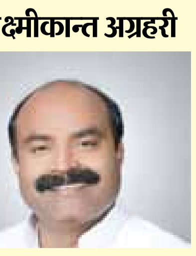

चन्दौली।सैयदराजा व्यापार मण्डल के शपथ ग्रहण समारोह में पांच जुलाई रविवार को शाम सात बजे से स्थान दुल्हन पैलेस (थाना के पास) सैयदराजा में होना निश्चित हुआ है | उक्त कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश के तेजतर्रार वरिष्ठ महामन्त्री रमेश अग्रहरि है उनका आगमन रविवार को सैयदराजा में होने जा रहा है जिसमे आप सभी जिले एवं नगर के पदाधिकारीयो एवं व्यापारियों से आग्रह है कि प्रदेश के वरिष्ठ महामन्त्री के विचारों को सुनने के लिये अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने का कार्य करे | इस आशय की सूचना व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि ने दिया है ||

ई-जागृति से उपभोक्ता न्याय होगा तेज और पारदर्शीः प्रल्हाद जोशी

वाराणसी। केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि 'ई-जागृति' प्लेटफॉर्म उपभोक्ता न्याय व्यवस्था में डिजिटल क्रांति का महत्वपूर्ण कदम है। इससे उपभोक्ता शिकायतों का निस्तारण पहले की तुलना में अधिक तेज, पारदर्शी और सरल होगा। उन्होंने कहा कि ई-जागृति के माध्यम से शिकायत दर्ज करने, दस्तावेज अपलोड करने, ऑनलाइन भुगतान, वर्चुअल सुनवाई, बहुभाषी आदेश और मामले की रियल-टाइम निगरानी जैसी सुविधाएं एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध होंगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और प्रवासी भारतीयों को भी आसानी से न्याय मिल सकेगा। जोशी ने बताया कि प्लेटफॉर्म में एआई आधारित केस विश्लेषण, वॉइस-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-स्पीच और बहुभाषी इंटरफेस जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। राष्ट्रीय एवं राज्य उपभोक्ता आयोगों में हाइब्रिड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा से वर्चुअल सुनवाई को भी बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि ई-जागृति के जरिए दो लाख से अधिक मामलों का पंजीकरण हो चुका है और 60 से अधिक देशों के उपभोक्ता भी भारतीय उपभोक्ता विवाद निवारण प्रणाली का लाभ उठा रहे हैं। इस नवाचार के लिए प्लेटफॉर्म को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में रजत पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के तहत ई-जागृति उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा को अधिक प्रभावी बनाते हुए 'ग्राहक देवो भव' की भावना को नई मजबूती प्रदान करेगा।

फिल्म "Hamani Baani Om Jay Jagdish" भोजपुरी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली भाषा में होगी रिलीज

आर्या डिजिटल ओटीटी पर फिल्म "हमनी बानी ओम जय जगदीश" बहुत जल्द भोजपुरी, हिंदी, तमिल, तेलुगू और बंगाली भाषा में रिलीज होगी। आर्या ग्रुप ऑफ कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर दुर्गेश आर सिंह राजपूत बताया कि अभिनेता रवि किशन (Ravi Kishan) अभिनीत यह फिल्म बहुत जल्द दर्शक विभिन्न भाषाओं में देख सकेंगे। इसमें एक्शन, कॉमेडी, रोमांस और फैमिली ड्रामा हैं, जो मनोरंजन से भरपूर हैं। फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज किया जा चुका हैं। जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया हैं। अब फिल्म दर्शक कई भाषाओं में देख सकेंगे। विभिन्न भाषाओं के दर्शकों को ध्यान में रख कर आर्या डिजिटल ओटीटी की ओर से यह तैयारी की गई हैं। जिससे हर भाषा के लोग जुड़ेंगे और अपना मनोरंजन करेंगे। घर बैठे सपरिवार इस फिल्म का आनंद ले सकेंगे। फिल्म में रवि किशन, सोनालिका प्रसाद, राजू सिंह माही, प्रीति ध्यानी, संगीता तिवारी, सुनील जागेटिया, सूर्या दुबे, अजय सूर्यवंशी, बबलू खान, चंदन सिंह, प्रेम दुबे एवं अन्य ने अभिनय किया है। निर्मात्री अनुकृति जागेटिया एवं निर्देशक प्रवीण कुमार गुड़ूरी, सह निर्माता पुलकित देव पूरा हैं।

पश्चिम बंगाल के उत्तर दीनाजपुर में देह व्यापार के अड्डे पर छापे में बिहार की 13 नाबालिग बच्चियों को कराया मुक्त

नई सोच एक्सप्रेस

» जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठनों एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन और कोसी लोक मंच की सूचना व निशानदेही पर हुई कार्रवाई
» मुक्त कराई गई 11 साल की सबसे छोटी बच्ची किशनगंज जिले की
» छापे के दौरान ड्रोन से की गई निगरानी, चार आरोपी गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल के उत्तर दीनाजपुर के इस्लामपुर थाना क्षेत्र में देह व्यापार के एक अड्डे पर मारे गए छापे में पुलिस ने बिहार की 13 नाबालिग बच्चियों सहित कुल 17 बच्चियों को मुक्त कराया। मुक्त कराई गई अन्य लड़कियों में तीन पश्चिम बंगाल की जबकि एक असम की है। इनमें से सबसे छोटी बच्ची 11 साल की है जो कि किशनगंज जिले की रहने वाली है जबकि अन्य बच्चियां बिहार के अलग-अलग जिलों की हैं। इन सभी की उम्र 13 से 17 के बीच है। सभी बच्चियों को बाल कल्याण समिति के संरक्षण में भेज दिया गया जहां काउंसलिंग के बाद उन्हें सुरक्षित आश्रय गृह भेज दिया गया। पुलिस ने ट्रैफिकिंग व पॉक्सो की धाराओं के तहत अड्डे के चार संचालकों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि कुछ आरोपी फरार हैं। छापे की यह कार्रवाई गैरसरकारी संगठनों एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) और कोसी लोक मंच की सूचना और निशानदेही पर हुई। ये दोनों ही संगठन बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी हैं। एवीए को उसके एक कार्यकर्ता ने इस अड्डे पर बड़े पैमाने पर देह व्यापार के धंधे में नाबालिग लड़कियों के इस्तेमाल और उनके शोषण की सूचना दी थी। इसके बाद एवीए और कोसी लोक मंच ने बिहार और बंगाल के कार्यकर्ताओं की एक साझा टीम गठित की जो दो महीने से लगातार इस अड्डे की निगरानी कर रही थी। यहां लगभग 30 से 40 नाबालिगों की उपस्थिति की पुष्टि हो जाने के बाद टीम ने जिले के पुलिस अधीक्षक को इसकी सूचना दी। पुलिस अधीक्षक ने तत्परता से कार्रवाई की और पुलिस टीम ने एवीए और कोसी लोक मंच के साथ मिलकर पूरी तैयारी के साथ इस अड्डे पर छापा मार कर 17 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया। संवेदनशील इलाका होने के मद्देनजर इस दौरान ड्रोन से भी निगरानी की गई लेकिन इसके बावजूद कुछ आरोपी कई बच्चियों को लेकर फरार होने में कामयाब हो गए। शोषण की दास्तान सुनाते हुए मुक्त कराई गई बच्चियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें रोजाना 8 से 10 ग्राहकों को खुश करना पड़ता था और अड्डे के संचालक इसके एवज में उन्हें एक धेला भी नहीं देते थे। बताते चलें कि सितंबर 2025 में भी एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन की सूचना पर जिले में इसी तरह के देह व्यापार के एक अड्डे से पुलिस ने नौ नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया था लेकिन आरोपियों ने थाने पर हमला बोल दिया और सभी बच्चियों को लेकर भागने में कामयाब रहे। इस त्वरित कार्रवाई के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की प्रशंसा करते हुए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने कहा, "इतनी बड़ी संख्या में वेश्यावृत्ति के अड्डे से नाबालिग लड़कियों का मिलना इस बात को दर्शाता है ट्रैफिकिंग गिरोहों की जड़ें कितनी गहरी और पहुंच कितनी व्यापक है। ट्रैफिकिंग के जरिए 11-12 साल की लड़कियों को बिहार व असम से लाना व उन्हें देह व्यापार के धंधे में धकेलना एक घिनौनी सच्चाई है और इससे निपटने के लिए सरकार व प्रशासन को अपनी पूरी ताकत व संसाधनों के इस्तेमाल की जरूरत है। इस कार्रवाई से साफ है कि पश्चिम बंगाल सरकार व पुलिस में बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए आवश्यक इच्छाशक्ति है। यह एक बड़ा बदलाव है।"

गुरुजी चंदेल का पाकिस्तान को करारा जवाब पहले आतंकवादी यो व पीओके को भारत के हवाले करें फिर वार्ता

नई सोच एक्सप्रेस

» पाकिस्तान से वार्ता की वकालत करने वाले लोग कभी भी भारत के हितेषी नहीं हो सकते

नई दिल्ली।गुरुजी राजू चंदेल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कायर गद्दार पाकिस्तान ने जिस प्रकार भारत में आतंकवाद फैला रखा है और भारत के बेगुनाह नागरिकों को बेवजह मौत के घाट उतारने का लगातार सिलसिला जारी रखा है कश्मीर में लगातार आतंकवादियों की घुसपैठ कर रहा है हमारे अनगिनत भारतीय नागरिक और सैनिकों की हत्या कर चुका है ऐसे हत्यारे पाकिस्तान के साथ' एक साथ कोई डायलॉग व बातचीत नहीं हो सकती और ना ही वार्ता सबसे पहले पाकिस्तान को अपने यहां पल रहे आतंकवाद और आतंकवादियों को पनाह देनी बंद करनी होगी और आतंकवादियों को भारत के हवाले करें और पाकिस्तान के कब्जे हमारा पीओके है वह भारत का अभिन्न अंग है उसे भारत के हवाले किया जाना चाहिए उससे पहले कोई वार्ता नहीं होगी कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा गुरुजी राजू चंदेल ने उन पाकिस्तानी प्रेमी नेताओं को कड़े शब्दों फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी पाकिस्तान से कश्मीर में पिछले साल बेगुनाह लोगों को उनका धर्म पूछ कर उनके निर्मम हत्या किए जाने का कभी भी विरोध नहीं किया और ना ही पाकिस्तान से हिसाब मांगा आज वह किस मुंह से भारत से वार्ता की वकालत पाकिस्तान को लेकर कर रहे हैं यह दोहरा चरित्र बिल्कुल भी नहीं चलेगा पाकिस्तान इस प्रकार वकालत करने वाले लोग व नेता कभी भी भारत के हितैषी ऐसी नहीं हो सकते गुरुजी चंदेल ने कहा कि ने देश के अपने गौरवशाली प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी से मांग करते हुए कहा कि कायर गद्दार पाकिस्तान को कश्मीर में उसके द्वारा मारे गए बेगुनाह लोगों का हिसाब देना चाहिए और पीओके को पाकिस्तान को भारत के सोपना होगा इससे पहले कोई वार्ता ना करें कायर गद्दार पाकिस्तान बार-बार भारत की नरमी का गलत फायदा उठाता है और बेगुनाह भारतीयों को मारता है पहले उसे सुधरना होगा उससे पहले उससे कोई बात नहीं होनी चाहिए

जन-जागरण अभियानों में व्याख्याता ज्योति सराफ की सराहनीय भूमिका

नई सोच एक्सप्रेस

बिलासपुर।शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुरदा की व्याख्याता ज्योति सराफ समाज में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न जनहित अभियानों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वरिष्ठ व्याख्याता शांति सोनी के मार्गदर्शन में उन्होंने नशा मुक्ति, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियानों को विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। ज्योति सराफ ने जनसंवाद, जागरूकता रैलियों, हस्ताक्षर अभियान और प्रेरक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने, जल संरक्षण और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। वहीं किशोरियों और महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देकर जागरूक किया। शांति सोनी के नेतृत्व और ज्योति सराफ के समर्पित प्रयासों से ये अभियान अब विद्यालयों की सीमाओं से निकलकर सामाजिक जागरूकता का व्यापक अभियान बन चुके हैं। स्थानीय स्तर पर इनके कार्यों की सराहना की जा रही है।

आंदोलन में योगदान के लिए अधिवक्ता दिव्यांश पांडेय का सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

आगरा।सदर तहसील, आगरा में ई-रजिस्ट्रेशन एवं फ्रंट ऑफिस व्यवस्था के विरोध में चल रहे आंदोलन के दौरान उल्लेखनीय योगदान देने वाले युवा अधिवक्ता दिव्यांश पांडेय का शनिवार को अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों, स्टाम्प वेंडर्स एवं सहयोगियों ने सम्मानित किया। आयोजकों के अनुसार दिव्यांश पांडेय ने पिछले 16 दिनों से प्रतिदिन धरना स्थल पर उपस्थित रहकर आंदोलन की व्यवस्थाओं का संचालन किया। उन्होंने बैठने की व्यवस्था, माइक, पेयजल और भोजन जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ-साथ आंदोलन में शामिल लोगों के बीच समन्वय बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई। मंच संचालन के दौरान भी उन्होंने आंदोलनकारियों का उत्साहवर्धन किया। तहसील बार एसोसिएशन के महासचिव अरविंद कुमार दुबे ने कहा कि किसी भी आंदोलन की सफलता समर्पित कार्यकर्ताओं की निष्ठा और मेहनत पर निर्भर करती है। उन्होंने दिव्यांश पांडेय के सेवा भाव, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए इसे अन्य साथियों के लिए प्रेरणादायी बताया। सम्मान समारोह में अधिवक्ताओं और अन्य सहयोगियों ने दिव्यांश पांडेय का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शंभूनाथ वर्मा, महासचिव अरविंद कुमार दुबे, छात्र नेता हिमांशु पांडेय (एडवोकेट), राकेश कुमार, प्रमोद वर्मा, मुकेश गुप्ता, भास्कर रावत, मनोज कुमार, लोकप्रताप, मान सिंह, देवी सिंह लोधी, अवदेश शर्मा, रोहित अग्रवाल, दुर्गेश शर्मा सहित अनेक अधिवक्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वैध पंजीकरण के बाद ही करें अमरनाथ यात्रा : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

श्रीनगर/वाराणसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे वैध पंजीकरण और निर्धारित यात्रा तिथि के अनुसार ही श्री अमरनाथ यात्रा पर निकलें। उन्होंने कहा कि बिना पंजीकरण यात्रा पर पहुंचने से श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी और लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ रहा है। श्री अमरनाथ यात्रा-2026 की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में उपराज्यपाल ने श्रद्धालुओं की आवाजाही, सुरक्षा, यातायात, आवास और पंजीकरण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल वैध पंजीकरण रखने वाले श्रद्धालुओं को ही यात्रा मार्ग पर आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप प्रतिदिन निर्धारित संख्या में ही श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति दी जा रही है। जिन श्रद्धालुओं ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, उनसे अगले कुछ दिनों तक यात्रा स्थगित रखने और पहले अनिवार्य पंजीकरण पूरा करने की अपील की गई है। बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उपराज्यपाल ने सभी विभागों, सुरक्षा एजेंसियों, लंगर समितियों और स्वयंसेवी संगठनों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुचारु यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शाहरुख खान ने रचा इतिहास, लॉस एंजेलिस में खुला नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड

नई सोच एक्सप्रेस

» नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड, LA में खेला गया पहला मेजर लीग क्रिकेट मैच, क्रिकेट के वैश्विक विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कदम

मुंबई।क्रिकेट की दुनिया में नाइट राइडर्स ग्रुप ने एक नया इतिहास रच दिया है। यह दुनिया का पहला ग्लोबल क्रिकेट ब्रांड बन गया है, जिसने अपना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाया है। लॉस एंजेलिस का नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड अब आधिकारिक तौर पर अपना पहला मेजर लीग क्रिकेट मैच होस्ट कर चुका है।लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स (LAKR) और वॉशिंगटन फ्रीडम के बीच खेले गए इस मुकाबले के साथ यह सिर्फ एक नए स्टेडियम की शुरुआत नहीं थी। यह अमेरिका में क्रिकेट के लिए एक स्थायी और वर्ल्ड-क्लास होम बनने की शुरुआत है। साथ ही, यह भी दिखाता है कि नाइट राइडर्स ग्रुप वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर में लॉन्ग-टर्म निवेश के जरिए क्रिकेट को आगे बढ़ाने के अपने विज़न पर लगातार काम कर रहा है। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स के मुताबिक तैयार किए गए नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड, LA को खिलाड़ियों और फैंस, दोनों को बेहतरीन क्रिकेटिंग एक्सपीरियंस देने के लिए बनाया गया है। इस मैदान में मेन स्क्वायर पर आठ विकेट हैं, ICC स्टैंडर्ड के मुताबिक प्लेइंग डाइमेंशन्स हैं और 120 फीट ऊंचे छह फ्लडलाइट टावर्स लगाए गए हैं। वहीं, इस वर्ल्ड-क्लास क्रिकेट ग्राउंड को तैयार करने के लिए निर्माण के दौरान 32,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मिट्टी हटाई गई।नाइट राइडर्स ग्रुप के सह-मालिक शाहरुख खान ने कहा, "जो कभी एक सपना था, वह आज हकीकत बन गया है। दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेल क्रिकेट को लॉस एंजेलिस तक लाना हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक पल है। फेयरप्लेक्स और नाइट राइडर्स के बीच यह लॉन्ग-टर्म पार्टनरशिप सिर्फ एक क्रिकेट स्टेडियम बनाने तक सीमित नहीं है। हम एक ऐसी जगह बना रहे हैं, जो कम्युनिटी, एकजुटता, जोश और एंटरटेनमेंट का जश्न मनाएगी।"

सिंहस्थ कुंभ महापर्व 2026 के ध्वजारोहण का मुहूर्त घोषित

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।काशी के प्रख्यात वैदिक विद्वान एवं पद्मश्री पंडित गणेश्वर शास्त्री द्राविड़ ने नाशिक में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ महापर्व-2026 के ध्वजारोहण का शुभ मुहूर्त निर्धारित किया है। यह आयोजन 29 नवंबर 2026 को महाराष्ट्र के नाशिक स्थित श्री कपिल महामुनि आश्रम, कपिलधारा तीर्थ में गोदावरी एवं कपिला नदी के संगम पर वैदिक विधि-विधान के साथ होगा। आयोजन के मुख्य संयोजक जगद्गुरु कल्किराम महाराज और श्री कपिल महामुनि आश्रम के अध्यक्ष महंत रामनारायणदास ने बताया कि कार्तिक वद्य पंचमी, पुष्य नक्षत्र एवं अमृत योग में सुबह 8:45 से 9:00 बजे के बीच ध्वजारोहण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ मूल स्थान का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व अत्यंत प्राचीन है तथा कुंभ महापर्व में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु, संत-महात्मा और विभिन्न अखाड़ों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। ध्वजारोहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित कई प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की संभावना जताई गई है।

अन्य विषयों से हटकर है आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन

आज भले ही हमारे आसपास हजारों जॉब ऑप्शंस उपलब्ध हों मगर जिन लोगों का मन शिक्षण में लगता है, उनके लिए आज भी यह बाकी सारे प्रोफेशंस से ऊपर है। यूं तो हर विषय का अध्यापन अपनी खास विशेषताएं लिए हुए होता है मगर आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन अन्य विषयों से हटकर है। आज, जबकि बच्चों के विकास पर जोर दिया जा रहा है, ऐसे में स्कूली स्तर पर आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर की मांग बढ़ रही है। अगर आप भी आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने की चाह रखते हैं, तो इसके लिए आपको कुछ खास डिग्री/ डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट हासिल करना होगा। ध्यान रहे, आर्ट्स एंड क्राफ्ट के तहत बहुत-से फील्ड्स आते हैं, जैसे ड्रॉइंग, पेंटिंग, थिएटर, हैंडिक्राफ्ट्स, फोटोग्राफी, पेपर आर्ट, पॉटरी, क्ले मॉडलिंग आदि। हर कला एक हुनर है और इसे सिखाना, इससे भी बड़ा हुनर।

जरूरी क्वॉलिफिकेशन

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी सरकारी/प्रायवेट कॉलेज से आर्ट का नियमित ग्रेजुएट डिग्री कोर्स।
किसी प्रतिष्ठित कॉलेज या ट्रेनिंग सेंटर/ इंस्टीट्यूट से 1 या 2 वर्ष का आर्ट का डिप्लोमा कोर्स।
किसी सरकारी कॉलेज से 6 माह का आर्ट एप्रिसिएशन सर्टिफिकेशन कोर्स।
इन सभी कोर्सेज में थ्योरी और प्रेक्टिकल दोनों महत्वपूर्ण होते हैं। ये कोर्स करने से आप कला के तकनीकी पक्ष को अच्छी तरह समझने लगते हैं। साथ ही आपको क्लासरूम मैनेजमेंट, टीचिंग इक्विपमेंट आदि के बारे में भी सीखने को मिलता है। अपने ज्ञान को विस्तार देने के लिए आप कहीं शॉर्ट-टर्म इंटर्नशिप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से नियमित जॉब करने से पहले आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

कौन होता है अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर

एक अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने के लिए केवल अकादमिक क्वॉलिफिकेशन ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आपमें कुछ और गुण होना भी बेहद जरूरी है, जैसेः

- आपमें कला और उसके अध्यापन को लेकर पैशन हो।
- आप विद्यार्थियों के साथ सहज तालमेल बिठा लेते हों और आपमें उन्हें प्रेरित करने की क्षमता हो।
- आप अथाह धैर्य के स्वामी हों। कला और शिक्षण दोनों ही धैर्य मांगते हैं।
- आप हर वक्त कुछ नया सोचने की क्षमता रखते हों।
- आप सिखाने के साथ-साथ खुद नया सीखते रहने को भी तत्पर हों।
- विभिन्न शिक्षण तकनीकों पर आपकी मजबूत पकड़ हो।

कंपनी के ब्रांड नेम के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं प्रोफेशनल्स

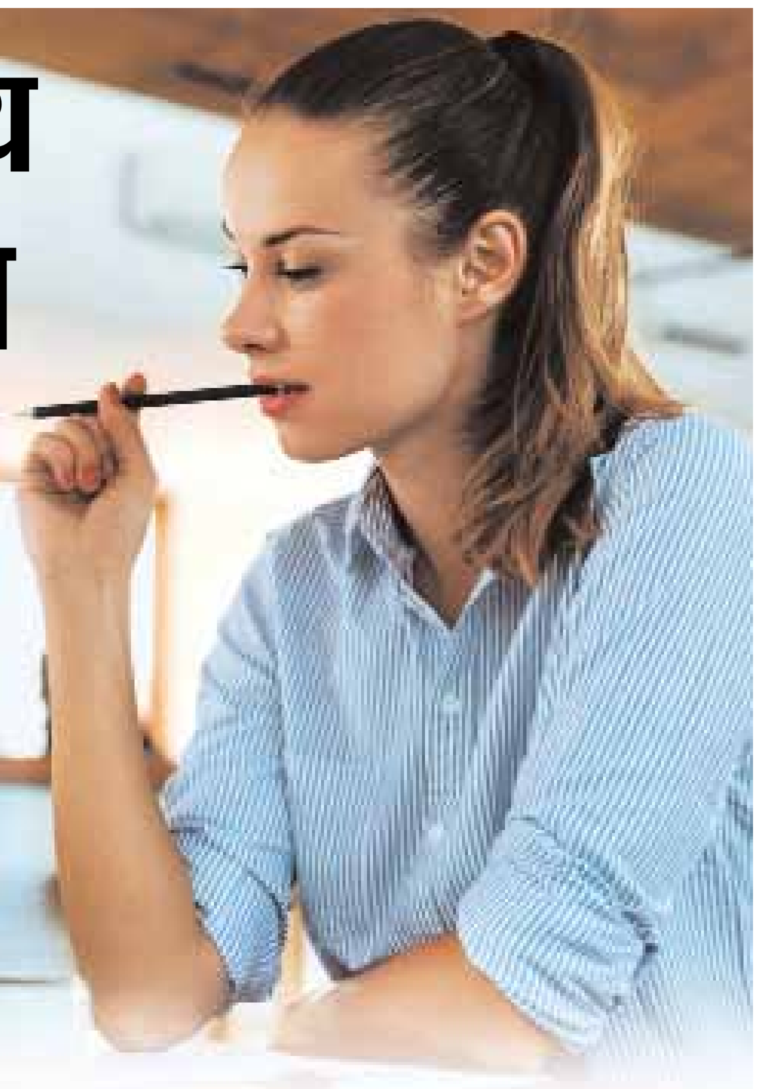

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीठ पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।

सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं।

ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहे जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिंदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं। बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

आसान नहीं, चुनौतीपूर्ण है टेलिफोनिक इंटरव्यू

आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है।

आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्वेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैंः

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कागज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां ढूंढना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।
- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वेटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रैक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

आलिया भट्ट की अल्फा ने एडवांस बुकिंग में मचाया धमाल रिलीज से पहले करोड़ छापे?

वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स की पहल फीमेल लीड फिल्म अल्फा साल की मच अवेटेड फिल्म है और ये इस शुक्रवार को रिलीज होने वाली है. वहीं आलिया भट्ट स्टारर इस स्पाई-एक्शन फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है और प्री टिकट सेल के शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि थिएटर में रिलीज से पहले ही इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. चलिए यहां जानते हैं अल्फा ने रिलीज से पहले एडवांस बुकिंग में कितनी कमाई कर डाली है? अल्फा की रिलीज का फैंस को बेसब्री से इंतजार है और इसी के साथ फिल्म की खूब प्री टिकट सेल हो रही है. सैकनिल्क के शुरुआती एडवांस बुकिंग आंकड़ों के मुताबिक अल्फा ने भारत में 10 हजार 293 हिंदी (2डी) शो के जरिए अपने पहले दिन के लिए 41.06 करोड़ कमा लिए हैं. वहीं ब्लॉक की गई सीटों को मिलाकर, फिल्म की पहले दिन की एडवांस बुकिंग की कमाई फिलहाल 1.52 करोड़ है. बता दें कि इस फिल्म को प्री टिकट सेल में महाराष्ट्र से सबसे अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. यहां ब्लॉक की गई सीटों सहित इसने 34.76 लाख की एडवांस बुकिंग की है. इसके बाद दिल्ली का नंबर है, जहां इस फिल्म ने 34.35 लाख की बुकिंग की है जबकि गुजरात ने फिल्म की रिलीज से पहले की कमाई में 10.66 लाख का कॉन्ट्रिब्यूशन दिया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मौजूदा ट्रेंड्स और शुरुआती अनुमानों के आधार पर, अल्फा के भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 7 से 8 करोड़ (नेट) की कमाई करने की उम्मीद है. हालांकि ये आंकड़े किसी फ्रैंचाइजी फिल्म के लिए खास ओपनिंग नहीं है, लेकिन अभी भी स्पॉट बुकिंग (मौके पर टिकट खरीदने) की गुंजाइश है. वहीं अगर इसे पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ मिलता है तो इसके पहले दिन के कलेक्शन में इजाफे की उम्मीद है. देखने वाली बात होगी कि क्या ये डबल डिजिट में ओपनिंग कर पाएगी या नहीं? अल्फा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी एक्शन फिल्म है जिसमें मुख्य भूमिका में कोई महिला है. पिछले कुछ सालों में, यह सिनेमैटिक यूनिवर्स एक था टाइगर, टाइगर ज़िंदा है, वॉर और पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ आगे बढ़ा है. अब देखने वाली बात होगी कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म कर पाती है.

भारत के बाद अब जापान के सिनेमाघरों में धूम मचाती दिखेगी धुरंधर, रिलीज तारीख का हुआ ऐलान

रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर अब जापान के सिनेमाघरों में धूम मचाती दिखेगी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक पोस्ट के जरिए इस खुशखबरी का ऐलान कर दिया है। साथ में रिलीज की तारीख भी बताई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह एक जासूस एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो 5 दिसंबर, 2025 में रिलीज हुई थी। वर्ल्डवाइड 1,354 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार करते हुए इसने हिंदी सिनेमा की सबसे सफल फिल्मों में अपनी जगह बनाई है। धुरंधर की रिलीज से पहले, रणवीर ने एक वीडियो संदेश ऑनलाइन साझा किया और जापान के दर्शकों तक इसके पहुंचने पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि फिल्म 10 जुलाई, 2026 से जापान के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। बता दें, धुरंधर में रणवीर के अलावा अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और संजय दत्त जैसे सितारे मौजूद हैं। इसकी दूसरी कड़ी धुरंधुरः द रिवेंज मार्च, 2026 में रिलीज हुई और अब जियोहॉटस्टार पर मौजूद है। सैकनिल्क के मुताबिक, जापान में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड एसएस राजामौली की आरआरआर के नाम है, जिसने जापान में करीब 2.42 बिलियन येन यानी करीब 139.79 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. इसके बाद दूसरे नंबर पर रजनीकांत की मुथु 23.39 करोड़ रुपेय और तीसरे पर बाहुबली 2 करीब 17.61 करोड़ रुपये है. फिल्म की कहानी एक भारतीय जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक बेहद संवेदनशील मिशन को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान में आतंकी नेटवर्क में घुसपैठ करता है. अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे दिग्गजों से सजी यह फिल्म अब जापान में नया इतिहास रचने को बेताब है.

वेलकम टू द जंगल के आगे हार मानने को तैयार नहीं कॉकटेल 2, 13वें दिन भी खूब छापे नोट

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की फ़िल्म कॉकटेल 2 ने पहले हफ्ते में जमकर कमाई की थी लेकिन दूसरे हफ्तें में एंट्री करते ही इसे अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल से मुकाबला करना पड़ा. हालांकि नई फिल्म के आने से कॉकटेल 2 की कमाई कुछ खास असर नहीं पडा और ये बॉक्स ऑफिस पर मजबूत बनी हुई है. यहां तक कि दूसरे मंगलवार को तो इसने कमाई में तेजी भी दिखाई थी. चलिए यहां इसके बुधवार यानी छठे दिन का कलेक्शन जानते हैं. क्रिटिक्स और दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिलने के बावजूद होमी अदजानिया निर्देशित रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म ने सिनेमाघरों में लगातार अच्छा परफॉर्म किया है. लेकिन वीकडेज में इसकी कमाई थोड़ी सुस्त पड़ गई है. खासकर दूसरे बुधवार को यानी 13वें दिन इसके कलेक्शन सबसे ज्यादा मंदी देखी गई फिर भी इसने 1 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक 13.50 करोड़ से खाता खोला था और पहले हफ्ते में 70.50 करोड़ कमाए. इसके बाद इसने 8वें दिन 4 करोड़, 9वें दिन 4.25 करोड़, 10वें दिन 4.40 करोड़, 11वें दिन 1.75 करोड़ और 12वें दिन 1.85 करोड़ कमाए थे.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को कॉकटेल 2 ने 1.40 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 13 दिनों की कुल कमाई अब 88.15 करोड़ रुपये हो गई है. कॉकटेल 2 ने आधिकारिक तौर पर कृति और शाहिद की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के 87 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को पार कर लिया है. इसी के साथ ये फिल्म कृति के करियर की 8वीं सबसे बड़ी फिल्म भी बन गई है. कॉकटेल 2 ने रिलीज के 13 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 88.15 करोड़ का कलेक्शन कर डाला है. अब ये 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है. हालांकि इस मील के पत्थर को पार करने के लिए इसे 12 करोड़ के करीब और कमाना होगा. उम्मीद है कि इसकी कमाई में तीसरे वीकेंड पर तेजी आएगी और ये भी संभावना है कि ये 100 करोड़ बन जाए. देखने वाली बात होगी कि घटती कमाई के साथ क्या कॉकटेल 2 ने शतक जड़ पाती है या नहीं.

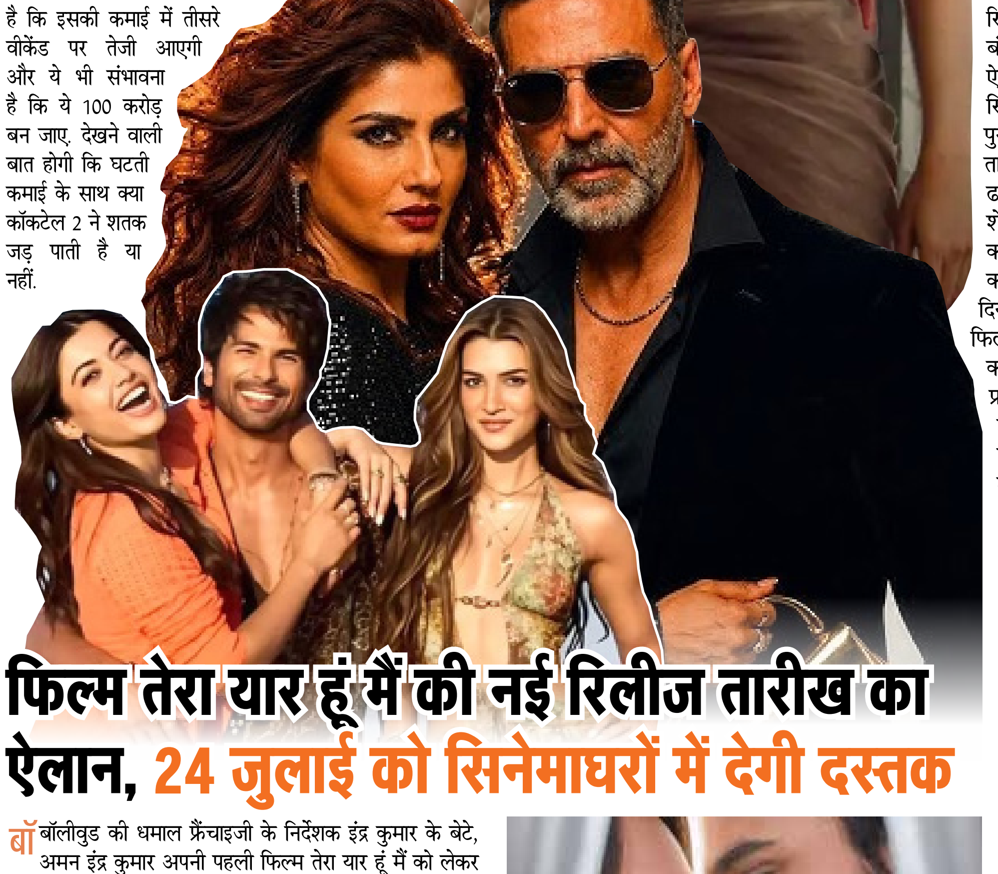

मां इंटि बंगारम ने तोड़ा 17 साल पुराना रिकॉर्ड, बनी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फीमेल लीड तेलुगू फिल्म

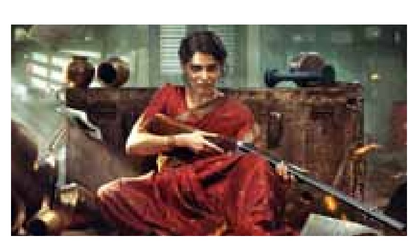

सामंथा रुथ प्रभु ने बॉक्स ऑफिस पर वो कर दिखाया है, जिसकी कल्पना शायद ही किसी ने की थी। उनकी हालिया रिलीज फिल्म मां इंटी बंगारम सिनेमाघरों में ऐसी आंधी लाई कि तेलुगू सिनेमा का 17 साल पुराना एक महा-रिकॉर्ड ताश के पत्तों की तरह ढह गया। इसने अनुष्का शेट्टी की साल 2009 की ब्लॉकबस्टर अरुंधति को पछाड़कर इतिहास रच दिया है। अब सामंथा की ये फिल्म सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलूगू महिला प्रधान फिल्म बन गई है। सामंथा की फिल्म मां इंटी बंगारम से पहले अनुष्का शेट्टी की 2009 में आई फिल्म अरुंधति को तेलुगू सिनेमा में महिला-प्रधान फिल्मों के लिए सबसे बड़ा पैमाना माना जाता था। उस दौर में, जहां सिर्फ अभिनेताओं का बोलबाला था, अनुष्का ने अपनी दमदार और अनोखी भूमिकाओं से इंडस्ट्री में एक खास पहचान बनाई थी, लेकिन अब सामंथा की मां इंटी बंगारम ने अनुष्का के उस 17 साल पुराने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को पूरी तरह से तोड़ दिया है। सामंथा की ये फिल्म 19 जून को रिलीज हुई थी। इसने दुनियाभर में 83 करोड़ और भारत में 50 करोड़ की बंपर कमाई कर ली है। इसके साथ ही ये तेलुगू सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान फिल्म बन गई है। सामंथा के प्रोडक्शन हाउस त्रालाला मूविंग पिक्चर्स ने इस ऐतिहासिक सफलता की पुष्टि की है, जिसके बाद से प्रशंसक बेहद गर्व के साथ सामंथा को क्वीन और सुपरस्टार कहकर बधाई दे रहे हैं। कोडी रामकृष्ण की फिल्म अरुंधति ने अनुष्का शेट्टी के दम पर दुनियाभर में 70 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर लंबे समय तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान तेलुगू फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम रखा। अब मां इंटी बंगारम ने ये रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हालांकि, महानती ने 75 करोड़ से ज्यादा कमाई की थी, लेकिन उसमें कीर्ति सुरेश के साथ दुलकर सलमान, सामंथा और विजय देवरकोंडा समेत कई बड़े सितारे भी अहम भूमिकाओं में थे। सामंथा की मां इंटी बंगारम ने सिर्फ तेलुगू सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने का रिकॉर्ड बनाया है, वहीं कल्याणी प्रियदर्शन की मलयालम फिल्म लोकाहः चैप्टर 1- चंद्रा ने न सिर्फ अपनी इंडस्ट्री, बल्कि पूरे साउथ इंडिया (तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ सबको मिलाकर) में सबसे ज्यादा 300 करोड़ की कमाई करने वाली महिला-प्रधान फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम किया हुआ है यानी सामंथा की फिल्म तेलुगू में नंबर-1 है और लोका पूरे दक्षिण भारतीय सिनेमा में नंबर-1 है।

फिल्म तेरा यार हूं मैं की नई रिलीज तारीख का ऐलान, 24 जुलाई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड की धमाल फ्रैंचाइजी के निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे, अमन इंद्र कुमार अपनी पहली फिल्म तेरा यार हूं मैं को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। मिलाप जावेरी के निर्देशन में बनी यह एक भावनात्मक रोमांटिक ड्रामा कहानी है। फिल्म में अमन के साथ मुख्य किरदार में आकांक्षा शर्मा नजर आएंगी, जो हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू कर रही हैं। ताजा अपडेट है कि फिल्म की रिलीज तारीख एक बार फिर से बदल दी गई है। मशहूर फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने एक्स पर तेरा यार हूं मैं की नई रिलीज तारीख का ऐलान किया है। पोस्ट के अनुसार, फिल्म अब अपनी तय रिलीज तारीख (31 जुलाई, 2026) से एक हफ्ते पहले दस्तक देगी। नई तारीख के साथ, फिल्म 24 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने अमन और आकांक्षा पर फिल्माए गए टाइटल ट्रैक की एक झलक भी जारी है। फिल्म में परेश रावल भी अहम किरदार में दिखेंगे। इससे पहले मेकर्स ने फरवरी में फिल्म की घोषणा करते हुए इसका फर्स्ट लुक जारी किया था। तब मेकर्स फिल्म को 22 मई को रिलीज करने वाले थे।

लेकिन अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट बदल दी है। फिल्म का जो पोस्टर जारी किया गया है, उसमें फिल्म के लीड कलाकार अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा नजर आ रहे हैं। व्हाइट बैकग्राउंड में दोनों के चेहरों का क्लोज अप शॉट है, जिसमें दोनों एक-दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं। अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

बंद नाक को खोलने में कारगर है नीलगिरी का भाप लेना, ऐसे करें इस्तेमाल

बंद नाक की समस्या आमतौर पर सर्दी, खांसी या एलर्जी के कारण होती है। जब नाक बंद होती है तो सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इस स्थिति में नीलगिरी का भाप लेना एक असरदार उपाय हो सकता है। नीलगिरी का तेल प्राकृतिक रूप से एंटीसेप्टिक और दर्द निवारक होता है, जो बंद नाक को खोलने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं कि नीलगिरी का भाप लेने से बंद नाक कैसे खुल सकती है। नीलगिरी का तेल कैसे काम करता है? नीलगिरी का तेल एक प्राकृतिक उपाय है, जो रक्त नलिकाओं को सिकोड़कर सूजन को कम करता है। इससे नाक की सूजन भी कम होती है और सांस लेना आसान हो जाता है। इसके अलावा नीलगिरी के तेल में सूजन कम करने वाले तत्व भी होते हैं। जब आप नीलगिरी का भाप लेते हैं तो यह आपके शरीर को ठंडक पहुंचाता है, जिससे आपको राहत मिलती है। नीलगिरी का भाप लेने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबालें और उसमें 5-6 बूंदें नीलगिरी का तेल डालें। अब अपने सिर को तौलिये से ढककर बर्तन के ऊपर रख लें ताकि भाप आपके चेहरे पर सीधे आए। ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो ताकि आपकी त्वचा जल न जाए। इस प्रक्रिया को 10-15 मिनट तक दोहराएं। इससे आपकी बंद नाक खुल जाएगी और आपको राहत मिलेगी।नी लगिरी का भाप लेने से केवल बंद नाक ही नहीं बल्कि सिरदर्द, थकान और तनाव में भी राहत मिलती है। इसके अलावा यह आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद हो सकता है क्योंकि भाप लेने से त्वचा के छिद्र खुल जाते हैं और गंदगी बाहर निकल जाती है। नीलगिरी का तेल एक प्राकृतिक उपाय है, जो बिना किसी दवा के आपको ताजगी और राहत प्रदान करता है। इसे नियमित रूप से अपनाकर आप अपनी सेहत में सुधार ला सकते हैं। नीलगिरी का भाप लेते समय कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील होती है तो पहले थोड़ा परीक्षण करें। इसके अलावा अगर आपको सांस की या किसी अन्य बीमारी हो तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें। बच्चों और बुजुर्गों को भी सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि उनकी त्वचा अधिक संवेदनशील होती है। इस प्रकार नीलगिरी का भाप लेना एक सरल और असरदार उपाय हो सकता है, जो आपकी बंद नाक को खोलने में मदद करता है।

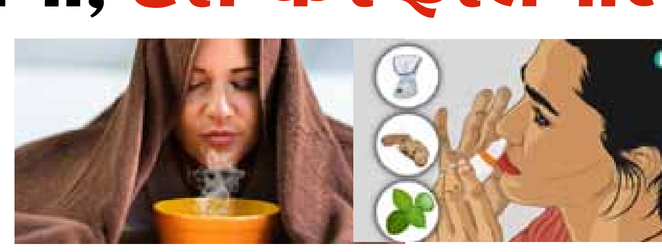

फीफा विश्वकप : अर्जेंटीना उलटफेर से बाल बाल बची, काबो वर्दे को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

एजेंसी, मियामी

पूर्व विश्व चैम्पियन अर्जेंटीना को बमुश्किल काबो वर्दे के खिलाफ जीत मिली है। इस मैच में छह लाख की आबादी वाली वर्दे ने अर्जेंटीना का पसीना निकाल दिया। इस जीत के साथ ही अर्जेंटीना की टीम फीफा विश्वकप कप फुटबॉल के राउंड ऑफ-16 में पहुंच गयी है। केवल 6 लाख की आबादी वाले वर्दे ने पूर्व विजेता को पूरे मैच में एक बार भी सांस लेने का अवसर नहीं दिया। अर्जेंटीना की टीम काफी प्रयासों के बाद अतिरिक्त समय में 3-2 से जीती जबकि एक समय तो वह डॉ पर मजबूर होती दिख रही थी।

यह मुकाबला अर्जेंटीना के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं था, जहाँ उन्हें पहली बार विश्व कप खेल रहे वर्दे जैसी कमजोर टीम ने इतनी कड़ी टक्कर दी। मैच की शुरुआत में कप्तान लियोनेल मेसी ने 29वें मिनट में ही एक शानदार गोल दागकर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। जिससे लगा कि वह आसानी से जीत लेगी। पहले हाफ तक अर्जेंटीना की टीम अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रही पर दूसरे हाफ में वर्दे ने अपनी जुझारू भावना का परिचय दिया। 59वें मिनट में वर्दे की ओर से डेरॉय डुआर्टे ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और मैच को पूरी तरह से बराबरी पर ला दिया। 90 मिनट के तय समय तक स्कोर बराबारी पर रहा। इससे मुकाबला अतिरिक्त टाइम में चला गया, इसमें मांचक मुकाबाला।

अतिरिक्त टाइम के पहले हाफ में, अर्जेंटीना के लिसैंड्रो मार्टिनेज ने 93वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को एक बार फिर 2-1 से आगे कर दिया। अर्जेंटीनी प्रशंसक अभी राहत की साँस ले ही रहे थे कि पासा एक बार फिर पलट गया। सिर्फ पाँच मिनट बाद, ही वर्दे के सिडनी लोपेज कैब्राल ने एक अविश्वसनीय गोल दागकर स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। इस बराबरी से अर्जेंटीना के खेमे में सन्नाटा छा गया। प्रशंसकों को लगा कि अर्जेंटीना का सफर यहीं थम जाएगा पर दूसरे हाफ में, जब मैच समाप्ति की ओर बढ़ रहा था तभी मेसी ने एक शानदार कॉर्नर किक लगाई। इस किक को क्रिस्टियन रोमेरो ने गोल में बदल कर अपनी टीम को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिला दी। यह गोल न सिर्फ अर्जेंटीना के लिए जीत का जरिया बना, बल्कि उसने डिफेंडिंग चैंपियन की साख भी बचा ली। काबो वर्दे ने भले ही यह मैच गंवा दिया हो, लेकिन उसने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों का दिल जीत लिया।

विश्वकप से बाहर हुई सेनेगल टीम में उभरे मतभेद, स्टार मिडफील्डर पापे ने लिया ब्रेक

एजेंसी, न्यूजर्सी

फीफा विश्वकप फुटबॉल से बाहर होने के बाद सेनेगल टीम में मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं। यहां तक कि स्टार मिडफील्डर पापे गुए ने टीम से अनिश्चितकालीन समय तक बाहर रहने की घोषणा कर दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जब तक मौजूदा तकनीकी स्टाफ टीम के साथ रहेगा, वह सेनेगल की जर्सी नहीं पहनेंगे। यह सब राउंड ऑफ-32 के उस बेहद रोमांचक मुकाबले के बाद हुआ, जहां सेनेगल का सामना बेल्जियम से था। मैच के 51वें मिनट तक सेनेगल ने 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी पर बाद में उसे 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था। गुए की नाराजगी का एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि उन्हें मैच के लगभग एक घंटे बाद कोच पापे थियाव ने मैदान से बाहर बुलाकर उनकी जगह लमीन कामारा को उतारा था, वही खिलाड़ी जिसने बाद में निर्णायक पेनाल्टी के लिए फाउल किया। इस हार के तुरंत बाद, पापे गुए ने सोशल मीडिय पर अपनी गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा, मैं बाद में इस हार पर विस्तार से बात करूंगा, लेकिन फिलहाल इतना कह रहा हूं कि जब तक यही तकनीकी स्टाफ टीम के साथ रहेगा, मैं राष्ट्रीय टीम से ब्रेक ले रहा हूं। उनका यह बयान टीम में गहरे मतभेद का संकेत दे रहा है और सवाल उठा रहा है कि क्या यह हार केवल एक खेल का नतीजा थी या इसमें रणनीतिक गलतियाँ भी शामिल थीं। हालांकि सेनेगल वर्ल्ड कप से बाहर हो गया, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में पापे गुए का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने अपनी टीम के लिए तीन महत्वपूर्ण गोल किए और एक असिस्ट भी दिया। इराक के खिलाफ 5-0 की शानदार जीत में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था, जो उनके फॉर्म और टीम के लिए उनके महत्व को दर्शाता है। एक व्यक्तिगत रूप से सफल प्रदर्शन के बाद टीम से ब्रेक लेने का उनका फैसला उनके असंतोष की गहराई को उजागर करता है।

फीफा विश्व कप में 30 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने मेसी

- **20वां गोल कर गोल्डन बूट की दौड़ में नंबर एक पर पहुंचे**

एजेंसी, मियामी

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी ने फीफा विश्व कप फुटबॉल में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। काबो वर्दे के खिलाफ मुकाबले में उतरते ही मेसी विश्वकप में 30 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। मेसी ने इस मैच के 29वें मिनट में एक शानदार गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी थी। मेसी का काबो वर्दे के खिलाफ यह गोल उनके विश्व कप करियर का 20वां गोल था, जिसके साथ वह फीफा विश्व कप में 20 गोल का आंकड़ा पार करने वाले पहले फुटबॉलर भी बन गए हैं। यह उपलब्धि उनकी गोल स्कोरिंग क्षमता और बड़े मंच पर उनके प्रभाव को सिद्ध करती है। मौजूदा टूर्नामेंट में यह मेसी का सातवां गोल था, और इस गोल के साथ ही उन्होंने गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे को पीछे छोड़ दिया है। वर्दे के खिलाफ दागा गया यह गोल फीफा विश्व कप में उनके लगातार आठवें मैच में किया गया गोल था, जो उनकी अविश्वसनीय स्कोरिंग क्षमता और दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने की प्रवृत्ति का प्रमाण है। राउंड ऑफ 32 के इस बेहद रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना और काबो वर्दे के बीच जोरदार मुकाबला हुआ।

फीफा विश्व कप 2026 के दौरान सोशल मीडिया पर अभद्रता के मामले बढ़े

एजेंसी, अटलांटा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सको में खेले जा रहे विश्ककप फुटबॉल मुकाबलों के दौरान सोशल मीडिया पर अभद्रता की घटनाएं भी तेजी से बढ़ी हैं और ये पिछले विश्वकप से अधिक हैं। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने ये खुलासा किया है। फीफा के अनुसार ग्रुप स्तर के मुकाबलों के दौरान ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की संख्या में काफी तेजी आई है। संगठन की डिजिटल मॉनिटरिंग टीम ने कुल 89,000 ऐसे पोस्ट की पहचान की है, जो 2022 कतर विश्व कप की तुलना में 13 गुना अधिक हैं। इस दौरान नस्लीय टिप्पणियों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, और 100 से अधिक मामलों में कानूनी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। ये आपत्तिजनक पोस्ट मुख्य रूप से खिलाड़ियों, भाग लेने वाली टीमों और मैच अधिकारियों को निशाना बनाकर की गई थीं। फीफा के सोशल मीडिया प्रोटेक्शन सर्विस (एसएमपीएस) ने इस विशाल डेटा का विश्लेषण किया। 2026 विश्व कप के ग्रुप स्टेज के दौरान, एसएमपीएस ने 60 लाख से अधिक सोशल मीडिया पोस्ट और कमेंट्स की निगरानी की, जो 2022 विश्व कप के मुकाबले 33 फीसदी ज्यादा हैं। विश्लेषण में सामने आया कि इन पोस्ट्स में से 11 फीसदी सीधे तौर पर नस्लीय दुर्व्यवहार से संबंधित थीं।

सैमसन विदेशी धरती पर पिछली दस पारियों में आठ बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे

एजेंसी, मुम्बई

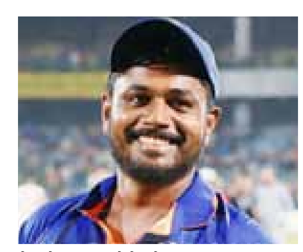

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का विदेशी धरती पर पिछले कुछ समय से प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और वह पिछली 10 पारियों में 5 बार तो खाता तक नहीं खोल पाये हैं। वहीं पिछली दस पारियों में वह आठ बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे है। हाल में हुए मुकाबलों में वह लगातार शुरुआती ओवरों में ही अपना विकेट गंवा बैठे हैं। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। मौजूदा टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ियों में से एक होने के कारण उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का भारी दबाव है क्योंकि सलामी बल्लेबाज के तौर पर वैभव सूर्यवंशी सहित कई युवा खिलाड़ी अवसर के इंतजार में हैं। ऐसे में अगर वह रन नहीं बनाते तो उनके लिए टीम में जगह बनाये रखना कठिन होगा। सैमसन के विदेशी धरती पर आंकड़ों पर ध्यान दें तो उनके लिए टीम में बने रहना कठिन हो गया है। पिछली 10 पारियों में वह विदेशी धरती पर दो बार ही शतक लगा पाये हैं। इसके अलावा वे दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान संजू पांच बार बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे हैं, जो किसी भी अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज के लिए चिंता का विषय है। इसी कारण इस टी20 सीरीज में सैमसन के लिए अपनी जगह बचा पाना कठिन हो रहा है। पिछले तीन टी20 मैचों में उनका बल्ला शांत रहा है और वे बहुत जल्दी पवेलियन लौटे हैं।

बिजनेस

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने खिलौना उद्योग से निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का किया आह्वान

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को भारतीय खिलौना निर्माताओं से अगले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत-पेरू के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चल रही वार्ता के जल्द संपन्न होने की संभावना नहीं है। हालांकि, वाणिज्य मंत्री ने भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में सकारात्मक संकेत दिए।

पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित 17वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भारतीय खिलौना उद्योग से अगले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य तय करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में खिलौना उद्योग को आश्वासन दिया कि सरकार गुणवत्ता मानकों (क्यूसीओ) को वापस नहीं लेगी। पीयूष गोयल ने पूरे भारत में खिलौना निर्माण क्लस्टर्स के लिए आधुनिक टेस्टिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है। वाणिज्य मंत्री ने 17वें 'टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026' में खिलौना आयात करने वाले देश से निर्यातक बनने तक के भारत के सफर का ज़िक्र करते हुए कहा कि यह सेक्टर और भी तेजी से बढ़ने के लिए तैयार है क्योंकि हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से नए बाजार खुलेंगे। उन्होंने खिलौना उद्योग से कहा कि वे क्वालिटी, सुरक्षा और ग्लोबल स्टैंडर्ड्स को प्राथमिकता दें, ताकि वैश्विक खिलौना निर्माण और निर्यात हब के तौर पर भारत की स्थिति और मजबूत हो सके। गोयल ने यहां आयोजित 17वें 'टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो' से इतर संवाददाताओं से कहा, "कुछ चिंताएं हैं, कई ऐसे उत्पाद हैं, जहां हम उन्हें बाजार पहुंच की अनुमति नहीं दे सकते। मुझे नहीं लगता कि पेरू के साथ एफटीए बहुत जल्द होने जा रहा है।" हालांकि, उन्होंने भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में सकारात्मक संकेत दिए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि कुछ उत्पादों में बाजार पहुंच संबंधी चिंताओं के कारण भारत-पेरू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चल रही बातचीत के जल्द संपन्न होने की संभावना नहीं है। दूसरी ओर भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में मंत्री ने बताया कि भारतीय अधिकारियों का एक दल बातचीत के अगले दौर के लिए सोमवार को कनाडा जाएगा। गोयल ने कहा, 'कनाडा के साथ एफटीए वार्ता अच्छी प्रगति पर है। हमारी टीम अगले दौर की बातचीत के लिए सोमवार को जा रही है। हमारी कोशिश है कि हम अगले छह महीनों में इसे अंतिम रूप दे दें।' केंद्रीय मंत्री ने यह बताया कि वह 13 जुलाई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ ब्रसेल्स जाएंगे, जहां वे 'भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद' (टीटीसी) की बैठक में हिस्सा लेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और पेरू के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए बातचीत साल 2017 में शुरू हुई थी। वैश्विक खिलौना बाजार लगभग 120 अरब डॉलर का है लेकिन इसमें भारत की हिस्सेदारी अभी मात्र 0.2 से 0.3 फीसदी है। हालांकि, पिछले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

सरकार ने प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल किया

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार ने प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल कर दी है। इससे प्याज किसानों को बेहतर रिटर्न मिलेगा और बफर खरीद मजबूत होगी। नई दरें 4 जुलाई से प्रभावी हो गई है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने 'प्राइस स्टेबलाइजेशन बफर' (कीमतों को स्थिर रखने के लिए बनाए गए स्टॉक) के लिए प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ा दी है, जो 1,875 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। ये नई खरीद कीमत 4 जुलाई से प्रभावी हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार के 'प्राइस स्टेबलाइजेशन बफर' के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नाफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के जरिए प्याज की खरीद का काम चल रहा है। प्याज खरीद की ये नई कीमत प्याज किसानों को बेहतर आमदनी दिलाएगी और बफर स्टॉक बनाने की कोशिशों में भी मदद करेगी। वहीं, कृषि और किसान कल्याण विभाग के 2025-26 के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, प्याज का उत्पादन 307.37 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जो 2024-25 में हुए 307.67 एलएमटी के उत्पादन के लगभग बराबर है। मंत्रालय ने कहा कि प्याज उत्पादन के इन अनुमानों को देखते हुए इस समय प्याज की कुल उपलब्धता चिंता का विषय नहीं है। हालांकि, कीमतों में सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव के कारण थोड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद की जा सकती है। वहीं, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में स्टॉक का स्तर पर्याप्त है। फिलहाल, प्याज के भंडार में किसी भी तरह की कमी के कोई संकेत नहीं हैं।

जयपुर में जस-2026 का शुभारंभ, दुबई ज्वैलरी ग्रुप से एमओयू

एजेंसी, जयपुर

दुबई ज्वैलरी ग्रुप के चेयरमैन तौहीद अब्दुल्लाह, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य सुरजीत भुजबल तथा राष्ट्रीय रत्न एवं आभूषण परिषद (एनजीजेसीआई) के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल

राजधानी के सीतापुरा स्थित नोवाटेल जेईसीसी में शुक्रवार से तीन दिवसीय ज्वेलर्स एसोसिएशन शो (जस-2026) का भव्य शुभारंभ हुआ। 3 से 5 जुलाई तक आयोजित इस बी-टू-बी प्रदर्शनी में पहली बार विश्व के जेम्स, ज्वेलरी और डायमंड उद्योग की प्रमुख हस्तियां एक मंच पर एकत्रित हुईं। उद्घाटन समारोह के दौरान दुबई ज्वैलरी ग्रुप और ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर (जस) के बीच ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) भी हुआ, जिससे जयपुर और दुबई के ज्वेलरी कारोबार को नई गति मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम का उद्घाटन मालाबार ग्रुप के वाइस चेयरमैन एवं जीईडी के.पी. अब्दुल सलाम, दुबई ज्वैलरी ग्रुप के चेयरमैन तौहीद अब्दुल्लाह, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य सुरजीत भुजबल तथा राष्ट्रीय रत्न एवं आभूषण परिषद (एनजीजेसीआई) के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने किया। ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने कहा कि यह आयोजन राजस्थान के जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग के लिए मील का पत्थर साबित होगा और जयपुर को वैश्विक जेम्स-ज्वेलरी हब के रूप में नई पहचान दिलाएगा। मालाबार ग्रुप के वाइस चेयरमैन एवं जीईडी के.पी. अब्दुल सलाम ने भारतीय ज्वेलरी उद्योग के लिए वैश्विक स्तर का मजबूत ब्रांड विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं दुबई ज्वैलरी ग्रुप के चेयरमैन तौहीद अब्दुल्लाह ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत व्यापारिक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने और जयपुर के कारोबारियों को दुबई के वैश्विक बाजार से जोड़ने का आह्वान किया। सीबीआईसी के सदस्य सुरजीत भुजबल ने कहा कि जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और केंद्र सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

भारत-इजराइल द्विपक्षीय निवेश समझौता हुआ लागू, सीमा-पार निवेश को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) शनिवार से प्रभावी हो गया है। भारत और इजराइल की सरकार ने 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में बीआईए पर हस्ताक्षर किए थे। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि भारत और इजराइल की सरकार के बीच 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश समझौता 4 जुलाई से लागू हो गया है। बीआईए से सीमा पार निवेश में वृद्धि होने और भारत और इज़राइल के बीच आर्थिक साझेदारी के और गहरा होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि बीआईए द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और एक सुरक्षित और पूर्वानुमानित निवेश वातावरण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षित निवेश का माहौल बनाना और सीमा-पार निवेश को बढ़ावा देना है, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी और गहरी होगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि बीआईए निवेश और निवेशकों के निवेशों की सुरक्षा में मजबूत है, साथ ही साथ वैध सार्वजनिक नीति के उद्देश्यों के अनुरूप संप्रभु नीतिगत स्थान बनाए रखने के लिए पर्याप्त लचीला भी है। यह अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून के आधुनिक सिद्धांतों और विकसित होते न्यायशास्त्र को दर्शाता है। भारत-इजराइल द्विपक्षीय निवेश समझौता की पूरी प्रति वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।